शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 216 | गुवाहाटी | शनिवार, 8 मार्च, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

200 यूनिट बिजली महिलाओं को फ्री बस सेवा... पेज 2

राज्य चुनाव आयोग ने राभा हासोंग स्वायत्त परिषद के चुनावों की घोषणा की पेज 3

पूर्व सीएम हुड्डा ने काम किया होता तो तीन बार नहीं नकारती जनता : रामचंद्र जांगड़ा पेज 5

सुनील छेत्री ने संन्यास तोड़कर की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम में वापसी पेज 7

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
चुनौतिया ही जिंदगी को रोमांचक बनाती है और इसी से आपके जिंदगी का महत्व निर्माण होता है।
– जोशहुआ जे मरीन

केंद्र सरकार देशभर में 25,000 जन औषधि केंद्र खोलेगी : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को जन औषधि दिवस पर कहा कि केंद्र सरकार सस्ती और गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाइयां उपलब्ध कराने के लिए देशभर में 25,000 जन औषधि केंद्र खोलेगी। प्रधानमंत्री ने सिलवासा में एक कार्यक्रम में केंद्रशासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव के लिए 2580 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास के बाद सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज जन औषधि दिवस भी है। उन्होंने जन औषधि को सस्ते इलाज की गारंटी करार दिया। उन्होंने कहा कि जन औषधि का मंत्र *दाम कम, दवाई में दम* है। मोदी ने कहा कि हमारी सरकार अच्छे अस्पताल भी बनवा रही है, आयुष्मान योजना के तहत मुफ्त इलाज की सुविधा भी दे रही है और जन औषधि केंद्रों के जरिए सस्ती दवाएं भी दे रही है। आने वाले वर्षों में हम देशभर में 25,000 जन औषधि केंद्र खोलने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं। अब तक सरकार ने 6,400 करोड़ रुपए से अधिक की सस्ती दवाइयां बेची हैं, जिससे लाभार्थियों को लगभग 30,000 करोड़ रुपए से अधिक की बचत होने का अनुमान है। प्रधानमंत्री ने देशवासियों के मोटापे से ग्रसित होने पर चिंता जताई और खाद्य तेल की खपत में कटौती की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि 2050 तक 44 करोड़ भारतीय

मोटापे से ग्रस्त होंगे। उन्होंने इसे चौंकाने वाला और खतरनाक आंकड़ा बताया। उन्होंने आगाह किया कि मोटापे के कारण हर तीसरा व्यक्ति गंभीर बीमारियों से ग्रस्त हो सकता है। मोदी ने मोटापे से निपटने के लिए खाद्य तेल की खपत में 10 प्रतिशत की कमी लाने का आह्वान दोहराया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो भविष्य में इससे बड़ी स्वास्थ्य समस्याएं पैदा होंगी। उन्होंने कहा कि हम सभी को अपने खाने के तेल में 10 प्रतिशत की कटौती करनी चाहिए। हमें हर महीने 10 प्रतिशत कम तेल में काम चलाने का प्रयास करना है। मोटापा कम करने की दिशा में ये एक बहुत बड़ा कदम होगा। इसके अलावा हम व्यायाम को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि सिंगापुर कभी एक द्वीप था, जहां कुछ मछुआरे रहते थे, लेकिन अपने नागरिकों की कड़ी मेहनत के कारण यह बहुत कम समय में एक विकसित देश बन गया। इसी तरह दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव को भी बदल सकते हैं। मोदी ने कहा कि केंद्रशासित प्रदेश के लोग यह बदलाव ला सकते हैं और मैं इस प्रयास में उनके साथ खड़ा होने के लिए तैयार हूं। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव के लिए यह एक ऐतिहासिक दिन है, क्योंकि प्रमुख विकास परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं। दादरा और नगर हवेली, दमन-दीव हमारे लिए सिर्फ एक केंद्रशासित प्रदेश नहीं है, बल्कि हमारा गर्व और विरासत है। इसलिए हम इस प्रदेश को एक ऐसा मॉडल प्रदेश बना रहे हैं, जो अपने समग्र विकास के लिए जाना जाए। यह एक शिक्षा केंद्र के रूप में विकसित हुआ है। उन्होंने कहा कि दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव कई योजनाओं में सैचुरेशन की स्थिति में पहुंच गए हैं। जीवन के हर आयाम और हर जरूरत के लिए सरकार की योजना का लाभ हर लाभार्थी को मिल रहा है। प्रधानमंत्री ने इससे पहले सिलवासा में नमो अस्पताल के प्रथम चरण का उद्घाटन किया। कुल 460 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से निर्मित 450-बिस्तरों वाला यह अस्पताल इस केंद्रशासित प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को काफी मजबूत करेगा।

सीएम ने आरजीबी पथ, डॉ. भूपेन हजारिका पथ का किया लोकार्पण

गुवाहाटी (हि.स.)। शहर के भीतर सुगम संपर्क की सुविधा प्रदान करने और बारसापारा स्टेडियम में खेल प्रेमियों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को यहां बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम के समीप मराभरालू नदी पर आरसीसी पुल सहित राधा गोविंद बरुवा पथ और डॉ. भूपेन हजारिका पथ के जीर्णोद्धार कार्य का उद्घाटन किया। गौरतलब है कि लगभग 7.39 किलोमीटर लंबा डॉ. भूपेन हजारिका पथ बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम से शुरू होकर आईएसबीटी के पास एनएच 27 पर समाप्त हुआ है। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि मराभरालू नदी –शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा अंतरिम सरकार की जिम्मेदारी : भारत

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत ने दोहराया है कि बांग्लादेश में हिंदू समुदाय और अन्य अल्पसंख्यकों की जान-माल की सुरक्षा वहां की अंतरिम सरकार की जिम्मेदारी है। पड़ोसी देश की जिम्मेदारी है कि वह अल्पसंख्यकों के जानमाल और धार्मिक संस्थाओं की सुरक्षा करे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता –शेष पृष्ठ दो पर

फिलिस्तीनियों के बंधक से इजरायल ने दस भारतीय मजदूरों को बचाया

गाजा सीटि। वेस्ट बैंक में 10 भारतीय मजदूरों को बंधक बनाया गया था। इजरायल ने इन मजदूरों को वेस्ट बैंक के पास से छुड़ाया है। ये भारतीय मजदूर वेस्ट वैंक के एक गांव में बंधक बनाए गए थे। अधिकारियों ने बताया कि फिलिस्तीनियों ने इन भारतीय मजदूरों को काम देने का भरोसा दिलाया और इन्हें अपने साथ अल-जायेम गांव में ले गए। वहां ले जाकर इन सभी को बंधक बना लिया। –शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में आत्मसमर्पण के तहत हजार से ज्यादा अवैध हथियार हुए जमा

इंफाल। मणिपुर में आत्मसमर्पण समयसीमा के दौरान एक हजार से ज्यादा अवैध हथियार जमा किए गए हैं। मणिपुर पुलिस ने यह जानकारी दी है। जो अवैध हथियार जमा किए गए हैं, उनमें सुरक्षा बलों से लूटे गए हथियारों के साथ ही अवैध रूप से खरीदे गए हथियार भी शामिल हैं। जिनमें हथगोले, मशीनगन, ग्रेनेड, मोर्टार, इंसास राइफल और एके-56 जैसी आधुनिक राइफल्स शामिल हैं। हथियार समर्पण करने की समय सीमा गुरुवार शाम –शेष पृष्ठ दो पर

विलय के कारण असम में स्कूलों की संख्या घटकर 44,743 रह गई : मंत्री पेगु

गुवाहाटी। असम में स्कूलों की संख्या 2021-22 में 44,826 से घटकर 2023-24 में 44,743 हो गई है, शिक्षा मंत्री रनोज पेगू ने गुरुवार को विधानसभा में कांग्रेस विधायक अबुल कलाम रशीद आलम द्वारा उठाए गए एक सवाल के जवाब में कहा। पेगु ने यह भी कहा कि हाल के दिनों में असम में कोई भी स्कूल बंद नहीं हुआ है। लेकिन एकीकरण और अन्य कारणों से कुछ स्कूलों को स्थानांतरित कर दिया गया है और संबंधित स्कूल के छात्रों की कक्षाएं अन्य नजदीकी स्कूलों में चल रही हैं। इसके अलावा, डॉ. पेगु ने बताया –शेष पृष्ठ दो पर

जब कोई छूटेगा नहीं, तो रूठेगा कैसे, हर गरीब की गारंटी लेगा मोदी : प्रधानमंत्री

सूरत। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सूरत खाद्य सुरक्षा संतृप्ति अभियान का शुभारंभ किया और पात्र लाभार्थियों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत लाभ वितरित किए। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस पहल के हिस्से के रूप में, प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत लगभग 2 लाख पात्र लाभार्थियों को लाभ वितरित किए। इस पहल का उद्देश्य व्यापक खाद्य सुरक्षा कवरेज सुनिश्चित करना है, जिससे वंचितों को आवश्यक खाद्यान्न उपलब्ध कराने की सरकार की प्रतिबद्धता को बल मिलता है। मोदी ने इस दौरान कहा कि सूरत अनेक मामलों में गुजरात का, देश का एक लीडिंग शहर है। सूरत आज गरीब को, वंचित को भोजन और पोषण की सुरक्षा देने में आगे निकल रहा है। यहां आज जो खाद्य सुरक्षा, परिपूर्णता अभियान चलाया गया है, ये दूसरे जिलों के लिए भी प्रेरणा बनेगा। ये परिपूर्णता अभियान सुनिश्चित करता है- न कोई भेदभाव, न कोई छूटे, न कोई रूठे और न कोई किसी को ठगे। ये तुष्टिकरण की भावना को छोड़कर संतुष्टिकरण की पवित्र भावना को आगे बढ़ाता है। जब सरकार ही लाभार्थी के दरवाजे पर जा रही है, तो कोई छूटेगा कैसे... और जब कोई छूटेगा नहीं तो कोई रूठेगा कैसे। जब सोच ये हो कि हमें सब तक लाभ पहुंचाना

है, तो ठगने वाले दूर भाग जाते हैं। नरेंद्र मोदी ने कहा कि विकसित भारत की यात्रा में पौष्टिक भोजन की बड़ी भूमिका है। हमारा लक्ष्य देश के हर परिवार को पर्याप्त पोषण देने का है ताकि कुपोषण और एनीमिया जैसी बड़ी समस्याओं से देश मुक्त हो सके। उन्होंने कहा कि आज, दुनिया भर के कुछ सबसे बड़े संगठन इस बात को स्वीकार करते हैं कि स्वच्छ भारत अभियान ने गांवों में बीमारियों को कम करने में मदद की है। हर घर जल अभियान, जो स्वच्छ पानी तक पहुंच सुनिश्चित करता है, ने भी बीमारियों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि पहले एक जगह का राशन कार्ड दूसरी जगह नहीं चलता था। हमने इस समस्या का समाधान किया। हमने वन नेशन वन राशन कार्ड लागू किया। अब राशन कार्ड चाहे कहीं का भी हो, लाभार्थी को उसका फायदा देश के हर शहर में मिलता है। मोदी ने कहा कि बीते दशक में पूरे देश में –शेष पृष्ठ दो पर

विपक्ष ने राज्य में *चर इलाकों* के लिए विशेष पैकेज की मांग की

गुवाहाटी। असम के विपक्षी दलों ने शुक्रवार को चर (नदी तटीय वनस्पति द्वीप) के लिए विशेष पैकेज की मांग की और कहा कि इन क्षेत्रों के निवासियों के पास पर्याप्त शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और अन्य बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। हालांकि, सरकार ने दावा किया कि विभिन्न योजनाओं के माध्यम से चर क्षेत्रों का विकास और कल्याण किया जा रहा है और विशेष पैकेज की कोई आवश्यकता नहीं है। कांग्रेस विधायक अब्दुल बातिन खांडाकर ने विधानसभा में प्रस्ताव पेश कर सरकार से चर क्षेत्रों में विकास संबंधी असमानता –शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव आयोग का बड़ा दावा, तीन महीने में सुलझाएंगे दशकों पुरानी समस्या

नई दिल्ली। चुनाव आयोग (ईसी) ने शुक्रवार को कहा कि वह दशकों पुरानी डुप्लिकेट मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबरों की समस्या को अगले तीन महीने में हल कर लेगा। चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा कि भारत के चुनावी रजिस्टर दुनिया का सबसे बड़ा मतदाता डेटाबेस है, जिसमें 99 करोड़ से अधिक मतदाता पंजीकृत हैं। चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा कि डुप्लिकेट ईपीआईसी नंबरों के मामले में आयोग ने पहले ही संज्ञान लिया है। ईपीआईसी नंबर चाहे जैसा भी हो, एक मतदाता जो एक विशेष मतदान केंद्र के चुनावी रजिस्टर से जुड़ा हुआ है, केवल उसी मतदान केंद्र पर मतदान कर सकता है, और कहीं नहीं। आयोग ने आगे कहा कि उसने इस लंबित मुद्दे को अगले तीन महीने में तकनीकी टीमों और संबंधित राज्य मुख्य चुनाव अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा –शेष पृष्ठ दो पर

रणवीर अल्लाहबादिया से असम पुलिस ने घंटों पूछताछ की

गुवाहाटी। कॉमेडियन समय रैना के शो इंडियाज गॉट लैटेंट पर की गई टिप्पणियों के लिए उनके खिलाफ दर्ज मामले के सिलसिले में यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया से शुक्रवार को गुवाहाटी में असम पुलिस ने कई घंटों तक पूछताछ की। इलाहाबादिया राज्य की राजधानी में क्राइम ब्रांच के सामने पेश हुए और गुवाहाटी के संयुक्त पुलिस आयुक्त अंकुर जैन के नेतृत्व वाली टीम ने उनसे पूछताछ की। –शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल और पूर्वोत्तर की मजबूत औद्योगिक साझेदारी से देश को मिलेगा विकास का नया आयाम : डॉ. मजूमदार

कोलकाता (हि.स.)। केंद्रीय शिक्षा और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार ने शुक्रवार को कोलकाता में नॉर्थ ईस्ट ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट रोड शो का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बंगाल और पूर्वोत्तर की मजबूत औद्योगिक साझेदारी से देश को विकास का नया आयाम मिलेगा। केंद्रीय मंत्री डॉ. सुकांत ने कहा कि पश्चिम बंगाल लंबे समय से पूर्वोत्तर भारत के लिए व्यापार, लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक समर्थन का प्रवेश द्वार रहा है। उन्होंने कहा कि *एक्ट ईस्ट पॉलिसी* और *नॉर्थ ईस्ट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट स्कीम (एनईआईडीएस)* के जरिए दोनों क्षेत्रों के बीच संबंध मजबूत हुए हैं, जिससे व्यापार, सेवाओं और पूंजी का निर्बाध आदान-प्रदान संभव हुआ है। कोलकाता का बंदरगाह, रेल और सड़क नेटवर्क पूर्वोत्तर के चाय, मसाले, हस्तशिल्प और जैविक उत्पादों के निर्यात की जीवनरेखा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कोलकाता की मैन्युफैक्चरिंग, –शेष पृष्ठ दो पर

तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यार्पण का रास्ता साफ

अमेरिकी अदालत ने खारिज की फैसले पर रोक की मांग

वॉशिंगटन (हि.स.)। मुंबई आतंकवादी हमले के आरोपित तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण का रास्ता साफ हो गया है। भारत प्रत्यर्पण के फैसले पर रोक लगाने की उसकी मांग अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी। तहव्वुर ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में अपील कर कहा था कि उसे भारत प्रत्यर्पित न किया जाए। उसने इमरजेंसी स्टे की मांग करते हुए कहा था कि भारत भेजे जाने पर उसे टॉर्चर किया जा सकता है। वह मुस्लिम है और पाकिस्तानी मूल का है इसलिए उसे ज्यादा खतरा है। उसने अपने खराब स्वास्थ्य का भी हवाला देते हुए प्रत्यार्पण –शेष पृष्ठ दो पर

रूस-यूक्रेन बातचीत करो, वरना देर हो जाएगी...

जेलेंस्की के साथ लड़ाई के बाद ट्रंप ने पुतिन को दिखाई आंख

नई दिल्ली। अमेरिकी के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीते सप्ताह यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के तीखी बहस के बाद अब रूस के खिलाफ प्रतिबंध लगाने की चेतावनी दी है। बता दें यूक्रेन पर बीती रात हमले के बाद ट्रंप ने कहा है कि वह रूस के खिलाफ *बड़े पैमाने* पर प्रतिबंध और शुल्क लगाने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि अमेरिका ये प्रतिबंध तब तक कायम रखेगा जब तक कि यूक्रेन के साथ युद्धविराम और शांति समझौता नहीं हो जाता। उन्होंने लिखा कि इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि रूस अभी यूक्रेन पर *धमाका* कर रहा है, मैं इस समय रूस पर –शेष पृष्ठ दो पर

यमन के पास चार नाव डूबीं, 180 लोग लापता

यमन। यमन और जिबूती के बीच प्रवासियों को ले जा रही चार नावें समुद्र में डूब गईं। इस हादसे के कारण 180 से ज्यादा लोग लापता हो गए हैं। संयुक्त राष्ट्र के अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) ने इस घटना की पुष्टि करते हुए इसे दुनिया के सबसे खतरनाक प्रवासी रास्तों में से एक बताया है। यह रास्ता मुख्य रूप से इथियोपिया के प्रवासियों द्वारा खाड़ी देशों में काम की तलाश या संघर्ष से बचने के लिए उपयोग किया जाता है। आईओएम के अनुसार, गुरुवार रात चार नावें डूब गईं, जिनमें सवार 180 से अधिक लोगों का अभी तक कोई पता नहीं चला है। यह हादसा यमन और जिबूती के तटों के पास हुआ। यह प्रवासी मार्ग पहले भी घातक साबित हो चुका है। साल 2024 में इस रास्ते से यमन में 60,000 से अधिक प्रवासी पहुंचे थे, जबकि इस दौरान –शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

अज्ञात शव

गुवाहाटी। जीएमसीएच में एक अज्ञात व्यक्ति को बीमारी की हालत में भर्ती किया गया। 45 वर्षीय उस व्यक्ति की मंगलवार अनजान व्यक्तियों द्वारा जीएमसीएच के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती किया गया था जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उक्त व्यक्ति का रंग सांवला है। फूल शर्ट और काले रंग की पेंट पहना हुआ था। मृत व्यक्ति के मुंह और माथे में चोट के निशान स्पष्ट थे। अस्पताल प्रशासन की ओर से मृत व्यक्ति की सूचना भांगागढ़ थाने को दे दी गई है। अब तक मृत व्यक्ति की पहचान नहीं हुई है। शव को जीएमसीएच के मुर्दाघर में रखा गया है।

200 यूनिट बिजली महिलाओं को फ्री बस सेवा...

जम्मू-कश्मीर की जनता के लिए सीएम उमर अब्दुल्ला ने खोला खजाना

जम्मू। जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को 1.12 लाख करोड़ रुपए के एक्सपेंस के साथ केंद्र शासित प्रदेश का पहला बजट पेश किया। इस बीच उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर शांति और समृद्धि के एक नए युग की दहलीज पर है, जहां साढ़े तीन दशक से अधिक की उथल-पुथल के बाद सामान्य स्थिति लौट रही है। खास बात है कि उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की प्रशंसा की। इस बजट में उमर अब्दुल्ला ने कई कल्याणकारी योजनाओं की भी घोषणाएं की हैं। इनमें 200 यूनिट तक फ्री बिजली और मुफ्त बस सेवा जैसी सुविधाएं शामिल हैं। खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अब्दुल्ला ने घोषणा की कि इस साल 1 अप्रैल से एएवाई (अंत्योदय अन्न योजना) के लाभार्थियों को प्रति व्यक्ति 10 किलो मुफ्त राशन दिया जाएगा। सामाजिक सुरक्षा के लिए, 60 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों के लिए पेंशन राशि बढ़ाकर 1,250 रुपए प्रति माह, 60-80 वर्ष की आयु के व्यक्तियों के लिए 1,500 रुपए प्रति माह और 80 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए 2,000 रुपए प्रति माह कर दी गई है। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि इससे कुल पेंशन परिव्यय 1,209 करोड़ रुपए से बढ़कर 1,755 करोड़ रुपए सालाना हो जाएगा। उमर अब्दुल्ला ने महिलाओं के लिए मुफ्त सार्वजनिक परिवहन की घोषणा करते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर, मैं 1 अप्रैल, 2025 से ई-बसों सहित सभी सरकारी स्वामित्व वाले सार्वजनिक परिवहन पर महिलाओं के लिए मुफ्त सवारी की घोषणा करता हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे शिक्षा और रोजगार तक पहुंच बढ़ेगी और सुरक्षित, अधिक किफायती यात्रा सुनिश्चित होगी। उन्होंने आगे प्रस्ताव दिया कि एएवाई श्रेणी की लड़कियों के लिए विवाह सहायता योजना के तहत वित्तीय सहायता 50,000 रुपए से बढ़ाकर 75,000 रुपए की जाएगी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अंत्योदय परिवारों के लिए प्रति माह 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने की भी घोषणा की। बुनियादी ढांचे और सरकारी आवास पर उन्होंने कहा कि जम्मू में एक नए विधान परिसर के लिए 50 करोड़ रुपए (कुल परियोजना लागत 208 करोड़ रुपए) आवंटित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, जम्मू और श्रीनगर में 4,500 सरकारी आवासीय इकाइयों का निर्माण किया जाएगा, जिसमें 300 और इकाइयों के लिए नई परियोजनाएं शामिल होंगी। उन्होंने कहा कि जम्मू के कैनाल रोड पर 64 आधुनिक 3बीएचके और 4बीएचके फ्लैट्स के साथ ट्विन टावर्स (20 करोड़ रुपए का आवंटन) का निर्माण भी किया जाएगा। अब्दुल्ला ने कहा कि यह बजट आत्मनिर्भर, समृद्ध और न्यायसंगत जम्मू-कश्मीर की दिशा में एक कदम है। उन्होंने कहा कि उद्योग, पर्यटन, शिक्षा और बुनियादी ढांचे में बड़े निवेश के साथ, बजट आर्थिक विकास, स्थिरता और सामाजिक कल्याण की नींव रखता है।

अमित शाह का सीएम स्टालिन पर निशाना

तमिल में इंजीनियरिंग और मेडिकल की शिक्षा शुरू करें

रानीपेट (तमिलनाडु)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन से राज्य में तमिल में इंजीनियरिंग और मेडिकल की शिक्षा शुरू करने को कहा। भाषा के मुद्दे विशेष रूप से स्टालिन के हिंदी विरोध को लेकर मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने बदलाव किए और अब यह सुनिश्चित किया है कि केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के उम्मीदवार अपनी-अपनी क्षेत्रीय भाषाओं में परीक्षा दे सकें। चेन्नई से करीब 70 किलोमीटर दूर रानीपेट में आरटीसी थक्कोलम में सीआईएसएफ के 56वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि परीक्षा में उत्तर पुस्तिका तमिल में भी लिखी जा सकेगी। उन्होंने कहा कि मैं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री से छात्रों के लाभ के लिए राज्य में तमिल में इंजीनियरिंग और मेडिकल शिक्षा शुरू करने की अपील करता हूं। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु की संस्कृति ने भारत की सांस्कृतिक धारा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शाह ने कहा कि चाहे वह प्रशासनिक सुधार हो, आध्यात्मिक ऊंचाइयों को प्राप्त करना हो, शिक्षा हो या राष्ट्र की एकता और अखंडता हो, तमिलनाडु ने हर क्षेत्र में भारतीय संस्कृति को मजबूत किया है। इस कार्यक्रम में अर्द्धसैनिक बल के टुकड़ियों का *मार्च पास्ट,* योग प्रदर्शन और कमांडो अभियान का प्रदर्शन किया गया।

No.DDB/15th FC/2023-24/1726 *Dated:06/03/2025*

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender affixing a non-refundable Court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight & twenty five) only with a validity period of 180 Days, which will subsequently to be converted and drawn up in the printed of **F-2 form** are invited from the registered Contractors of Class–II and Class–I (A, B & C) category of Assam PWD (Roads & Building) and BTC, according to their eligibility for submitting tenders for the works under **15th Finance Commission (Tied Grant)** as stated below. The tenders will be received by the undersigned up to **12.00** Noon on **01/04/2025** and will be opened on the same date &place at 3.00 P.M.

Sl. No.	Name of works	Tender Amount (Approx)	Cost of Tender Paper	Time of Completion of Work
1	Construction of Community Toilet with running water provision at Hastinapur Shiv Mandir under 15th FC (Tied Grant) for the year 2023-24 during 2024-25.	Rs. 10,47,960.00	Rs. 750/-	3 (three) Months from the date of Issue of F.W.O.
2	Construction of Community Toilet at Chaulkara Chowk under 15th FC (Tied Grant) for the year 2023-24 during 2024-25.	Rs. 10,47,960.00	Rs. 750/-	do
3	Construction of Community Toilet at Sankardev Shisu Niketon Angardhowa under 15th FC (Tied Grant) for the year 2023-24 during 2024-25.	Rs. 10,47,960.00	Rs. 750/-	do
4	Construction of community toilet at no 2 sonapur Anganwadi Centre under 15th Finance Commission (Untied Grant) for the year 2023-24 during 2024-25.	Rs. 11,00,000.00	Rs. 750/-	do
5	Construction of Community toilet at Milonpur Society Office under 15th Finance Commission (Untied Grant) for the year 2023-24 during 2024-25.	Rs. 11,00,000.00	Rs. 750/-	do
6	Construction of Community Toilet at Bhangrikuchi Ganeshpuja Prangon under 15th Finance Commission (Untied Grant) for the year 2023-24 during 2024-25.	Rs. 11,00,000.00	Rs. 750/-	do
7	Construction of Community Toilet at Jopadong Benchimari Yubok Sangha office near JJM under 15th Finance Commission (Untied Grant) for the year 2023-24 during 2024-25.	Rs. 11,00,000.00	Rs. 750/-	do

Detail N.I.T.may be seen in all working days during office hours in the office of the undersigned. Tender papers will be issued to the contractors or their authorized agents from **10/03/2025 to 01/04/2025** in the office of the undersigned on payment in the form of Demand Draft/Banker's Cheque from any Nationalized Bank, duly pledged in favour of the Principal Secretary, BTC, Kokrajhar, payable at Kokrajhar.

Sd/-
Block Development Officer,
Dhamdhama Dev. Block, Baganpara

IPR(BTC)-2023-24/1588

पृष्ठ एक का शेष

सीएम ने आरजीबी...

के समानांतर चलने वाली डॉ. भूपेन हजारिका पथ (पूर्व और पश्चिम) बारसापारा स्टेडियम, फटासिल, कालापहाड़, कॉलोनी बाजार आदि क्षेत्रों से एनएच 27 के लिए वैकल्पिक संपर्क के रूप में काम करेगी। यह गुवाहाटी शहर से एनएच 27 बाईपास तक आने-जाने के लिए एक महत्वपूर्ण संपर्क के रूप में भी काम करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सड़क यात्रियों को एनएच 27 बाईपास के साथ शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों तक पहुंचने में मदद करेगी। डॉ. शर्मा ने यह भी उम्मीद जताई कि बारसापारा स्टेडियम में क्रिकेट मैच के दौरान यह सड़क स्टेडियम को जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर भारी यातायात को कम करने में भी मदद करेगी और यात्रियों के लिए सबसे सुविधाजनक मार्ग के रूप में काम करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उद्घाटन की गई दूसरी सड़क राधा गोविंदा बरुवा रोड भी एक महत्वपूर्ण यातायात गलियारा है, जो बारसापारा स्टेडियम के कई प्रवेश और निकास द्वारों को सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करती है और गुवाहाटी गरभंगा रोड से जुड़ी हुई है। इसके अलावा, मराभरालू पर आरसीसी पुल का निर्माण और उसके बाद आज इसका उद्घाटन राधा गोविंद बरुवा रोड और डॉ. भूपेन हजारिका रोड दोनों को सीधा संपर्क प्रदान करेगा। नतीजतन, आगंतुक और आम लोग स्टेडियम के एक छोर से दूसरे छोर तक सीधे आवागमन कर सकते हैं और बिना किसी परेशानी के विभिन्न गेटों पर जा सकते हैं। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि आने वाले दिनों में शहर की अन्य सड़कों का भी कायाकल्प किया जाएगा। परियोजना की कुल लागत 14.74 करोड़ रुपए है। इस अवसर पर ऊर्जा, कौशल, रोजगार और उद्यमिता विभाग के मंत्री प्रशांत फूकन, विधायक रमेंद्र नारायण कलिता, जीएमसी के मेयर मृगेन शरणिया, जीएमडीए के उपाध्यक्ष मुकुता डेका, पार्षद, वार्ड नंबर 23 मंजीता दैमारी, पार्षद, वार्ड नंबर 21 संदीप देब और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मणिपुर में आत्मसमर्पण ...

चार बजे समाप्त हो गई। इसके बाद सुरक्षाबलों ने छापेमारी अभियान शुरू कर दिया है। पुलिस ने बताया कि अभी जमा किए गए हथियारों का आंकड़ा अस्थायी है और सभी जिलों में जमा हुए हथियारों की पूरी गिनती करने के बाद यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि राज्य के हिंसा प्रभावित पांच जिलों में कुल 1023 हथियार सरेंडर किए गए हैं। राज्य के अन्य पांच जिले नगा समुदाय बहुल हैं और वहां 3 मई 2023 के बाद से अब तक कोई हिंसा नहीं हुई है। मणिपुर हिंसा में कुकी बनाम मैतेई समुदायों के बीच छिड़ी लड़ाई में अब तक 250 लोगों के मारे जाने की खबर है और हजारों लोग अभी भी विस्थापित चल रहे हैं। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने 20 फरवरी को राज्य के लोगों से अवैध हथियार जमा करने की अपील की थी। पहले इसके लिए एक हफ्ते का समय दिया था, लेकिन बाद में इस समयसीमा को 6 मार्च शाम चार बजे तक बढ़ा दिया गया था। प्रशासन ने लोगों को भरोसा दिलाया कि हथियार जमा करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाएगी। जो हथियार जमा किए गए हैं, उनमें 9एमएम की पिस्टल, सब मशीनगन, कोल्ट मशीन गन, सेल्फ लोडिंग राइफल्स, स्नाइपर राइफल, ग्रेनेड, इंसास और एके-56 जैसे आधुनिक हथियार शामिल हैं। बता दें कि जातीय हिंसा के चलते मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह ने फरवरी में सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद केंद्र सरकार ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा दिया था।

विलय के कारण असम...

कि यूडीआईएसई के आंकड़ों के अनुसार, असम में कुल 5,833 वेंचर स्कूल हैं। इनमें से 2,340 में 30 से कम छात्र हैं। शिक्षा मंत्री ने विधानसभा में विधायक मजीबुर रहमान द्वारा उठाए गए एक अन्य प्रश्न के उत्तर में कहा कि शिक्षा विभाग ने असम के 2,993 निम्न प्राथमिक विद्यालयों में प्रधानाध्यापकों की नियुक्ति के लिए वित्त विभाग को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। लिखित उत्तर में मंत्री पेगू ने आगे बताया कि विभाग ने शेष निचले प्राथमिक विद्यालयों में संबंधित स्कूल के वरिष्ठतम शिक्षक को प्रधानाध्यापक नियुक्त करने के लिए एक एसओपी भी तैयार किया है। अपने विभाग से संबंधित एक अन्य प्रश्न पर शिक्षा मंत्री ने सदन को बताया कि मंत्रिमंडल की एक उपसमिति राज्य में महाविद्यालयों के प्रांतीयकरण के विकल्पों पर विचार कर रही है। विधायक दीपायन चक्रवर्ती के एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री ने सदन को बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग और उच्च शिक्षा विभाग के पास यूपीएससी, एपीएससी, एसएससी, बैंक, टीईटी, एडीआरई और अन्य सरकारी भर्ती परीक्षाओं जैसे प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए छात्रों को तैयार करने के लिए स्कूलों और कॉलेजों में कौशल-उन्मुख कोचिंग केंद्र स्थापित करने या समर्थन करने की कोई योजना नहीं है।

जब कोई छूटेगा ...

हमने गरीब को सशक्त करने के लिए मिशन मोड पर काम किया। गरीब के इर्द गिर्द एक सुरक्षा कवच बनाया गया ताकि उसे किसी के सामने भी हाथ फैलाने की नौबत न आए। पक्का घर हो, शौचालय हो, गैस कनेक्शन हो, नल कनेक्शन हो... इससे गरीबों को नया आत्मविश्वास मिला। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीमा का एक सुरक्षा कवच गरीब परिवार को दिया गया। पहली बार करीब 60 करोड़ भारतीयों को 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज सुनिश्चित किया। इसके अलावा हमारी सरकार ने गरीब को, निम्न मध्यम वर्ग को बीमा का सुरक्षा कवच भी दिया। आज देश में 36 करोड़ से ज्यादा लोग सरकारी बीमा योजनाओं से जुड़े हैं और अब तक 16,000 करोड़ रुपए से ज्यादा क्लेम राशि के रूप में इन परिवारों को दिया जा चुका है। उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा कि हर गरीब की गारंटी मोदी लेगा। मोदी ने कहा कि मिडिल क्लास का देश के विकास में बहुत बड़ा योगदान है। इसलिए बीते दशक में मिडिल क्लास को सशक्त करने के लिए सरकार ने अनेक कदम उठाए हैं। इस साल के बजट में इसी भावना को आगे बढ़ाया गया। अब 12 लाख रुपए तक की आय पर 0 टैक्स देना होगा। उन्होंने कहा कि सूरत उद्यमियों का शहर है। सूरत लाखों लोगों को रोजगार देता है। हमारी सरकार स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत कर रही है, यही वजह है कि एमएसएमई को बहुत मदद मिल रही है, जिसकी शुरुआत उनकी परिभाषा में संशोधन से हुई है ताकि वे अपने कारोबार का विस्तार कर सकें।

विपक्ष ने राज्य ...

को कम करने के लिए विशेष पैकेज देने का आग्रह किया था। खांडाकर ने दावा किया कि चर इलाकों में, जहां ज्यादातर बंगाली मुस्लिम रहते हैं, पर्याप्त बुनियादी सुविधाओं का अभाव है, उन्होंने कहा कि इन इलाकों में साक्षरता दर बढ़ाने और अधिक आर्थिक गतिविधियों को सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि चर इलाकों में उच्च जनसंख्या वृद्धि दर भी एक मुद्दा है, जिसका मुख्य कारण कम साक्षरता दर है। एक अन्य कांग्रेस विधायक अब्दुर रशीद मंडल ने कहा कि चर इलाकों के सर्वेक्षण और विकास गतिविधियों के लिए विशेष बजटीय आवंटन की तत्काल आवश्यकता है। उनका समर्थन करते हुए, एआईयूडीएफ विधायक अशरफुल हुसैन ने बताया कि आखिरी सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण 2003 में किया गया था। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण कराना कोई बहुत मुश्किल काम नहीं है। विधायकों का एक समूह सरकार के प्रशासनिक सहयोग से यह काम करवा सकता है। एआईयूडीएफ के ही रफीकुल इस्लाम ने कहा कि चार क्षेत्रों में भूमि अधिकारों का अभाव एक गंभीर समस्या बनी हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कहा है कि बसुंधरा 4.0 के तहत भूमि का सर्वेक्षण किया जाएगा। लेकिन केवल सर्वेक्षण ही पर्याप्त नहीं है। भूमि आवंटन किया जाना है। और अगर ऐसा हो जाता है, तो इन क्षेत्रों के लोगों की आधी समस्याएं हल हो जाएंगी। कम साक्षरता और अपर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाओं के मुद्दे को हल करने के लिए, इस्लाम ने चर, दूरदराज और पहाड़ी क्षेत्रों में इन विभागों में तैनात सरकारी अधिकारियों को विशेष भत्ता देने की वकालत की। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री की ओर से जवाब देते हुए संसदीय कार्य मंत्री चंद्र मोहन पटवारी ने कहा कि अल्पसंख्यकों के लिए कुछ केंद्रीय योजनाओं के लिए धन रुका हुआ था क्योंकि 2008 से बड़ी संख्या में उपयोग प्रमाण पत्र (यूसी) जमा किए जाने बाकी थे। उन्होंने कहा कि हम यूसी प्राप्त करने के लिए ओवरटाइम काम कर रहे हैं और पिछले तीन वर्षों में कई यूसी जमा किए गए हैं, जिससे केंद्र द्वारा धन जारी किया गया है। एक बार जब अधिक यूसी जमा हो जाएंगे, तो अधिक धन आएगा। पटवारी ने कहा कि उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा न करने के कई कारण हैं, जिनमें से कई चार क्षेत्रों के लिए विशिष्ट हैं, जहां हर साल बाढ़ और कटाव की समस्या आती है, तथा राज्य ने केंद्र से इस पर विशेष विचार करने का अनुरोध किया है। उन्होंने अल्पसंख्यक कल्याण के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में किए जा रहे विभिन्न कार्यों के बारे में विस्तार से बताया। मंत्री ने कहा कि चार क्षेत्रों के लिए किसी विशेष पैकेज की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि नियमित योजनाएं और कार्यक्रम इन क्षेत्रों में विकास सुनिश्चित कर रहे हैं।

चुनाव आयोग का ...

के बाद हल करने का निर्णय लिया है। इस प्रक्रिया के तहत डुप्लिकेट ईपीआईसी नंबर वाले मतदाताओं को एक विशेष राष्ट्रीय ईपीआईसी नंबर प्रदान किया जाएगा। नया सिस्टम भविष्य के मतदाताओं के लिए भी लागू होगा। पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस ने कई राज्यों में डुप्लिकेट मतदाता पहचान पत्र नंबरों का मुद्दा उठाया और चुनाव आयोग पर कवर-अप का आरोप भी लगाया है। टीएमसी के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को कोलकाता में चुनाव आयोग के अधिकारियों से मुलाकात की और एक ही मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबर के बारे में अपनी शिकायतें दर्ज कराईं। चुनाव आयोग के अधिकारियों के साथ बैठक के बाद पश्चिम बंगाल के मंत्री और कोलकाता मेयर फिरहाद हकीम ने पत्रकारों से कहा कि प्रत्येक मतदाता के पास एक विशिष्ट पहचान पत्र संख्या होनी चाहिए और उन्होंने इसे सुनिश्चित करने के लिए भौतिक सत्यापन की मांग की।

रणवीर अल्लाहबादिया से ...

सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण दिया है। पिछले महीने असम पुलिस ने अल्लाहबादिया सहित पांच व्यक्तियों के खिलाफ सार्वजनिक रूप से सुलभ ऑनलाइन शो में अश्लीलता को बढ़ावा देने और यौन रूप से स्पष्ट और अश्लील चर्चा में शामिल होने के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की थी। यह एफआईआर गुवाहाटी क्राइम ब्रांच में आईटी एक्ट और महिलाओं का अभद्र चित्रण (निषेध) अधिनियम, 1986 की धाराओं के साथ-साथ महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने और *अश्लील कृत्य* से संबंधित बीएनएस की धाराओं के तहत दर्ज की गई थी। शिकायत, जो गुवाहाटी के आलोक बोरुआ नाम के एक व्यक्ति द्वारा दायर की गई थी, में आरोप लगाया गया है कि उनके बयानों ने सार्वजनिक शालीनता को गंभीर नुकसान पहुंचाया। एफआईआर दर्ज करने की घोषणा मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर भी की थी। इस मामले के सिलसिले में 27 फरवरी को गुवाहाटी में एक अन्य यूट्यूबर आशीष चंचलानी से पूछताछ की गई थी। पैनल की अध्यक्ष ने शुक्रवार को बताया कि अल्लाहबादिया, जो अपने यूट्यूब चैनल बीयरबाइसेप्स के माध्यम से लोकप्रिय हुए, ने राष्ट्रीय महिला आयोग को लिखित माफी भी सौंपी है।

बंगाल और पूर्वोत्तर की ...

फाइनेंस और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी विशेषज्ञता के साथ नवीकरणीय ऊर्जा, पर्यटन, आईटी, डिजिटल इकोनॉमी, कृषि और खेल व मनोरंजन जैसे क्षेत्रों में साझेदारी को नई ऊंचाई दी जा सकती है। उन्होंने बताया कि देश की कुल जलविद्युत क्षमता का 40 प्रतिशत पूर्वोत्तर क्षेत्र में है, जिससे यह क्षेत्र भारत की हरित ऊर्जा क्रांति में अहम भूमिका निभा सकता है। उन्होंने तवांग, सोहरा, माजुली और लोकटक झील जैसे स्थलों को ईको-टूरिज्म के लिए अपार संभावनाओं वाला बताया। साथ ही पूर्वोत्तर के काले चावल, ऑर्गेनिक चाय, लकाडोंग हल्दी, बांस के हस्तशिल्प, हथकरघा और दुर्लभ फलों के निर्यात पर भी विशेष बल दिया। डॉ. मजूमदार ने पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों को देश के आर्थिक बदलाव के आधार स्तंभ बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि दोनों क्षेत्रों को मिलकर भारत के विकास की गति तेज करनी होगी, जिससे विकसित भारत का सपना साकार हो सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर क्षेत्र ने ऐतिहासिक बदलाव देखा है। वर्ष 2013 में जहां केवल 9 हवाई अड्डे चालू थे, वहीं 2023 तक यह संख्या बढ़कर 17 हो गई। साथ ही वर्ष 2024 में डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड (डीपीआईआईटी) ने *उत्तर पूर्वा ट्रांसफॉर्मेटिव इंडस्ट्रियलाइजेशन स्कीम (उन्नति)* की शुरुआत की, जिसमें 10,037 करोड़ रुपए के निवेश की योजना है। इसके बाद कोलकाता में आयोजित यह रोड शो नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट के तहत होने वाले प्रमुख कार्यक्रमों में से नौवां है। इससे पहले मुंबई, हैदराबाद, बेंगलुरु, अहमदाबाद और चेन्नई समेत अन्य शहरों में सफल रोड शो आयोजित हो चुके हैं। इस आयोजन में अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा के प्रतिनिधियों ने अपने राज्यों में निवेश की संभावनाओं पर प्रस्तुति दी। पूर्वोत्तर क्षेत्र मंत्रालय (डोनर) के सांख्यिकी सलाहकार धर्मवीर झा ने रोड शो में पूर्वोत्तर में निवेश की विशाल संभावनाओं पर प्रस्तुति दी। उन्होंने जनसांख्यिकीय लाभ, खनिज संसाधन, कृषि उत्पाद, पर्यटन, अक्षय ऊर्जा, कनेक्टिविटी, बुनियादी ढांचा, शिक्षा, खेल और मनोरंजन जैसे क्षेत्रों में मौजूद अवसरों को विस्तार से बताया। आठ पूर्वोत्तर राज्यों (अष्टलक्ष्मी राज्यों) ने रोड शो में निवेशकों को बुनियादी ढांचा, कृषि, आईटी, ऊर्जा, वस्त्र, हस्तशिल्प, पर्यटन, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल और मनोरंजन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निवेश के अवसरों से अवगत कराया। इसके साथ ही बीटूजी (बिजनेस टू गवर्नमेंट) बैठकें भी आयोजित की गईं, जहां निवेशकों को सीधे राज्य प्रतिनिधियों के साथ संवाद का अवसर मिला। इस मौके पर विकास के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र मंत्रालय (डोनर) के सांख्यिकी सलाहकार और आठों पूर्वोत्तर राज्यों के वरिष्ठ प्रतिनिधि मौजूद रहे। यह कार्यक्रम पूर्वोत्तर राज्यों की सरकारों, भारतीय उद्योग परिसंघ (फिक्की) और इनवेस्ट इंडिया के सहयोग से आयोजित किया गया।

अमेरिकी अदालत ने ...

पर रोक की मांग की थी। पाकिस्तान मूल के कनाडाई नागरिक तहव्वुर राणा (64) को लॉस एंजिलिस के मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। वह 26/11 के मुंबई आतंकी हमले के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकी डेविड कोलमैन हेडली का करीबी है। अमेरिका में उसे आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के लिए काम करने का दोषी पाया गया और भारत लंबे समय से उसके प्रत्यर्पण की मांग कर रहा था। पिछले महीने व्हाइट हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ प्रेस कांफ्रेंस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की थी कि तहव्वुर राणा को भारत भेजा जाएगा और वह भारत जाकर न्याय का सामना करेगा। इससे पहले जनवरी में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी थी, क्योंकि कोर्ट ने मामले में उसकी समीक्षा याचिका खारिज कर दी थी। 26 नवंबर 2008 को 10 पाकिस्तानी आतंकियों ने मुंबई में लगभग 60 घंटे तक चले हमले में 166 निर्दोष लोगों की जान ले ली थी। हमले के बाद आतंकी अजमल कसाब को जिंदा पकड़ लिया गया था। नवंबर 2012 में कसाब को पुणे की यरवदा जेल में फांसी दी गई थी।

रूस-यूक्रेन बातचीत ...

बड़े पैमाने पर बैंकिंग प्रतिबंध, टैरिफ लगाने पर गंभीरता से विचार कर रहा हूं, जब तक कि युद्धविराम और शांति के लिए अंतिम समझौता नहीं हो जाता। पिछले हफ्ते डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति के बीच तीखी नोकझोंक हुई थी। दोनों नेताओं के बीच झगड़ा इतना बढ़ गया कि जेलेंस्की को बिना मिनिरल डील पर हस्ताक्षर किए ही यूक्रेन लौटना पड़ा था। ओवल हाउस में मीडिया के सामने हुई इस बहस में ट्रंप ने कहा था कि जेलेंस्की आप लाखों जिंदगियों से खेल रहे हैं। आपका देश खतरे हैं लेकिन आप समझ नहीं रहे हैं। आपको आखिरकार रूस से समझौता करना पड़ेगा। जवाब में जेलेंस्की ने कहा, हमें युद्धविराम की जरूरत नहीं है। ट्रंप ने कहा था कि जेलेंस्की ने अपने प्रतिष्ठित ओवल ऑफिस में संयुक्त राज्य अमेरिका का अनादर किया। वह तब वापस आ सकते हैं जब वह शांति के लिए तैयार हों। इस घटना के बाद अब डोनाल्ड ट्रंप रूस के खिलाफ भी प्रतिबंध लगाने की बात कह रहे हैं।

यमन के पास चार ...

558 लोगों की मौत हो चुकी थी। इस साल जनवरी में भी एक नाव हादसा हुआ था, जिसमें 20 इथियोपियाई प्रवासियों की मौत हो गई थी। लगातार हो रही इन घटनाओं ने प्रवासियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर दी है। कई लोग बेहतर जीवन की तलाश में इस खतरनाक समुद्री रास्ते को अपनाते हैं, लेकिन इस दौरान उन्हें जान गंवाने का खतरा बना रहता है। आईओएम और अन्य राहत एजेंसियां लापता लोगों की तलाश में जुटी हुई हैं। हालांकि, समुद्र की स्थिति और सीमित संसाधनों के चलते बचाव अभियान में कठिनाइयां आ रही हैं। स्थानीय प्रशासन और मछुआरों की मदद से कुछ लोगों को बचाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन अभी तक किसी की सुरक्षित होने की पुष्टि नहीं हुई है। यमन और जिबूती के अधिकारी भी इस घटना पर नजर बनाए हुए हैं। लगातार हो रही इन नाव दुर्घटनाओं को देखते हुए सुरक्षा उपायों को और मजबूत करने की जरूरत जताई जा रही है। प्रवासियों को समुद्री मार्ग से यात्रा करने से रोकने और सुरक्षित विकल्प प्रदान करने की मांग तेज हो रही है। इस घटना ने एक बार फिर से इस खतरनाक प्रवासी मार्ग पर चर्चा छेड़ दी है। संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों का मानना है कि जब तक अफ्रीकी देशों में स्थिरता और रोजगार के अवसर नहीं बढ़ते, तब तक लोग जोखिम भरी यात्राओं के लिए मजबूर होते रहेंगे। यह घटना प्रवासियों की सुरक्षा के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आई है।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों ...

रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि पिछले वर्ष 5 अगस्त से बांग्लादेश में 2374 घटनाएं हुई हैं, जिनमें से पुलिस ने केवल 1254 की जांच की है। पुलिस जांच में 1254 घटनाओं में से 98 प्रतिशत को राजनीतिक प्रकृति का बताया गया है। प्रवक्ता ने कहा कि हमारी अपेक्षा है कि बांग्लादेश सरकार सभी घटनाओं की सघन जांच करे तथा हत्याओं, आगजनी और हिंसा की घटनाओं के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करे। प्रवक्ता ने द्विपक्षीय सहयोग के बारे में कहा कि हमारे लिए यह एक प्राथमिकता वाला क्षेत्र है। पड़ोसी देश में सुरक्षा स्थिति और स्थानीय पुराने मुद्दों के कारण विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन में बाधा आई है। इन परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से पूरा करने के लिए दोनों पक्षों के बीच बातचीत जारी है। हमारा प्रयास है कि बांग्लादेश की ओर से आवश्यक सहयोग और परियोजनाओं के सम्बन्ध में अनुमति मिलने पर काम आगे बढ़ाया जाए।

फिलिस्तीनियों के बंधक ...

इजरायल के जनसंख्या और इमीग्रेशन अथॉरिटी ने इन मजदूरों के छुड़ाए जाने की पुष्टि की है। अधिकारियों ने बताया कि फिलिस्तीनियों ने भारतीय मजदूरों का पासपोर्ट जबरन ले लिया और इसके जरिए इजरायल में घुसने की कोशिश भी की। इजरायल के इमीग्रेश अथॉरिटी ने बताया कि आईडीएफ और न्याय मंत्रालय की ओर से संयुक्त रूप से सुरक्षा बलों का अभियान चलाया जा रहा था। इसी अभियान के जरिए भारतीय मजदूरों को बचाया गया। अधिकारियों के मुताबिक, सभी मजदूरों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचा दिया गया। उन सभी के पासपोर्ट को उन्हें लौटा दिया गया है। फिलहाल, कुछ समय बाद उन्हें इजरायल में काम देने पर की स्थिति को लेकर बात की जाएगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायल में कंस्ट्रक्शन सेक्टर में मजदूरों की कमी को पूरा करने के लिए 2024 में लगभग 16,000 भारतीय मजदूर इजरायल आए हैं। यहां पर मजदूरों की कमी तब हुई जब 7 अक्तूबर, 2023 को हमास के हमले के बाद हजारों फिलिस्तीनी कंस्ट्रक्शन मजदूरों को इजरायल में जाने से रोक दिया गया था। खबरों के मुताबिक, इजरायल की सेना ने कहा कि उसने वेस्ट बैंक के कब्जे वाले शहर हेब्रोन में दो घरों को ध्वस्त कर दिया। ये घर उन फिलिस्तीनियों के थे जिन पर अक्तूबर 2024 में तेल अवीव में जानलेवा हमला करने का आरोप है।

राज्य चुनाव आयोग ने राभा हासोंग स्वायत्त परिषद के चुनावों की घोषणा की

गुवाहाटी। असम राज्य चुनाव आयोग ने शुक्रवार, 7 मार्च को राभा हासोंग स्वायत्त परिषद के 36 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए चुनाव की तारीखों की घोषणा की। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 15 मार्च सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच है। नामांकन पत्रों की जांच 17 मार्च को सुबह 11 बजे होगी। जांच के बाद उसी दिन वैध रूप से नामांकित उम्मीदवारों की सूची प्रकाशित की जाएगी। जो उम्मीदवार अपना नाम वापस लेना चाहते हैं, उन्हें 19 मार्च को दोपहर 3 बजे तक ऐसा करना होगा, जिसके बाद चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की अंतिम सूची प्रकाशित की जाएगी। चुनाव के लिए मतदान 2 अप्रैल को सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच होगा। यदि पुनर्मतदान की आवश्यकता होती है, तो यह उसी समय सीमा के भीतर 3 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। मतों की गिनती 4 अप्रैल को होगी, जो सुबह 8 बजे से शुरू होगी और प्रक्रिया पूरी होने तक जारी रहेगी। 4 अप्रैल को ही नतीजों की घोषणा भी कर दी जाएगी। इस चुनाव में कुल 4,45,586 मतदाता भाग लेने के पात्र हैं, जिनमें 2,16,181 पुरुष मतदाता, 2,29,394 महिला मतदाता और 11 अन्य मतदाता शामिल हैं। चुनाव के सुचारू संचालन के लिए 630 मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। निर्वाचन क्षेत्रों में से 25 अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित हैं, जिनमें से 4 महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। शेष 11 निर्वाचन क्षेत्र अनारक्षित हैं, जिनमें से 2 महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। प्रत्येक उम्मीदवार के लिए अधिकतम व्यय सीमा ?2.50 लाख निर्धारित की गई है। स्टार प्रचारकों के संबंध में, मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य राजनीतिक दलों में अधिकतम 20 स्टार प्रचारक हो सकते हैं, जबकि पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त दलों में अधिकतम 10 स्टार प्रचारक हो सकते हैं। मतदाता पहचान के लिए, चुनावी फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) प्राथमिक दस्तावेज के रूप में काम करेगा। हालांकि, मतदाता वैकल्पिक दस्तावेज भी प्रस्तुत कर सकते हैं, जिनमें आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंक/डाकघर द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय की योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, एनपीआर के तहत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, केंद्र या राज्य सरकार, पीएसयू और पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के कर्मचारियों को जारी फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, सांसदों, विधायकों और एमएलसी को जारी आधिकारिक पहचान पत्र और भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा जारी विशिष्ट विकलांगता पहचान पत्र (यूडीआईडी) कार्ड शामिल हैं।

सोताले सोताले कांग्रेस कार्यक्रम के तहत जनजागरण यात्रा शुरू

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस ने *सोताले सोताले (आंगन-आंगन) कांग्रेस* कार्यक्रम के तहत शुक्रवार से जनजागरण सम्मेलन यात्रा की शुरुआत की। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा के नेतृत्व में यह अभियान आज धेमाजी जिले के सिसिबोर्गांव में दोपहर दो बजे से शुरू हुआ। इसी तरह, 8 मार्च को बिश्वनाथ जिले के मंडल अध्यक्षों के साथ यह कार्यक्रम गहपुर में आयोजित किया जाएगा। जबकि, 9 मार्च को शोणितपुर जिले के मंडल अध्यक्षों के साथ बालीपारा में इसका आयोजन होगा। इन सभी सभाओं में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा की उपस्थिति रहेगी।

लुरिनज्योति गोगोई असमवासियों से माफी मांगें : भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। असम जातीय परिषद (एजेपी) के अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई द्वारा राज्य सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को लेकर की गई टिप्पणी पर प्रदेश भाजपा ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भाजपा असम प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता मनोज बरुवा ने कहा कि राज्य सरकार की जनहितैषी नीतियों और विकास कार्यों से हताश विपक्ष अब अनर्गल बयानबाजी पर उतर आया है। उन्होंने कहा कि असम सरकार ने हाल ही में आदिवासी व चाय जनजाति समुदाय की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर मजबूत तरीके से प्रस्तुत किया है। साथ ही, *एडवांटेज असम 2.0* पहल के तहत पांच लाख करोड़ रुपए के निवेश की व्यवस्था कर राज्य की आर्थिक नींव को और मजबूत किया जा रहा है। इससे घबराकर विपक्षी नेता दिशाहीन

हो गए हैं। भाजपा ने आरोप लगाया कि लुरिनज्योति गोगोई और विपक्षी दल हताशा में ऐसे बयान दे रहे हैं, जिससे राज्य की छवि धूमिल हो रही है। मुख्यमंत्री को *अकर्मण्य-निकम्मा* कहने और असम को *भिखारियों का राज्य* बताने का कड़ा विरोध करते हुए भाजपा ने कहा कि यह बयान पूरी तरह निंदनीय और मानसिक अस्थिरता का प्रतीक है। प्रदेश भाजपा ने मांग की कि लुरिनज्योति गोगोई राज्यवासियों से माफी मांगें और जनता को गुमराह करने की कोशिशों से बाज आएं।

राज्यपाल आचार्य ने साहित्य अकादमी पुरस्कार 2024 के विजेताओं को बधाई दी

गुवाहाटी। असम के राज्यपाल श्री लक्ष्मण्श्व;द्द/ा प्रसाद आचार्य ने साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेताओं अंजन शर्मा (असमिया), बासुदेव दास (बंगाली) और उत्तरा विश्वमुथियारी (बोडो) को वर्ष 2024 के लिए प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित होने पर बधाई दी। एक बयान में, श्री आचार्य ने कहा कि साहित्य के क्षेत्र में उनका उल्लेखनीय कार्य न केवल भाषाई सीमाओं को पाटता है बल्कि हमारी सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत को भी समृद्ध करता है। उनका योगदान पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा और आने वाले वर्षों में उनकी उपलब्धियां और भी अधिक ऊंचाई पर पहुंचे। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी उपलब्धियों ने राज्य को गौरवान्वित किया है।

मालीगांव में पूसीरे के जीएम ने बरामद 100वां सेलफोन वास्तविक मालिक को सौंपा

गुवाहाटी (हिंस)। यात्री सेवा और रेलवे सुरक्षा के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव ने मालीगांव स्थित पूसीरे मुख्यालय में आज आयोजित एक विशेष समारोह में बरामद 100वें मोबाइल फोन को उसके वास्तविक मालिक और अन्य सेलफोन को उसके मालिकों को आधिकारिक रूप से सौंप दिया। बरामद मोबाइल फोनों को पूसीरे के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के साइबर सेल ने दूरसंचार विभाग (डीओटी) द्वारा विकसित अत्याधुनिक सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल का उपयोग कर पता लगाया और इसे पुन: बरामद किया। समारोह के दौरान, महाप्रबंधक श्रीवास्तव ने रेलवे नेटवर्क के अधीन यात्रियों के विश्वास और सुरक्षा को सुनिश्चित करने में इस तरह की पहल के महत्व पर जोर देते हुए साइबर सेल टीम के अथक प्रयासों की सराहना की। समारोह में साइबर सेल/आरपीएफ/पूसीरे द्वारा प्रदर्शित तकनीकी कौशल और त्वरित कार्रवाई के साथ-साथ यात्री सुरक्षा, प्रौद्योगिकी का

उपयोग और सेवा उत्कृष्टता के लिए भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला गया। पूसीरे को सीईआईआर सुविधा तक पहुंच प्राप्त करने वाला भारत का पहला जोनल रेलवे होने का गौरव हासिल हुआ है, जो यात्रियों के लाभ के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने में इसके सक्रिय दृष्टिकोण को रेखांकित करता है। आरपीएफ/पूसीरे के साइबर सेल ने अब तक गुम/चोरी हुए 470 सेलफोन का पता लगाया और 102 फोन बरामद किए हैं।

चोरी के सामान के साथ दो गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। नगर की पान बाजार पुलिस ने चोरी की शिकायत दर्ज होने के एक घंटे के भीतर ही दो आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी का सामान भी बरामद कर लिया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया है कि किशन दास ने एमएलएन रोड स्थित जेएस आर्केड बिल्डिंग के अंदर से तार चोरी होने की शिकायत दर्ज करायी थी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पानबाजार पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर एक घंटे के भीतर ही चोरी के आरोप में धीरज नाथ उर्फ बिकी नाथ (20) और दीन इस्लाम (35) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया है कि इन आरोपियों की निशानदेही से दीन इस्लाम की एमएलएन रोड, हरि सभा के पास स्थित एक कबाड़ की दुकान से चोरी का सामान भी बरामद कर लिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गुवाहाटी के बीरूबाड़ी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई, कई मकान ध्वस्त

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के बीरूबाड़ी स्थित ट्रंक फैक्ट्री इलाके में प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई जारी है। इस दौरान कई मकानों को ध्वस्त किया गया है। करीब 25 दिन पहले प्रभावित परिवारों को बेदखली का नोटिस दिया गया था। गुरुवार को अंतिम चेतावनी के बाद, पुलिस बल और बुलडोजर के साथ प्रशासनिक टीम आज सुबह मौके पर पहुंची और तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू की। बेदखली के खिलाफ 69 में से 45 परिवारों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है, जबकि अन्य परिवारों के लिए कार्रवाई शुक्रवार को भी जारी है। अधिकारियों का कहना है कि अभियान आधिकारिक निर्देशों के तहत जारी रहेगा।

चिरांग के पहले प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का उद्घाटन

विकसित भारत समाचार

चिरांग। चिरांग जिले में जन औषधि दिवस के अवसर पर लोकसभा सांसद जोयंत बसुमतारी ने पहले प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र (पीएम फार्मेसी) का उद्घाटन किया, जो क्षेत्र के लोगों के लिए सस्ती स्वास्थ्य सेवा सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। समारोह के दौरान, विशेष अतिथियों को लाभार्थियों के साथ बातचीत करने और केंद्र द्वारा दी जाने वाली विभिन्न सुविधाओं के बारे में जानने का अवसर मिला। नई फार्मेसी का उद्देश्य चिरांग के लोगों को गुणवत्तापूर्ण और सस्ती जेनेरिक दवाइयां उपलब्ध कराना है, जो सभी के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाता है। केंद्र आवश्यक दवाओं तक पहुंच में उल्लेखनीय सुधार करेगा, जिससे व्यक्तियों और परिवारों को अपनी स्वास्थ्य सेवा लागत कम करने में मदद मिलेगी। पीएम फार्मेसी का उद्घाटन चिरांग जिले के लिए एक मील का पत्थर है, जो जिले के स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे को बढ़ाता है और एक स्वस्थ और अधिक समतावादी समाज के दृष्टिकोण में योगदान देता है। कार्यक्रम में कई विशिष्ट अतिथियों ने भाग लिया, जिनमें चिरांग जिला आयुक्त जतिन बोरा, बीटीसी सीएचडी को-ऑपरेशन के जयंत खेरकटारी, डीआरसीएस, चिरांग के कोहिनूर नरजारी, अतिरिक्त रजिस्ट्रार बार लम्फा ओवरी, सीईएम के ओएसडी डॉ. शांगरांग ब्रह्मा, बीटीआर और यूपीपीएल के 14 नंबर चिरांग दुआर ब्लॉक समिति के अध्यक्ष बिरदाओ मुशहरी शामिल थे। इसके अतिरिक्त, जिला मीडिया विशेषज्ञ, शांतिपुर एसडी की स्वास्थ्य टीम, रूनीखाता-शांतिपुर एसएस लिमिटेड के सदस्य और अन्य प्रमुख कर्मचारी मौजूद थे।

महिला निवेशकों का म्यूचुअल फंड्स की ओर बढ़ता रुझान : फोनपे वेल्थ से अहम जानकारियां

गुवाहाटी। इस अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, फोनपे वेल्थ अपने प्लेटफॉर्म पर महिलाओं की म्यूचुअल फंड्स में बढ़ती भागीदारी के साथ-साथ उनके बढ़ते निवेश और योगदान में हो रही वृद्धि को सामने ला रहा है। महिला निवेशकों के बढ़ते योगदान और निवेश प्रतिबद्धता को देखते हुए, फोनपे वेल्थ ने 1 जनवरी 2024 से 31 दिसंबर 2024 तक 1 लाख महिला निवेशकों के निवेश पैटर्न का विश्लेषण किया, और डेटा दर्शाते हैं कि महिलाएं सोच-समझकर बड़े निवेश कर रही हैं और अपने वित्तीय भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं। उपरोक्त अवधि के डेटा से पता चलता है कि महिला निवेशकों का एवरेज सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) योगदान पुरुषों की तुलना में लगभग 22 प्रतिशत अधिक है, जबकि उनका एवरेज लम्पसम निवेश पुरुषों से लगभग 45 प्रतिशत अधिक रहा है। ये डेटा दर्शाते हैं कि महिलाएं वित्तीय बाजारों और जोखिम को एक नए नजरिए से देख रही हैं। हम महिला निवेशकों की बढ़ती भागीदारी और वित्तीय क्षेत्र में उनके बदलते योगदान की सराहना करते हैं, नीलेश डी नायक, हेड ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रोडक्ट्स, शेयरडॉटमार्केट (फोनपे वेल्थ)। उन्होंने आगे कहा कि हमारे डेटा यह भी दर्शाते हैं कि अब महिला निवेशक न केवल भाग ले रही हैं, बल्कि सक्रिय रूप से निवेश भी कर रही हैं। हमारा मानना है कि महिला निवेशक वित्तीय रूप से जागरूक और आत्मनिर्भर हैं। वे अपने पोर्टफोलियो में विविधता ला रही हैं और दीर्घकालिक सोच के साथ निवेश कर रही हैं। अब यह धारणा बदल चुकी है कि महिलाएं वित्तीय मामलों में बेहद सतर्क रहती हैं। 1 जनवरी 2024 से 31 दिसंबर 2024 तक फोनपे वेल्थ म्यूचुअल फंड्स की 1,00,000 महिला निवेशकों पर किए गए सर्वेक्षण के मुख्य निष्कर्ष : 90 प्रतिशत महिला निवेशक सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के साथ शुरुआत करती हैं, जिससे पता चलता है कि वे अनुशासित और दीर्घकालिक निवेश को प्राथमिकता देती हैं। महिला निवेशकों का एवरेज सिप योगदान मूल्य 1300 है, जो पुरुषों की तुलना में 22 प्रतिशत अधिक है। महिला निवेशकों का एवरेज लम्पसम निवेश पुरुष निवेशकों की तुलना में 45 प्रतिशत अधिक है। महिलाएं वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा रही हैं, जिसमें महाराष्ट्र (20 प्रतिशत), कर्नाटक (12 प्रतिशत), और उत्तर प्रदेश (9 प्रतिशत) का प्रमुख योगदान रहा है। 72 प्रतिशत महिला निवेशक बी30 (टॉप 30 शहरों के अतिरिक्त) शहरों से हैं, जिससे यह पता चलता है कि म्यूचुअल फंड्स की पहुंच बड़े महानगरों से आगे बढ़ रही है। वाराणसी, रांची, देहरादून, गुवाहाटी और वडोदरा जैसे शहरों में महिला निवेशकों की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है, जो संपत्ति निर्माण में उनकी सक्रिय भूमिका को दर्शाता है। लगभग 50 प्रतिशत महिला निवेशकों ने कॉन्ट्रा/वैल्यू फंड्स में निवेश किया है। अन्य लोकप्रिय निवेश श्रेणियों में फ्लेक्सि-कैप, मिड-कैप, स्मॉल-कैप और थीमैटिक फंड्स शामिल

गुवाहाटी मोटर पार्ट्स ट्रेडर्स एसोसिएशन का होली मिलन समारोह *रंगीलो धमाल* का आयोजन

गुवाहाटी (विभास)। मोटर पार्ट्स व्यवसाय की अग्रणी संस्था गुवाहाटी मोटर पार्ट्सट्रेडर्सएसोसिएशन(जीएमटीए) की ओर से माछखुवा स्थित आइटीए के सभागार में, होली मिलन समारोह *रंगीलो धमाल* नामक रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ जीएमटीए के अध्यक्ष प्रकाश लोहिया, सचिव मोहित अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष प्रदीप सिंघानिया, पूर्व अध्यक्ष प्रभुदयाल देवड़ा, कमल बेद, रतन गोयल,सुशील हरलालका चेयरमैन मैनेजमेंट प्रॉपर्टी कमीटी, पवन अग्रवाल एडवाइजर, राजेश सरावगी चेयरमैन कल्चरल कमीटी सह उपाध्यक्ष,संजय गुप्ता उपाध्यक्ष एवं अशोक कोठारी उपाध्यक्ष फैसपाडा एवं एक्जिक्यूटीव कमीटी के सदस्यों के द्वारा सामूहिक रूप से दीप प्रज्ज्वलित करके एवं गणेश वंदना के साथ किया गया। इस अवसर पर जीएमटीए के अध्यक्ष श्री लोहिया ने आगंतुक सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक स्मिक ऑटो पार्ट्स के डायरेक्टर सुमन नन्दी, बसन्त झा मुख्य परिचालन अधिकारी एवं नरेश रहेजा सीनियर मार्केटिंग मैनेजर का असम के पारंपरिक फूलोंम गामोछा के साथ सम्मान किया गया। कंपनी के द्वारा अपना विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित जीएमटीए के पूर्व अध्यक्षों सहित अन्य अतिथियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान से पधारी मनीषा सैनी एवं उनकी टीम ने गणेश वंदना सहित होली के राजस्थानी गीतों की अपनी शानदार प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

रंगिया : पत्रकार बिपुल कलिता ने पेश किया मानवता का सुंदर उदाहरण

रंगिया (विभास)। सारथी शांति निवास के संचालक तथा संवाददाता बिपुल कलिता ने लगातार नेक कार्य करते हुए शुक्रवार को एकबार फिर मानवता की मिशाल कायम की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रंगिया नगर के वार्ड नंबर 2 स्थित इस्लामपुर में पिछले कुछ दिनों से करीब 50 वर्षीय एक अनजान व्यक्ति बीमारी की हालत में एक बरामदे पड़ा था। बताया गया है कि इस दौरान कुछ स्थानीय युवकों द्वारा उसके खाने पीने की व्यवस्था की जाने के बाद भी व्यक्ति की बीमारी ठीक नहीं हो रही थी। आखरिकार बिस्वजीत कर्मकार नामक एक स्थानीय युवक ने मामले की जानकारी सारथी शांति निवास के संचालक तथा संवाददाता बिपुल कलिता क दी। इसके बाद तुरंत ही कलिता ने घटनास्थल पर पहुंचकर मानवता का एक सुंदर उदाहरण पेश किया। कलिता ने रंगिया थाने के नगर परिदर्शक बिष्णुज्योति बोरा की सहायता से उक्त बीमार व्यक्ति को बचाकर रंगिया सिविल अस्पताल में भर्ती कराया। इसके अलावा पीड़ित व्यक्ति के लिए इंजेक्शन और सेलाइन आदि की भी व्यवस्था कराई। सारथी शांति निवास के संचालक बिपुल कलिता और रंगिया पुलिस के इस महान कदम की लोगों द्वारा काफी प्रशंसा की गई है।

एसएलआरसी असम ने घोषित की ग्रेड 3 और 4 के लिए एडीआरई 2025 परिणाम

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य स्तरीय भर्ती आयोग (एसएलआरसी) असम ने ग्रेड 3 और ग्रेड 4 पदों के लिए एडीआरई 2025 परिणाम जारी कर दिए हैं। उम्मीदवार अब अपना परिणाम असमगोवडॉटइन पर देख सकते हैं। बाद में, परिणाम एसएलआरसीजी3.सेबाऑनलाइन. ओआरजी और एसएलआरसीजीवाई. सेबाऑनलाइन. ओआरजी पर भी अपलोड किए जा सकते हैं। ग्रेड 3 पदों के लिए परीक्षा विवरण के अनुसार एचएसएसएलसी (कक्षा 12) स्तर के पदों के लिए परीक्षा 15 सितंबर को आयोजित की गई थी। स्नातक स्तर और एचएसएलसी ड्राइवर पदों के लिए 29 सितंबर को परीक्षा ली गई थी। ग्रेड 4 पद के लिए एचएसएलसी, एचएसएलसी+ आईटीआई और कक्षा 8 स्तर के पदों के लिए परीक्षा 27 अक्तूबर को आयोजित की गई थी। परिणाम घोषित होने से पहले, एसएलआरसी ने अंतिम उत्तर कुंजी जारी की और आपत्तियां आमंत्रित कीं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस : चाय के बागानों की महिला श्रमिकों को सहायता एवं समर्थन देने के लिए विशेष पहल शुरू

गुवाहाटी। चाय उद्योग में 133 वर्षों से विश्वसनीय एवं जाने पहचाने वाघ बकरी टी ग्रुप ने पूर्वोत्तर भारत में चाय की पत्तियां तोड़ने वाली महिलाओं की सहायता के लिए एक विशेष पहल *कप ऑफ गुडनेस* शुरू करके अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। यह पहल महिलाओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता और शिक्षा के प्रति ग्रुप की प्रतिबद्धता व्यक्त करती हैं। इस पहल के तहत, वाघ बकरी टी लाउंज में कुल बिल का 5 प्रतिशत हिस्सा एक समर्पित कोष में दान किया जाएगा। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य और स्वच्छता जागरूकता में सुधार करना और चाय तोड़ने वाले श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा का समर्थन करना है। यह अभियान आगामी 13 महीनों तक जारी रहेगा। इससे पहले, वाघ बकरी टी ग्रुप ने इस पहल के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट चलाया था, जिससे असम के चाय बागानों के लगभग 700 चाय तोड़ने वालों को लाभ मिला था। वाघ बकरी टी ग्रुप ने इस पहल के माध्यम से जुटाई गई 12 लाख रुपए की धनराशि का योगदान दिया, जिससे असम के चाय तोड़ने वाले लोगों को लाभ मिला था। इस पहल पर अपनी टिप्पणी में, वाघ बकरी टी ग्रुप की निदेशक श्रीमती विदिशा पराग देसाई ने कहा कि वाघ बकरी में, हम सिर्फ चाय से कहीं आगे

बढ़कर सकारात्मक बदलाव लाने में विश्वास करते हैं। इस पहल के माध्यम से हमारा लक्ष्य स्वास्थ्य, स्वच्छता और शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान करके चाय तोड़ने वाले महिला श्रमिकों के जीवन में एक वास्तविक और ठोस परिवर्तन लाना है, जो हमारे उद्योग की रीढ़ हैं। पायलट प्रोजेक्ट की सफलता ने सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न करने के हमारे विश्वास को और मजबूत किया है। हम अगले 13 महीनों तक इस समर्थन को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम इस पहल के प्रति अपने ग्राहकों के समर्थन के लिए भी उनके आभारी हैं। साथ ही, हम यह दोहराना चाहते हैं कि, वाघ बकरी टी लाउंज में, वे जो प्रत्येक कप चाय पीते हैं, वो वास्तव में *कप ओफ गुडनेस* है। बाल रक्षा भारत एनजीओ की कृतांजलि कश्यप ने कहा कि चाय तोड़ने वाले श्रमिकों को बुनियादी स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता सुविधाओं तक पहुंचने में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और उनके बच्चों को अक्सर शैक्षणिक संसाधनों की कमी होती है। वाघ बकरी टी ग्रुप के साथ यह सहयोग इन समुदायों के लिए आवश्यक समर्थन प्रदान करेगा तथा अर्थपूर्ण अवसर पैदा करेगा। हम इस पहल के लिए आभारी हैं और इसके निरंतर प्रभाव की आशा करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर शुरू किया गया यह कार्यक्रम चाय तोड़ने वालों और उनके परिवारों के जीवन को प्रभावित करेगा और उनमें सुधार लाएगा। साथ ही यह वाघ बकरी टी ग्रुप की कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीआईएसआर) के प्रति दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाएगा। वाघ बकरी टी ग्रुप महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और पर्यावरणीय स्थिरता जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित कई सीआईएसआर पहलों का समर्थन करता है, जिनका स्थानीय समुदायों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। वाघ बकरी टी ग्रुप अहमदाबाद, बेंगलुरु, मुंबई, नई दिल्ली, पुणे आदि सहित कई शहरों में 50 से अधिक चाय लाउंज चलाता है। अपनी नवीनतम पहल के माध्यम से, वाघ बकरी टी ग्रुप केवल उच्च गुणवत्ता वाली चाय परोसने के लिए ही नहीं, किंतु इसे संभव बनाने वाले लोगों के जीवन के उत्थान के लिए भी अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

संपादकीय

कांगड़ा बाइपास के घाट

यहां आरती का सफर घाट तलाश रहा है तो हिमाचल की नदियों का इतिहास गौरवान्वित होने लगा है। खनन और बाढ़ के खतरों के बीच कांगड़ा के साथ बहती बनेर अंततः पर्यटन के काबिल समझी गई। कभी 'बसदी बनेर दे कंडे', महज भजन था जो अब पर्यटन की परिभाषा और पर्यटन की अभिलाषा में रूपांतरित होने जा रहा है। समाज के सहयोग से कुछ घाट बनाए जा रहे हैं, तो प्रशासनिक पहल से अब नवरात्रि महोत्सव के दौरान सुबह-शाम यहां महाआरती होगी। ये करवटें नए पर्यटन और धार्मिक पर्यटन के परिचय में इजाफा करेंगी। यह दीगर है कि कांगड़ा बाइपास के साथ बनेर जिस आभा में इजाफा करती है, उसे पर्यटन की एडीबी पोषित योजनाएं देख न पाईं। दिव्य हिमाचल लगातार बनेर के साथ घाट पर्यटन को बढ़ावा देने का सुझाव देता रहा है, लेकिन परियोजनाएं तो परियोजनाएं होती हैं। ये संभावना के बजाय सियासी प्राथमिकताएं देखती हैं। अगर प्रशासन को इजाजत और पर्यटन को निष्पक्षता से आंख खोलने दी जाए, तो हिमाचल का चप्पा-चप्पा आर्थिक चरखा चला सकता है। कांगड़ा में बाइपास की भौगोलिक परिस्थिति, बनेर की उपस्थिति और चारों तरफ के नजारे, एक बड़े पर्यटन परिसर, मनोरंजन केंद्र तथा अतिथि संतुष्टि का आग्रह करते रहे हैं। ऐसे में एक व्यापक परियोजना के तहत इस क्षेत्र को मिनी हरिद्वार, बनारस के घाट और हाईवे पर्यटन का बेहतरीन उदाहरण बनाया जा सकता है। आश्चर्य यह कि कांगड़ा को टूरिज्म कैपिटल बनाने की परियोजनाएं कांगड़ा शहर से ही रूठ गईं। आश्चर्य यह भी कि कांगड़ा निवासी और पर्यटन के कार्यभार में मंत्री का रैंक संभाले आरएस बाली भी इस स्थल की गुजारिश नहीं समझ रहे। अगर बाली भारत के सबसे ऊंचे म्यूजिकल फाउंटेन का शिलान्यास बाइपास पर उभरते पर्यटन के नाम कर दें, यहां एक फूड कोर्ट, आधुनिक घाट, टापू और बच्चों के मनोरंजन का पार्क बनाने की योजना में एडीबी से संपर्क कर लें, तो यह स्थल कांगड़ा को पर्यटन राजधानी बनाने का सही मायने में कांगड़ा शहर में ही शिलालेख कर देगा। कांगड़ा बाइपास के अलावा कालेश्वर महादेव की प्रतिष्ठा में योजनाएं बनें तो वहां भी सैलानियों के कुंभ लगेंगे। यह इसलिए भी क्योंकि प्रवासी मजदूरों के आने से छठ पूजन जैसे समारोह, नदियों के किनारे सुरक्षित स्थल ढूंढने लगे हैं। पिछले दो-तीन दशकों से हिमाचल में गणेशोत्सव की धूम ने घाट पर्यटन की जरूरत को हर खड्ड और नदी में निहारा है। कांगड़ा बाइपास साक्षी है कि जिला के सबसे बड़े गणेश विसर्जन स्थल के रूप में यह आस्था का केंद्र बन गया है। इसी तरह प्रदेश के अलग-अलग भागों में नदी-नालों और खड्डों के मुहाने तलाशे और तराशे जा रहे हैं। बिलासपुर के नजदीक से गुजरती फोरलेन और प्रस्तावित रेल परियोजना की दृष्टि ने झील पर्यटन की दर्जनों मंजिलें खोज ली हैं। बिलासपुर के जिलाधीश आबिद हुसैन इन्हीं झीलों और बीच में रह गए टापुओं में पर्यटन तलाश रहे हैं। कुछ बेहतरीन प्रयास हो गए हैं, जबकि कई चिन्हित स्थलों पर प्रशासन अपने तौर पर गंभीरता से प्रयास कर रहा है। कैप्टन सैलेज सियाज फाउंडेशन के सहयोग तथा एसडीएम इशांत जसवाल के प्रयास से कांगड़ा में घाट निर्माण का प्रथम चरण दिखाई दे रहा है और अगर इस क्षेत्र के विकास के लिए एक मास्टर प्लान से कार्य हो, तो एडीबी और मंदिर ट्रस्ट के सहयोग से सौ करोड़ के निवेश की जरूरत रहेगी। ऐसे में हर मंदिर ट्रस्ट को अपने क्षेत्र में कम से कम पर्यटन क्षेत्र में एक महापरियोजना पर गंभीरता से काम करना चाहिए। कांगड़ा मंदिर के विस्तारित केंद्र के रूप में बाइपास व बनेर के तट पर गौर करना होगा। चामुंडा और हिमानी चामुंडा के बीच कई पर्यटन गांव मंदिर आय से विकसित हो सकते हैं। नयनादेवी शहर के हर पड़ाव में मंदिर ट्रस्ट मंदिर संस्कृति के शिलालेख लिख सकता है। दियोटसिद्ध, चिंतपूर्णी व ज्वालाजी अपने आसपास के क्षेत्र को धार्मिक पर्यटन के महामार्ग से जोड़ सकते हैं, तो चंबा और भरमौर की सांस्कृतिक विरासत में वार्षिक महोत्सवों की उड़ान का जज्बा सुदृढ़ हो सकता है।

समाज के सहयोग से कुछ घाट बनाए जा रहे हैं, तो प्रशासनिक पहल से अब नवरात्रि महोत्सव के दौरान सुबह-शाम यहां महाआरती होगी। ये करवटें नए पर्यटन और धार्मिक पर्यटन के परिचय में इजाफा करेंगी। यह दीगर है कि कांगड़ा बाइपास के साथ बनेर जिस आभा में इजाफा करती है, उसे पर्यटन की एडीबी पोषित योजनाएं देख न पाईं। दिव्य हिमाचल लगातार बनेर के साथ घाट पर्यटन को बढ़ावा देने का सुझाव देता रहा है, लेकिन परियोजनाएं तो परियोजनाएं होती हैं। ये संभावना के बजाय सियासी प्राथमिकताएं देखती हैं। अगर प्रशासन को इजाजत और पर्यटन को निष्पक्षता से आंख खोलने दी जाए, तो हिमाचल का चप्पा-चप्पा आर्थिक चरखा चला सकता है। कांगड़ा में बाइपास की भौगोलिक परिस्थिति, बनेर की उपस्थिति और चारों तरफ के नजारे, एक बड़े पर्यटन परिसर, मनोरंजन केंद्र तथा अतिथि संतुष्टि का आग्रह करते रहे हैं। ऐसे में एक व्यापक परियोजना के तहत इस क्षेत्र को मिनी हरिद्वार, बनारस के घाट और हाईवे पर्यटन का बेहतरीन उदाहरण बनाया जा सकता है।

'आप' सरकार के लिये पंजाब एक जटिल समस्या एवं चुनौती बनकर खड़ी है

पंजाब-किसानों का उबाल दमन नहीं, संवाद से थमेगा

ललित गर्ग

पंजाब में आम आदमी पार्टी की नाकामयाबियां, अप्रभावी प्रशासन कौशल, असंवाद, हठधर्मिता एवं दमनात्मक कदमों से अराजकता एवं अशांति का वातावरण उग्र से उग्रतर होता जा रहा है। ऐसा प्रतीत होता है आप सरकार के पाप का घड़ा भर चुका है, जनता, किसान एवं अधिकारी सभी कोई त्रस्त एवं परेशान है। इसकी निष्पत्ति के रूप में सामने आ रहा है किसानों का आन्दोलन एवं आम जनता का अंतोष। ये वे ही किसान है जिनको भड़काकर, गुमराह करके एवं गलत दिशाओं में धकेल कर 'आप' पार्टी के संयोजक अरविन्द केजरीवाल ने केन्द्र सरकार के सामने जटिल स्थितियां पैदा की, दिल्ली की जनता का सुख-चैन छीना था एवं खुद किसानों का मसीहा बनने का प्रयास किया था। अब उन्हीं किसानों की समस्याओं को सुनने की बजाय उन पर सख्त दमनात्मक कदम उठाये जा रहे हैं। नौ सौ चूहे खाय बिल्ली हज को चली कहावत को चरितार्थ करने वाली 'आप' सरकार के लिये पंजाब एक जटिल समस्या एवं चुनौती बनकर खड़ी है। जैसी करनी वैसी भरनी-यही हश्र हो रहा है आप सरकार की कथनी और करनी में फर्क की राजनीति का। पंजाब की आप सरकार पहले किए गए कई चुनावी वादों को पूरा करने नाकाम रही है, हालांकि, नाटकीयता के प्रति उसकी प्रवृत्ति के अलावा, सभी चुनावी वादे एवं घोषणाएं काफी हद तक असफल रही है। पंजाब में मान सरकार के खिलाफ नाराज किसानों ने मोर्चा खोल दिया है, 'चंडीगढ़ चलो मार्च' के लिए कूच करने वाले किसानों को भले ही पुलिस ने रोक दिया, चंडीगढ़ की सभी सीमाओं पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी हो और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया हो। लेकिन बातचीत की बजाय ऐसे दमनात्मक तरीकों से किसान अधिक भडकेंगे। सवाल यह है कि कृषि प्रधान राज्य क्या किसानों के हितों की अनदेखी कर सकता है? पंजाब में हालात अनियंत्रित, जटिल, अराजक एवं अशांत होते जा रहे हैं। भारतीय किसान यूनियन के एक घटक द्वारा चंडीगढ़ में नये सिरे से आंदोलन शुरू करने की चेतावनी के बाद पुलिस-प्रशासन की सख्ती से बुधवार को सामान्य जीवन व यातायात बुरी तरह से प्रभावित हुआ। चंडीगढ़ से लगते इलाकों में पुलिस के अवरोधों के चलते वाहन घंटों जाम में फंसे रहे। जिन हालातों को दिल्ली की जनता ने लम्बे समय तक झेला, वे ही हालात अब पंजाब के

हो रहे हैं। पुलिस आंदोलनकारियों से निबटने के लिये सख्त एवं आक्रामक बनी रही और कई किसान नेताओं को गिरफ्तार किया गया। चंडीगढ़ के अनेक प्रवेश मार्गों को सील किया गया था और भारी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया था। सवाल उठाया जा रहा है कि 'आप' सरकार की यह सख्ती क्या हताशा का पर्याय है या समस्याओं से निपटने में उसकी नाकामी को दर्शाता है? बड़ी-बड़ी आदर्श की बातें करने वाली आप पार्टी का दोगला चरित्र ही उजागर हो रहा है। भगवंत मान के नेतृत्व वाली आप पार्टी की सरकार, जिसे कभी बदलाव का अग्रदूत एवं जन-जन का सच्चा हितैषी माना जाता रहा है, अब खुद को प्रमुख हितधारकों- किसानों, राजस्व अधिकारियों और नौकरशाही के साथ उलझी हुई पा रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि किसानों का सबसे बड़ी हितैषी मानने वाली सरकार आज किसानों की दुश्मन कैसे हो गयी? कृषिभूमि पंजाब को कैसे अशांत होने दिया जा रहा है? आप सरकार द्वारा जिस तरह से लंबे समय से आंदोलनरत किसानों की मांगों के प्रति उदासीनता एवं उपेक्षा दर्शायी जा रही है, उससे किसानों की लोकतांत्रिक भागीदारी को लेकर चिंताएं पैदा होती हैं। निश्चित रूप से किसी भी लोकतांत्रिक आंदोलन के दमन से सामाजिक विभाजन और संघर्ष की स्थितियां ही गहराती है, आन्दोलन एवं विद्रोह भावना भड़कती है। दरअसल, पंजाब का संकट सिर्फ हड़ताली अधिकारियों या फिर विरोध करने वाले किसानों को लेकर ही नहीं है। यह असंतोष शासन के दोगलेपन, रीति-नीतियों, झूठे आश्वासनों एवं छलपूर्ण कार्यप्रणाली से जुड़ा है। ये स्थितियां न केवल किसान आंदोलनकारियों से सहज संवाद की कला को खोती हुई प्रतीत हो रही है, बल्कि जिसने पंजाब को नशे का जंगल बना दिया है, आतंकवाद को पनपने दिया एवं महिलाओं को नाराज किया है। निश्चित रूप से अपने राज्य के लोगों के साथ सख्ती का व्यवहार एवं झूठे वायदों ने तंत्र की नाकामी को ही उजागर करता है। निर्विवाद रूप से निराशाजनक वातावरण को यथाशीघ्र दूर करने के प्रयास किए जाने चाहिए, अन्यथा पंजाब की अशांति एवं अराजकता प्रांत को न केवल आर्थिक मोर्चे पर बल्कि सुशासन के मोर्चे पर धराशाही कर देगी। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर शुरू हुआ किसान आंदोलन अब उग्र से उग्रतर होता जा रहा है। इस आन्दोलन से उपजे हालात से जनजीवन अस्तव्यस्त हो रहा है। जाम की बड़ी समस्या पर आम लोग कह रहे कि जाम किसानों की तरफ से है या सरकार की तरफ से। दरअसल, पंजाब जो लंबे समय से कृषि क्षेत्र में उदार दृष्टिकोण एवं हरित क्रांति वाला राज्य रहा है, तंत्र की संवेदनहीनता और शासन की आक्रामकता के चलते अब अशांत नजर आ रहा है। समय रहते किसानों की मांगों को पूरा न किए जाने और कारगर समाधान के लिये परामर्श न मिल पाने से निराश किसान यूनियनों ने नये सिरे से विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। जिसकी परिणति 'चंडीगढ़ चलो मार्च' के रूप में सामने आई है। किसान नेता आरोप लगा रहे हैं कि किसानों की समस्याओं के समाधान पर संवेदनशील रवैया अपनाने के बजाय दमनात्मक कदम उठाये जा रहे हैं। जिसे वे देर रात छापेमारी करके किसान नेताओं की गिरफ्तारी और चंडीगढ़ की सीमाएं सील करने के रूप में देख रहे हैं। अपनी हार एवं नाकामयाबियों से बौखलायी आप सरकार अधिकारियों को निलंबित एवं तबादलें कर रही है, जिससे किसानों के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारियों में भी गहरा असंतोष सामने आ रहा है, वे भी तल्ख प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे हैं। राजस्व अधिकारियों ने सामूहिक अवकाश लेने के विकल्प चुनकर सरकार की समस्याओं को बढ़ा दिया है। पंजाब में आप सरकार की चुनौतियां बढ़ती जा रही है। आम लोग अब बार-बार होने वाले प्रदर्शनों, धरनों और नाकेबंदियों से ऊब चुके हैं। आप शासन की खामियां ही उजागर हो रही हैं, अधूरे वादों, कानून-व्यवस्था या आर्थिक चुनौतियों जैसे मुद्दों पंजाब की शांति को लील रहे हैं। भगवत मान छल और झूठ की राजनीति करते हुए अपने हर वादे से मुकर रहे हैं।

आप सरकार के पाप का घड़ा भर चुका है, जनता, किसान एवं अधिकारी सभी कोई त्रस्त एवं परेशान है। इसकी निष्पत्ति के रूप में सामने आ रहा है किसानों का आन्दोलन एवं आम जनता का अंतोष। ये वे ही किसान है जिनको भड़काकर, गुमराह करके एवं गलत दिशाओं में धकेल कर 'आप' पार्टी के संयोजक अरविन्द केजरीवाल ने केन्द्र सरकार के सामने जटिल स्थितियां पैदा की, दिल्ली की जनता का सुख-चैन छीना था एवं खुद किसानों का मसीहा बनने का प्रयास किया था। अब उन्हीं किसानों की समस्याओं को सुनने की बजाय उन पर सख्त दमनात्मक कदम उठाये जा रहे हैं। नौ सौ चूहे खाय बिल्ली हज को चली कहावत को चरितार्थ करने वाली 'आप' सरकार के लिये पंजाब एक जटिल समस्या एवं चुनौती बनकर खड़ी है।

दृष्टि कोण

बचपन और खिलौनों का संसार

सृष्टि परिवर्तनशील है और वर्तमान संचार एवं प्रौद्योगिकी के बदलते जमाने में नित नए बदलाव जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में देखने को मिल रहे हैं जो बच्चों सहित सभी की दैनिक गतिविधियों को भी प्रभावित कर रहे हैं। कभी एक बचपन वह भी था जिसमें मोबाइल गेमिंग से इतर लुकाछिपी, गिली-डंडा, सुंदर स्टापू, कंचे-गोलियां, सांप-सीढ़ी, लुडो, पि_गर्म, लंगड़ी टांग और सस्ते खिलौनों में ही बच्चों का संसार सिमटा होता था। आज संपन्न वर्ग के लोगों के पास रुपया-पैसा खूब है तो इलेक्ट्रॉनिक के एक से बढक़र एक बैटरी चालित खिलौने बाजार में मौजूद हैं, वहीं सामान्य वर्ग के बच्चों के मनोरंजन के लिए प्लास्टिक के बने सस्ते खिलौने भी बहुतायत में मिल जाएंगे। आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में मेलों के दौरान ऐसे खिलौनों की भरमार देखने को मिलती है जहां बच्चों को अपने माता-पिता से खिलौने लेकर देने की जिद्द के चलते उन्हें दुकान के आगे लोटम-पोट होते हुए अक्सर देखा जा सकता है। जब तक बचपन का सुनहरा दौर रहेगा, खिलौनों का संसार यूं ही बच्चों को अपनी ओर आकर्षित करता रहेगा। हिंदू धर्मग्रंथों में भी अलग-अलग खिलौनों का वर्णन पढऩे को मिलता है। दुनिया में लोकप्रिय खेल शतरंज प्राचीन भारत में 'चतुरंग या चादुरंगा' के रूप में खेला जाता था। आधुनिक लूडो तब 'पच्चीसी' के रूप में खेला जाता था। हमारे धर्मग्रंथों में भी बालक राम के लिए अलग-अलग कितने ही खिलौनों का वर्णन मिलता है। ज्यादातर भारतीय खिलौने प्राकृतिक तथा ईको फ्रेंडली चीजों से बनते रहे हैं और उनमें इस्तेमाल होने वाले रंग भी प्राकृतिक और सुरक्षित होते हैं। खिलौने न केवल क्रियाशीलता बढ़ाते हैं, बल्कि महत्वाकांक्षाओं को पंख भी लगाते हैं। बच्चों के मस्तिष्क विकास में खिलौने महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और मनोवैज्ञानिक गतिविधियों तथा ज्ञान की कुशलता बढ़ाने में बच्चों की मदद करते हैं। खिलौने का एक-एक रंग बच्चे के जीवन में कितने ही रंग बिखेरता है। भारत के घरेलू बाजार के साथ-साथ वैश्विक खिलौना बाजार में हमारे विनिर्माण क्षेत्र के लिए खिलौना उद्योग एक बड़ा अवसर प्रदान करता है। भारतीय खिलौना उद्योग को बढ़ावा देने से वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा और भारत को भी फायदा मिलेगा। दुनिया में खिलौनों का कारोबार 6624 अरब रुपए का है। भारत के 125 अरब के खिलौना कारोबार में से 88 अरब के खिलौनों अर्थात 85 फीसदी खिलौने बाहर से आयात किए जाते हैं, जिसमें से 15 प्रतिशत खिलौनों को मलेशिया, जर्मनी, हॉन्गकॉन्ग, थाईलैंड और अमरीका से मंगाया जाता है, शेष 85 फीसदी खिलौने चीन से आयात किए जाते हैं। चीन दुनिया भर में 1472 अरब रुपए के खिलौनों का निर्यात करता है। दुनिया भर में खिलौना उद्योग 5 फीसदी की दर से प्रति वर्ष बढ़ रहा है, जबकि भारत में यह उद्योग 10 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। भारत में खिलौना उद्योग तेजी से बढ़ रहा है। साल 2014-15 से 2022-23 के बीच, खिलौनों के निर्यात में 239 फीसदी की वृद्धि हुई है। वहीं, आयात में 52 फीसदी की गिरावट आई है। यह खुशी की बात है कि भारत अब खिलौना निर्यात में दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल हो गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस उद्योग से जुड़े उद्यमियों को सरकारी संरक्षण मिलना चाहिए। चूंकि खिलौना उद्योग लंबे समय से अनेकों बाधाओं का सामना कर रहा है, इस कारण भारतीय खिलौना उद्योग की वृद्धि दर अपेक्षित विकास की तुलना में बहुत कम हुई है। दूसरे खिलौना उद्योग की समस्याओं के समाधानों के लिए कोई नीति न होने से इस सेक्टर में वृद्धि की रफ्तार धीमी है। विभिन्न विभागों के बीच समन्वित दृष्टिकोण का अभाव है। इसके अलावा खिलौना निर्माण एक स्वैच्छिक क्षेत्र है, जिसमें न केवल उत्पादन के लिए, बल्कि तैयार उत्पादों के भंडारण और इसकी पैकिंग के लिए बड़ी मूलभूत सुविधाओं की जरूरत होती है। खिलौना उद्योग के क्षेत्र में कुछ व्यावहारिक दिक्कतें हैं। जैसे आसान तरीके से बैंकों से ऋण अथवा वित्तीय सहायता न मिलना। खिलौना उद्योग में डिजाइन और इनोवेशन की बहुत कमी है, जिसके कारण नए उत्पाद बनाना बहुत मुश्किल है। खेद है कि भारत में कोई भी एकल समर्पित खिलौना डिजाइन संस्थान नहीं है। दुनिया में बेचे जाने वाले ज्यादातर खिलौने इलेक्ट्रॉनिक हैं, जबकि भारत में बने खिलौने यांत्रिक ही ज्यादा हैं। खिलौनों के निर्माता इलेक्ट्रॉनिक खिलौनों पर अधिक जीएसटी दर लगने के कारण इलेक्ट्रॉनिक खिलौने बनाने से हिचकते हैं। वर्तमान में, मैकेनिकल खिलौनों पर 12 फीसदी, इलेक्ट्रॉनिक खिलौनों पर 18 प्रतिशत और वीडियो गेम और वीडियो गेम कंसोल पर 28 प्रतिशत जीएसटी की दर से टैक्स लगता है।

कुछ अलग

बदलते मौसम के मसीहा

हमसे बार-बार पूछा जाता है कि कतार में खड़े इस देश के आखिरी आदमी के चेहरे से मुस्कान क्यों लुप्त हो गई है? अजी यहां कतार एक हो तो उसकी बात करें। यहां तो कतार-दर-कतार है। जिधर आंख उठाओ वहां कतारें खड़ी नजर आती हैं, और उनके अंत में लोगों के झुंड हैं, केवल एक आदमी नहीं, जो अपने अच्छे दिनों या जीवनोदय का इंतजार कर रहा है। अंत्योदय के नाम से उसे इसी कतार में खड़ा किया गया था न। सोचा था एक कतार होगी, आगे सरकती-सरकती कभी खत्म हो जाएगी। लेकिन यहां तो हर क्षेत्र में कतार-दर-कतार लगती गई। महात्माओं ने जहां भी युग बदलने का वायदा किया, वहां कतार लगती गई और अगले दिन बदलने का इंतजार करने लगी। लेकिन रुत पर रुत बदलती गई। दिन, महीने और महीने साल हो गए, यह कतार आगे नहीं सरकी, बरसों से वहीं खड़ी रही। अब तो क्रांति का सपना देखने वाली आंखें बेनूर होती नजर आ रही हैं। देश तरक्की करेगा, योजनाबद्ध आर्थिक विकास के रास्ते पर सरपट भागेगा। लेकिन बारह पंचवर्षीय योजनाओं का कितना लंबा रास्ता था, कि उसे अपने कंधों पर ढोते-ढोते योजना आयोग का कचूमर निकल गया। उसे सफेद हाथी कह कर नकार दिया गया। जबकि सफेद हाथी तो इसके नियामक और प्रचालक थे, जो अपने-अपने वातानुकूलित गवाक्षों से 'जंग का मुजरा' देखने के नाम पर इसकी प्रगति के आंकड़ों का मुजरा देखते रहे। कभी समाजवादी व्यवस्था पैदा करने के नाम पर यह क्रांति यात्रा शुरू हुई थी। रास्ता इतना लंबा था कि नौकरशाहों और सत्ता के दलालों ने इसे खत्म होने नहीं दिया। प्रगति का हर मील पत्थर, भ्रष्टाचारियों की लोभलिप्सा का हाजमा दुरुस्त करता रहा, और अब सत्तर बरस के बाद उपलब्धियों के मूल्यांकन के लिए मील के पत्थरों को गिनने का फैसला हुआ, तो पाया कि मील के पत्थर नदारद हो गए थे, फसल सुरक्षित रखने के लिए जो बाढ़ लगी थी, वही फसल को खा गई। आम आदमी हर कतार से दुत्कार दिए जाने के बाद फुटपाथ पर आ गया था। कहां तो हर घर को चिराग देने की बात थी, और अब तो गरीब शहरों की अंधेरी बस्तियों को एक चिराग भी नहीं मिला। कतारें टूटती बनती रही, लेकिन एक ही जगह रुकी रहीं। कामदारों को धकेल कर उभर आए उनकी जगह कुछ नामदार, जिन्होंने गर्व से बताया कि हम जहां खड़े हो जाते हैं, तो वहां से ही कतार शुरू होती है। हमने इन कतारों के सरगना महापुरुषों की झोली में देश की प्रगति के मील पत्थर तलाशने चाहे, लेकिन वहां भी भव्य अट्टालिकाएं और कुछ वातानुकूलित गाडियां। कुछ दावे थे और कुछ घोषणाएं, लेकिन ये दावे और घोषणाएं पौन सदी के अंधेरे में गुम हो गई। उस भारी भीड़ के चेहरे पर खोई हुई मुस्कान लौटा नहीं पाई। सफेद हाथी उनके अस्तबल में गुम हो गया और उसकी जगह उन्हें मिल गया नीति आयोग। इसने कतार से गुम हो गए लोगों से पूछा, क्या यह किसी पुराने साइनबोर्ड पर लिखी नई इबारत है? बताया गया, नहीं ऐसा नहीं है। लिपापुता रंग-बिरंगा यह तो नया साइन बोर्ड है, केवल एक साइन बोर्ड। इसके द्वारा निर्देशित होने वाला रास्ता अभी बनाया जाएगा। यह रास्ता आपको सर्वकल्याण की ओर कैसे ले जाएगा, इसका फैसला अभी किया जाएगा। योजनाबद्ध आर्थिक विकास से आपका कायाकल्प करने की योजनावधि क्या होगी, इस पर फैसला भी अभी होना है। फिलहाल आप समाज बदल जाने, युग पलट जाने का सपना देखिए। समाज बदल जाने और गरीब-अमीर का भेद मिट जाने का सपना तो हम बहुत दिन से देख ही रहे थे। अब तो हमारे फुटपाथों पर भी उनकी भव्य अट्टालिकाएं छाया नहीं करती।

देश दुनीया से

रिश्तों की बारात

यह सच ही है कि हमारा दिमाग हमारा सबसे बड़ा दोस्त है और हमारा दिमाग ही हमारा सबसे बड़ा दुश्मन है। हमारे पूर्वज जब जंगलों में रहते थे तो उनका जीवन बहुत कठिन था। हर ओर से खतरा ही खतरा था। भोजन के साधन और विकल्प सीमित थे। जीवन हर रोज संकट में होता था। शेर, चीता, भेडिया आदि ही नहीं, सांप और बिच्छू भी घातक हो सकते थे। जानवर अपना भोजन बन सकता हो तो मार लो, और खतरनाक हो तो भाग लो। हमारे पूर्वजों के साथ 'फाइट ऑर फ्लाइट' की यह स्थिति इतने लंबे समय तक रही कि वह हमारे जन्म-जन्मांतर के संस्कार का हिस्सा बन गई। मनोविज्ञान कहता है कि यदि हमारे सामने कोई ऐसा काम आ जाए जो कठिन है या नापसंद है, तो हमारा दिमाग उसे न करने के बहाने गढ़ लेता है और हमें समझ भी नहीं आता कि हमारे अपने दिमाग ने ही हमें किस तरह से गलत रास्ते पर डाल दिया। हमारे सामने कोई कठिन काम आ जाए तो हमारा दिमाग हमें कहेगा कि पांच मिनट सैर करके तरोताजा हो जाएं ताकि काम को अच्छे से अंजाम दे सकें, या यह कि हमारी दराज में बहुत खिचपिच हो गई है, थोड़ा इसे साफ कर लें, फिर तसल्ली से काम शुरू कर देंगे, आदि-आदि। इसी तरह हमारा दिमाग हमें बहका कर दूसरी तरफ मोड़ देता है और सारा दिन बीत जाने पर हमें याद आता है कि असली काम तो हमने किया ही नहीं। हमारा दिमाग एक घोड़े की तरह है। लगाम हो तो यह हमारे काबू में रहता है और बेलगाम हो जाए तो हम किसी काम के नहीं रहते। यही कारण है कि दिमाग को काबू में रखने के लिए हमें कुछ चीजों से अपने रिश्ते का विश्लेषण करते रहना चाहिए। 'सहज संन्यास मिशन' में हम इसे ही 'रिश्तों की बारात' कहते हैं। ये रिश्ते हैं, खुद से रिश्ता, परिवार से रिश्ता, रिश्तेदारों, सहकर्मियों, दोस्तों और जान-पहचान वालों से रिश्ता, वृहत्तर समाज से रिश्ता, समय से रिश्ता, धन से रिश्ता, और परमात्मा से रिश्ता। अपने आप से हमारा खुद का रिश्ता हमारे पूरे जीवन को परिभाषित करता है। हम खुद को प्यार करें, अपनी कमियों और गलतियों से सबक सीखें पर खुद में हीनभावना न आने दें, आत्मविश्वास से लबरेज रहें तो बहुत से काम आसान हो जाते हैं। हम काम शुरू करने से पहले ही हार नहीं मानते, काम में कहीं अटक जाएं तो निराश नहीं होते बल्कि चुनौतियों और समस्याओं के समाधान ढूंढते हैं। आत्मविश्वास हो तो हमें किसी से सीखने में या सहायता मांगने में हिचक नहीं होती। इसमें कोई शक नहीं कि हमारा परिवार हमारा सबसे बड़ा सहारा है और हमारे परिवार के सदस्य निस्वार्थ भाव से हमारी सहायता करते हैं, हमारी कमियों और गलतियों का बुरा माने बिना हमें सही राह दिखाते हैं। पशु-पक्षियों और जानवरों के बच्चे बहुत जल्दी आत्मनिर्भर हो जाते हैं, लेकिन मनुष्यों के बच्चे बहुत लंबे समय तक मां-बाप और परिवार पर निर्भर रहते हैं। परिवार से हमारा रिश्ता स्वस्थ हो तो हमें अकेलापन महसूस नहीं होता, आत्मविश्वास बढ़ जाता है और हमारे लिए जोखिम लेना भी आसान हो जाता है। हमारे बहुत से रिश्तेदार और दोस्त हमारे शुभचिंतक होते हैं। हमारा व्यवहार संतुलित हो तो हमारे रिश्तेदार, दोस्त, सहकर्मी और जान-पहचान वाले लोग भी आड़े समय हमारे काम आते हैं। यह एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि वृहत्तर समाज से हमारा रिश्ता हमारे रिश्तेदारों, दोस्तों, सहकर्मियों और जान-पहचान वाले दीगर लोगों से हमारे रिश्ते को प्रभावित करता है। जब हम अपना स्वार्थ छोडक़र दूसरों के काम आने की आदत अपना लेते हैं और अपने संपर्क में आने वाले लोगों की सहायता के लिए तत्पर रहते हैं, तो दूसरे लोग भी हमारे आड़े वक्त में हमारे काम आते हैं। अक्सर दूसरों के साथ हमारा व्यवहार ही यह तय करता है कि हम जीवन में कितने सफल होंगे। समय के साथ हमारा रिश्ता हमारी सफलता या असफलता का बहुत बड़ा कारक है। हम अपने समय की कीमत समझते हैं या नहीं, हम अपने समय का सदुपयोग करते हैं या नहीं, हम अपने समय के मामले में सजग हैं या नहीं, हमारे जीवन की दशा-दिशा तय करने में इसका बहुत बड़ा हाथ है। हम अपने लक्ष्य के प्रति सजग हों और उपलब्ध समय का पूरी संजीदगी से उपयोग करें तो सफलता हमारे कदम चूमती है। समय बर्बाद करने वाली आदतों से खुद को बचा कर रखना और समय बर्बाद करने वाले लोगों से खुद को बचा कर रखना हमारी जीवनशैली का हिस्सा होना चाहिए। इस मामले में हम जितने स्पष्ट होंगे, लोग हमारे समय का उतना ही आदर करेंगे। समय के साथ हमारे रिश्ते की ही तरह धन के साथ हमारा रिश्ता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सहज संन्यास परंपरा के हम संन्यासी लोग भी धन के महत्व को नहीं नकारते। हम धन की निंदा नहीं करते, धन को बुरा नहीं मानते, हम सब गृहस्थ संन्यासी हैं और हमने न घर छोड़ा है, न परिवार छोड़ा है, न दुनिया छोड़ी है। हम सब अपनी-अपनी नौकरी या व्यवसाय में लगे हैं। हम मानते हैं कि धन का दुरुपयोग बुरा है, धन का लालच बुरा है, धन के लिए धोखा देना, झूठ बोलना या ठगना बुरा है, खुद धन बुरा नहीं है, अमीर होना बुरा नहीं है, गरीबी कोई गुण नहीं है, अमीरी कोई दुर्गुण नहीं है। धन हो तो अच्छी शिक्षा लेना, दुनिया देखना, जोखिम लेना और किसी की सहायता करना आसान हो जाता है। धन हमें अपने ढंग से जीने की स्वतंत्रता देता है, धन हमें समय के सदुपयोग की स्वतंत्रता देता है, धन हमें अपने मनचाहे निर्णय लेने की स्वतंत्रता देता है। खुद से, परिवार से, रिश्तेदारों, दोस्तों, सहकर्मियों और जान-पहचान वालों से हमारा रिश्ता, धन और समय के साथ हमारा रिश्ता महत्वपूर्ण है, पर परमात्मा के साथ हमारा रिश्ता इन सबसे ऊपर है। जब हम हर जीव में परमात्मा का प्रकाश देखते हैं तो हम प्रेममय हो जाते हैं और हमारे दृष्टिकोण में दयालुता अपने आप आ जाती है। हम ब्रह्मांड से जुड़ जाते हैं और इस ब्रह्मांड के संसाधनों का आदर करना सीख लेते हैं। हम परमात्मा के प्रति समर्पित हो जाते हैं और हमारा हर काम ही पूजा हो जाता है। परमात्मा के प्रति समर्पण पूरा हो जाए तो रिश्तों की यह बारात सार्थक हो जाती है और जीवन सफल हो जाता है। जीवन का अंतिम लक्ष्य भी तो यही है। जहां हमें भौतिक संसाधनों की जरूरत रहती है, वहीं जीवन का अंतिम लक्ष्य तो मोक्ष प्राप्त करना ही है।

हमारे पूर्वज जब जंगलों में रहते थे तो उनका जीवन बहुत कठिन था। हर ओर से खतरा ही खतरा था। भोजन के साधन और विकल्प सीमित थे। जीवन हर रोज संकट में होता था। शेर, चीता, भेडिया आदि ही नहीं, सांप और बिच्छू भी घातक हो सकते थे। जानवर अपना भोजन बन सकता हो तो मार लो, और खतरनाक हो तो भाग लो।

आप का नजरीया

व्यापार-युद्ध की नौबत

अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति ने विश्व में व्यापार-युद्ध छेड़ दिया है। जो देश अमरीका के साथ व्यापार करते हैं अथवा प्रत्यक्ष रूप में व्यापार के साझेदार नहीं हैं, वे सभी देश प्रभावित होंगे। विश्व में 2008 की आर्थिक मंदी के आसार बन गए हैं। चीन ने तो अमरीका को 'किसी भी युद्ध' की चेतावनी दे दी है। कनाडा बहुत गुस्से में है और उसने भी अमरीकी वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाने का पलटवार किया है। ये संपूर्ण व्यापार-युद्ध के हालात हैं, नतीजतन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किए जा रहे व्यापार, आर्थिक निवेश और व्यापार-नीतियां प्रभावित होंगी। ट्रंप भूमंडलीकरण के खिलाफ काम कर रहे हैं और इसमें अमरीका का फायदा देख रहे हैं, जबकि ऐसा नहीं होगा। इस व्यापार-युद्ध से अमरीका में महंगाई बढ़ेगी। शेयर बाजार और कंपनियों के कारोबार प्रभावित होंगे। अमरीकी बाजार 2.6 फीसदी तक गिरे हैं, यह बिल्कुल स्पष्ट है। भारत अभी तक संतुलित स्थिति में है। विशेषज्ञों के आकलन हैं कि भारत को फायदा होगा। पहले तीन महीनों में ही भारत से अमरीका को निर्यात 10 फीसदी तक बढ़ सकता है। इसके बुनियादी कारण भी हैं। चीन ने गेहूं, मक्का, कपास, चिकन पर 15 फीसदी और सोयाबीन, सुअर के मांस, बीफ, फल-सब्जियों और डेयरी उत्पादों पर 10 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ थोप दिया है। अमरीकी सोयाबीन और कपास के लिए चीन सबसे बड़ा बाजार है। चीन बीफ, डेयरी उत्पाद, सुअर मांस और मुर्गी के मांस आदि का भी बड़ा खरीददार है। यदि अमरीकी उत्पाद महंगे हो जाएंगे, तो चीन ब्राजील, अर्जेन्टीना, पराग्वे सरीखे वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं से आयात कर सकता है। इन स्थितियों में अमरीकी किसान, व्यापारी को नुकसान हो सकता है। गौरतलब यह है कि नवंबर 2024 के चुनाव में अमरीका के कृषि पर आश्रित लोगों और क्षेत्रों के करीब 78 फीसदी लोकप्रिय वोट ट्रंप को मिले थे। यही नहीं, चीन से आने वाले इलेक्ट्रॉनिक सामान, मोबाइल, कंप्यूटर, वीडियो गेम्स और उपभोक्ता सामान भी महंगे होंगे। दरअसल यह व्यापार-युद्ध चीन, कनाडा, मैक्सिको बनाम अमरीका तक ही सीमित नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप विश्व भर में इस्पात, अल्मूनियम पर 25 फीसदी टैरिफ की घोषणा भी कर चुके हैं। यह 12 मार्च से प्रभावी होगा। 'पारस्परिक टैरिफ' की बात भी ट्रंप करते रहे हैं, लिहाजा भारत इन स्थितियों से अछूता नहीं रह सकता। हालांकि भारतीय निर्यात संगठन महासंघ (फियो) के अध्यक्ष एस. सी. रल्हन का मानना है कि भारतीय निर्यातकों को अमरीका में शिपमेंट बढ़ाने में मदद मिलेगी। राष्ट्रपति ट्रंप ने 2019 में भी जब चीन पर अधिक टैरिफ लगाया था, तब भारत चौथा सबसे बड़ा लाभ पाने वाला देश था। इन परिस्थितियों में भारत अपने को एक विश्वसनीय, वैश्विक व्यापार-साझेदार के तौर पर स्थापित कर सकता है। वह अपने निर्यातकों को प्रोत्साहित करे, ताकि वे नए बाजार खंगाल सकें। इस संदर्भ में ब्रिक्स जैसा संगठन अपने देशों में विमर्श करे और वे एक सामान्य टैरिफ पर आपसी व्यापार को बढ़ा सकते हैं।

पूर्व सीएम हुड्डा ने काम किया होता तो तीन बार नहीं नकारती जनता : रामचंद्र जांगड़ा

राज्यसभा सांसद रामचन्द्र जांगड़ा का बयान, ब्रांडिड दवाइयों की कंपनिया लोगों की जेब पर डाल रही डाका

रोहतक (हिंस)। राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने कहा कि दवाइयां की ब्रांडेड कंपनियों ने महंगी दवाई बेच लोगों की जेब पर डाका डाला है। इसलिए सरकार ने जेनेरिक दवाइयां के लिए प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र पर जन औषधि केंद्र खोलने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने सत्ता में आने के बाद अनेक मेडिकल कॉलेज खोले, जबकि कांग्रेस 70 सालों में नहीं कर पाई। उन्होंने भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर भी निशाना साधा और कहा कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा को जनता पूरी तरह से नकार चुकी है। एम्स को लेकर दिए गए पूर्व सीएम के ब्यान पर भी सांसद ने कहा कि हुड्डा तो यह भी कह सकते है कि धरती पर चांद व सूरज वहीं लेकर आएं थे। शुक्रवार को रामचंद्र जांगड़ा ने सिविल अस्पताल में जन औषधि केंद्र का उद्घाटन किया

और बाद में पत्रकारों से रुबरु हुए। राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को प्रदेश की जनता अब पूरी तरह से नकार चुकी है, 2014 के बाद से भूपेंद्र सिंह हुड्डा और कांग्रेस लगातार प्रदेश में सत्ता से बाहर होती जा रही है ऐसे में भूपेंद्र सिंह हुड्डा बेवजह सरकार पर आरोप प्रत्यारोप की राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने भूपेंद्र सिंह हुड्डा के उस बयान पर भी प्रतिक्रिया दी जिसमें भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा था कि भाजपा कांग्रेस द्वारा किए गए कामों का श्रेय ले रही है। सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने कहा फिर तो ऐसा लगता है जैसे सूरज और चांद भी भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने ही लेकर आएं हैं। राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा सिविल अस्पताल में जन औषधि केंद्र का उद्घाटन करने के लिए पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि दवाइयां की ब्रांडेड कंपनियां लोगों की जेबों पर डाका डाल रही है और महंगी महंगी दवाइयां लोगों पर ठोप रही है लेकिन अब ऐसा नहीं होगा क्योंकि सरकार ने प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्रों पर जन औषधि केंद्र खोलने का निर्णय लिया है जिसमें 80 से 90 फीसदी तक कम रेट पर दवाइयां लोगों को उपलब्ध करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि जेनेरिक दवाइयां का साल्ट एक ही होता है ऐसे में लोग महंगी महंगी दवाइयां लेकर अपने बजट को बिगड़ चुके हैं लेकिन अब महंगी दवाइयां भी सस्ते दामों पर लोगों को उपलब्ध होगी। वहीं उन्होंने कहा कि प्रदेश में डॉक्टरों की कमी पूरी करने के लिए हरियाणा सरकार दस हजार एमबीबीएस की सीटे बढ़ाने पर विचार कर रही है ताकि डॉक्टरों की कमी को पूरा किया जा सके। रामचंद्र जांगड़ा ने कहा कि भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर हुई है और अनेक मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर बीएसएफ जोधपुर में कार्यक्रम, महिला प्रहरियों के योगदान की सराहना

जैसलमेर (हिंस)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) फ्रंटियर मुख्यालय, जोधपुर में शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस वर्ष का थीम *कार्य को तेज करें* रखा गया, जो लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और महिलाओं के अधिकारों को सशक्त बनाने पर केंद्रित था। इस अवसर पर बावा संगठन, फ्रंटियर राजस्थान द्वारा एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बावा संगठन की प्रमुख प्रतिभा गर्ग, मधु हुड्डा, मीनी जौई, शांति राजा और अन्य सदस्याओं ने भाग लिया। बीएसएफ में कार्यरत महिला प्रहरियों ने भी इस आयोजन में सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम में महिला प्रहरियों के लिए कई उपयोगी और प्रेरणादायक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें स्वास्थ्य जांच, एक्यूप्रेशर थेरेपी, बोन मैरो टेस्टिंग और सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) प्रदर्शन शामिल थे। इन गतिविधियों के माध्यम से महिला प्रहरियों और बावा सदस्याओं को उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान महिला प्रहरियों ने अपने अनुभव साझा किए और बल में अपने प्रशिक्षण, कर्तव्यों और चुनौतियों के बारे में बताया। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे वे कठिन परिस्थितियों में भी अपनी जिम्मेदारियों को निभा रही हैं और संगठन में अपने योगदान को निरंतर सशक्त बना रही हैं। कार्यक्रम में बावा संगठन की अध्यक्ष प्रतिभा गर्ग ने महिलाओं के

सशक्तिकरण और समाज में उनकी भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं का समाज में योगदान महत्वपूर्ण है और उन्हें समान अवसर और सम्मान प्रदान करना सामूहिक जिम्मेदारी है। महिला दिवस इस बात की याद दिलाता है कि महिलाओं की उपलब्धियों और उनके अधिकारों की सराहना करना आवश्यक है ताकि वे आगे बढ़कर समाज और देश के विकास में बराबरी की भागीदारी निभा सकें। बीएसएफ के उप महानिरीक्षक राजपाल सिंह ने महिला प्रहरियों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि वे पुरुष प्रहरियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अंतर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा में जुटी हुई हैं, चाहे गर्मी की तपिश हो, धूल भरी आंधी हो या कड़ाके की ठंड। उन्होंने बताया कि राजस्थान सीमांत पर वर्तमान में 777 महिला प्रहरी तैनात हैं।

एडीजी ने ली अधिकारियों के साथ बैठक संपत्ति विवादों में त्वरित हो कार्रवाई

जोधपुर (हिंस)। प्रदेश की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (आवासन) आईपीएस बिनीता ठाकुर ने शुक्रवार को जोधपुर प्रवास के दूसरे दिन पुलिस लाइन सभागार में पुलिस अधिकारियों के साथ अपराध गोष्ठी की। उन्होंने संपत्ति संबंधी अपराधों को लेकर त्वरित कार्रवाई के दिशा निर्देश दिए साथ ही मादक पदार्थ तस्करी रोकने और नशे के खिलाफ अभियान पर जोर देते रहने को कहा। उन्होंने जोधपुर कमिश्नरेट पुलिस द्वारा साल भर में अर्जित उपलब्धियों की भी सराहना की। वे जोधपुर कमिश्नरेट पुलिस के वार्षिक निरीक्षण के दूसरे दिन आज यहां पर है। एडीजी विनिता ठाकुर ने सुबह पुलिस लाइन सभागार में पुलिस अधिकारियों के साथ अपराध गोष्ठी करते हुए अपराधों पर समीक्षा की। पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आदेशों और निर्देशों की पालना सुनिश्चित रखने संबंधी विचार विमर्श किया। पुलिस आयुक्तालय जोधपुर को जो सुविधाएं मुख्यालय द्वारा जारी की गई है, उसका पूरा उपयोग

करने की बात की। इसके अलावा कालिका टीम के कार्यों की समीक्षा भी की। एडीजी विनिता ठाकुर ने पुलिस अधिकारियों को पुलिस गश्त को बढ़ाने और क्राइम कंट्रोल को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अपराध गोष्ठी में पुलिस आयुक्त राजेंद्र सिंह, आईजी विकास कुमार के अलावा दोनों जिलों के डीसीपी, एसीपी आदि अधिकारी मौजूद रहे।

एसजीपीसी का बड़ा फैसला, अकाल तख्त जत्थेदार को हटाया गया

कुलदीप सिंह गडगज को दिया अतिरिक्त प्रभार

चंडीगढ़ (हिंस)। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की अंतरिम कमेटी की शुक्रवार को कई घंटे तक चली बैठक के बाद अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघुबीर सिंह को उनके पद से हटा दिया गया। ज्ञानी रघुबीर सिंह को अब हरमंदिर साहिब का मुख्य ग्रंथी बनाया गया है। अकाली दल व एसजीपीसी के बीच पिछले कई माह से चल रहा घमासान लगातार तेज होता जा रहा है। एसजीपीसी प्रधान हरजिंदर सिंह धामी ने 17 फरवरी को अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। शुक्रवार को हुई बैठक में प्रधान एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी के इस्तीफे पर अभी कोई फैसला नहीं हुआ। बैठक में अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार को लेकर बड़ा फैसला सामने आ गया। बीते 26 दिनों में यह तीसरा अवसर है जब तख्त के जत्थेदार को हटाया गया है। आज की बैठक में अकाल तख्त

साहिब के अलावा तख्त श्री केसगढ़ साहिब के जत्थेदार ज्ञानी सुल्तान सिंह को भी हटाया गया है। श्री केसगढ़ साहिब की जिम्मेदारी अब ज्ञानी कुलदीप सिंह गडगज के पास होगी। साथ ही वह श्री अकाल तख्त साहिब का एडिशनल चार्ज भी संभालेंगे। ज्ञानी बाबा टेक सिंह को श्री दमदमा साहिब की जिम्मेदारी दी गई है। कमेटी के सदस्य जसवंत सिंह पुड़ैण ने बताया कि 2 दिसंबर के फैसले के कारण ही दोनों तख्तों के जत्थेदारों को हटाया गया है। इसके पीछे 2 बड़े कारण रहे। पहला ज्ञानी रघबीर सिंह बिना बताए फैसले ले रहे थे। दूसरा, वे बिना बताए विदेश जा रहे थे। समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सरदार रघुजीत सिंह ने बताया कि अंतरिम समिति का मानना है कि वर्तमान समय में पंथ गंभीर चुनौतियों से गुजर रहा है। देश-विदेश में सिख पहचान संकट में है और सिख संस्थाओं को कमजोर करने के लिए विरोधी ताकतें सक्रिय हैं। ऐसे नाजुक समय में, जब पंथक शक्ति को मजबूत करने की आवश्यकता है, तो जत्थेदार साहिब ऐसे हालात पैदा कर रहे हैं, जिससे पंथक शक्ति बिखर रही हैं।

अमृतसर के दरबार साहिब की परिक्रमा में श्रद्धालु की मौत

चंडीगढ़ (हिंस)। अमृतसर स्थित दरबार साहिब की परिक्रमा के दौरान शुक्रवार को एक श्रद्धालु की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। श्रद्धालु दर्शन के लिए यहां पहुंचा था। घटना के समय मौके पर मौजूद सेवादार श्रद्धालु को लेकर अस्पताल भी गए लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान फरीदकोट निवासी श्रद्धालु धर्मजीत सिंह के रूप में हुई है। वह सुबह करीब 9 बजे परिक्रमा के दौरान दुख भंजनी बेरी के पास नहा रहा था। नहाकर जब वह सरोवर से बाहर आया और कपड़े पहनने लगा तो उसे सीने में तेज दर्द महसूस हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार धर्मजीत सिंह हरमंदिर साहिब के दर्शन करने आया था। परिक्रमा करते हुए वह दुख भंजनी बेरी पहुंचा और वहां झील में नहाने लगा। जैसे ही वह पानी से बाहर आया तो अचानक उसके सीने में तेज दर्द हुआ और वह बेहोश हो गया। परिसर में मौजूद सेवादारों और अन्य श्रद्धालुओं ने तुरंत उसे संभाला और प्राथमिक उपचार देने की कोशिश की लेकिन उसकी हालत गंभीर लग रही थी, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया गया।

वनरक्षक भर्ती पेपर लीक मामले में एसओजी को बड़ी सफलता, मास्टर माइंड हरीश सारण को इंदौर से डिटेन किया

बांसवाड़ा (हिंस)। प्रदेश के बहुचर्चित वनरक्षक भर्ती पेपर लीक मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप और बांसवाड़ा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। टीम ने इस मामले में मास्टर माइंड बाड़मेर निवासी हरीश सारण उर्फ हीराराम को मध्य प्रदेश के इंदौर से डिटेन किया है। हरीश सारण पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था। जानकारी के अनुसार, हरीश का नेटवर्क प्रदेश के कई जिलों में फैला हुआ है। एसओजी की टीम बांसवाड़ा पहुंच चुकी है और

हरीश को बांसवाड़ा लाकर शुक्रवार को न्यायालय में पेश किया जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेजने के आदेश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि वनरक्षक भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में अभी तक 11 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें 6 वनरक्षक, 5 एजेंट गिरफ्तार हो चुके हैं। इनमें 3 दंपती, दो शिक्षक और एक जेईएन भी शामिल हैं। पुलिस इस केस में 15 जनों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया हैं।

आजादी के आंदोलन में आर्य समाज का सर्वाधिक योगदान : स्वामी रामदेव

रोहतक (हिंस)। स्वामी इंद्रवेश विद्यापीठ टिटोली में शुक्रवार को तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय विद्वत सम्मेलन का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर पतंजलि योगपीठ के संस्थापक स्वामी रामदेव ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। दीप प्रज्जवलन कर समारोह का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि भारत की स्वतंत्रता संग्राम में आर्य समाज और ऋषि दयानंद के अनुयायियों का अतुलनीय योगदान रहा है। उन्होंने गुरु विरजानंद, स्वामी श्रद्धानंद, लाला लाजपत राय, चाचा अजीत सिंह, शहीद भगत सिंह और रामप्रसाद बिस्मिल जैसे क्रांतिकारियों को स्मरण करते हुए कहा कि इन महापुरुषों की प्रेरणा से हजारों लोगों ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश को आजादी दिलाई। आज हम उन्हीं के बलिदानों के कारण स्वतंत्रता की हवा में सांस ले रहे हैं। इस अवसर पर स्वामी आर्यवेश ने कहा कि यह महासम्मेलन आर्य समाज की दशा और दिशा में सकारात्मक परिवर्तन लाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। इस सम्मेलन के माध्यम से आर्य समाज के प्रत्येक वर्ग को लाभ पहुंचाने एवं समाज को एक नई दिशा देने का प्रयास किया जाएगा।

पुत्र की शाही शादी के बाद लौटा केंद्रीय मंत्री चौहान का परिवार

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान पुत्र कार्तिकेय की शादी के बाद आज सपरिवार वापस लौट गए। इसके साथ ही यहां आए अधिकांश मेहमान, मंत्री व अन्य लोग भी लौट गए। कार्तिकेय की गुरुवार रात को उद्यमी अनुपम बंसल की पुत्री अमानत के साथ उम्मेद भवन पैलेस में शाही शादी हुई थी। इसमें सात फेरों के दौरान शिवराज सिंह चौहान ने बेटे-बहू को आठवें वचन के रूप में प्रकृति की सेवा का वचन दिलाया था। इस शादी में कई वीवीआईपी मेहमानों ने शिरकत की और वर-वधू को आशीर्वाद दिया। शिवराज के दोनों बेटों का रिसेप्शन 18 मार्च को दिल्ली के एयरफोर्स ग्राउंड पर होगा। गौरतलब है कि उनके छोटे बेटे कुणाल की शादी भी 14 फरवरी को भोपाल में हुई थी। जोधपुर से रवाना होने से पहले शिवराज ने कहा कि हम बहू नहीं बेटी ले जा रहे हैं। बेटियां नहीं बचाओगे तो बहू कहां से लाओगे। मैं शुरू से बेटियों के लिए काम करता रहा हूं। वहीं देर रात ट्वीट कर शिवराज ने कहा कि बंसल और चौहान परिवार नर्मदा की धारा की भांति एक नई यात्रा पर चल पड़े हैं। जिस प्रकार नर्मदा मैया अपनी पावन धाराओं से धरती को उपजाऊ बनाती हैं, जीवन को संजीवनी देती हैं, उसी प्रकार मैं प्रार्थना करता हूं कि वे कार्तिकेय और अमानत के दांपत्य जीवन को पुण्य, प्रेम और समृद्धि से सींचें। उनकी पत्नी साधना सिंह ने कहा कि एक लड़की अपनी मां का घर छोड़कर आती है। दूसरी मां को अपनी मां की तरह मानती हैं। मेरे लिए मेरी दोनों बहू बेटी की तरह हैं।

जनसमस्याओं का समाधान सरकार की शीर्ष प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

सीएम योगी ने जनता दर्शन में सुनीं 200 से अधिक लोगों की समस्याएं

गोरखपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर में *जनता दर्शन* किया। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर में आए बुजुर्ग, महिलाएं, दिव्यांग समेत करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। सभी को आश्वस्त किया कि जनसमस्याओं का समाधान सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद अधिकारियों से कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है, इसलिए हर जरूरतमंद की मदद के लिए सदा खड़े रहें। मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि चिंता न कीजिए। जनता से जुड़ी हर समस्याओं का समाधान होगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संबंधित मामलों के निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री शुक्रवार सुबह जनता दर्शन में गोरखनाथ मंदिर परिसर में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। इस दौरान

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर पीड़ा का निवारण सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। जनसमस्याओं के समाधान में शिथिलता नहीं होनी चाहिए।

राजस्थान हाईकोर्ट को मिल सकते हैं सात नए जज

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान हाईकोर्ट को जल्द सात नए जज मिल सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने राजस्थान हाईकोर्ट के लिए वकील कोटे से सात नाम की सिफारिश केंद्र सरकार को भेजी है। अब केंद्र सरकार से अप्रूवल के बाद यह नाम राष्ट्रपति को भेजे जाएंगे। राष्ट्रपति के यहां से नियुक्ति वारंट जारी होने के बाद राजस्थान हाईकोर्ट को यह सात नए जज मिल जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने जोधपुर हाईकोर्ट में प्रेक्टिस करने वाले चार अधिवक्ता और जयपुर हाईकोर्ट में प्रेक्टिस करने वाले तीन अधिवक्ताओं के नाम की सिफारिश की है। जोधपुर से अधिवक्ता सुनील बेनीवाल, अधिवक्ता मुकेश राजपुरोहित, अधिवक्ता संदीप शाह और अधिवक्ता बलजिंदर सिंह संधू के नाम की सिफारिश की गई है। इसी तरह से जयपुर से अधिवक्ता आनंद शर्मा, अधिवक्ता संदीप तनेजा और अधिवक्ता शीतल मिर्धा के नाम की सिफारिश की गई है। हाईकोर्ट में पिछले करीब डेढ़ माह चार नए जज मिल चुके हैं। करीब तीन सप्ताह पहले वकील कोटे से एडवोकेट मनीष शर्मा को हाईकोर्ट जज नियुक्त किया गया था। वहीं मनीष शर्मा की नियुक्ति से भी करीब तीन सप्ताह पहले न्यायिक कोटे से तीन न्यायाधीश जस्टिस चंद्रशेखर शर्मा, जस्टिस प्रमिल कुमार माथुर और जस्टिस चंद्रप्रकाश श्रीमाली को नियुक्त किया गया था।

बदलते मानव वन्यजीव संघर्ष की प्रभावशाली रिपोर्टिंग पर कार्यशाला

बेतिया (हिंस)। वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया ने बेतिया के होटल द क्रिस्टल पैलेस में जिले के मीडियाकर्मियों के लिए *संरक्षण में मानव-वन्यजीव अंत:क्रियाओं की गतिशीलता पर प्रभावशाली रिपोर्टिंग* पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला *बड़े मांसाहारियों के साथ रहना - सामुदायिक सशक्तिकरण के माध्यम से एकीकृत सह-अस्तित्व* परियोजना का हिस्सा है, जिसे डब्लूटीआई वाल्मीकि टाइगर रिजर्व लागू कर रहा है। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर डॉ. नेशामणि के ने प्रतिभागियों को प्रेरक और व्यावहारिक शब्दों में संबोधित किया। उन्होंने वन्यजीव संरक्षण और सार्वजनिक धारणा को प्रभावित करने में मीडिया की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने जुलाई 2024 में एक बाघ की सुरक्षित वापसी में मीडिया की भूमिका का एक उदाहरण प्रस्तुत किया और मीडियाकर्मियों के साथ समय पर जानकारी साझा करने का आश्वासन दिया। यूनाइटेड किंगडम सरकार का डार्विन इनिशिएटिव ग्रांट इस परियोजना का समर्थन करता है और इसे चेस्टर जू, यूके के सहयोग से क्रियान्वित किया गया है। इस परियोजना का उद्देश्य वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में मानव-बड़े मांसाहारी संघर्ष को कम करना और समुदायों और वन्यजीवों के बीच सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व को बढ़ावा देना है। असर में संचार और मीडिया विशेषज्ञ और मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व पर आईयूसीएन एसएससी समूह के सदस्य विराट सिंह ने मानव-वन्यजीव अंत:क्रियाओं पर प्रभावशाली रिपोर्टिंग पर तकनीकी सत्र लिया। तकनीकी सत्र का एक मुख्य बिंदु विज्ञान-आधारित पत्रकारिता और कहानी पर गहन शोध था। कार्यशाला में चेस्टर जू, यूके की परियोजना प्रबंधक डॉ. दिशा शर्मा भी मौजूद थीं, जो भारत और नेपाल में वाल्मीकि-चितवन-परसा परिदृश्य में सीमा पार परियोजना की निगरानी कर रही हैं। वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया के मुख्य पारिस्थितिकीविद और संयुक्त निदेशक डॉ. समीर कुमार सिन्हा ने 4 वर्षों से अधिक समय से संकलित मीडिया रिपोर्टों के निष्कर्षों और दिसंबर 2023 में सर्वेक्षण किए गए मीडिया पेशेवरों की धारणा के निष्कर्षों को प्रस्तुत किया। सर्वेक्षण से पता चला कि अधिकांश मीडियाकर्मी वन्यजीव आवास प्रबंधन और संरक्षण पर रिपोर्टिंग करने में रुचि रखते हैं। जबकि संचालन सुब्रत कुमार बेहरा प्रबंधक और परियोजना प्रमुख, वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया ने किया।

राज्य में पहले महिलाओं की शिक्षा की क्या स्थिति थी किसी से छुपी नहीं : मुख्यमंत्री

पटना (हिंस)। बिहार विधानपरिषद में आज बजट सत्र के छठे दिन राजद की महिला विधान पार्षद सदस्य सदन में महिला हिंसा, महिला शिक्षा पर सवाल उठा रही थी। इस दौरान सदन में मौजूद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पूर्व सीएम राबड़ी देवी समेत अन्य महिला विधान पार्षदों पर भड़क गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2005 से पहले महिलाओं की शिक्षा की क्या स्थिति यह किसी से छुपी नहीं है। मुख्यमंत्री अपनी सीट पर खड़े गए और राबड़ी देवी की तरफ इशारा करते हुए कहा कि राजद ने महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया। राजद सरकार में शिक्षा के लिए क्या किया गया। महिलाओं के लिए पहले की सरकार ने क्या किया, पहले महिलाएं कहां पढ़ती थी, प्राथमिक शिक्षा में कुछ पढ़ती थी उसके बाद महिला नहीं पढ़ती थी। राबड़ी देवी की ओर इशारा करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश ने कहा कि इनको मैंने ही, सीएम बनाया। इन्होंने महिलाओं के लिया क्या किया? महिलाओं के लिए सभी काम हमारी सरकार ने किया। इस दौरान राजद और जदयू एमएलसी के बीच नोंकझोंक हुई।

कब्र की जमीन पर पंचायत भवन निर्माण का विरोध, आदिवासियों ने किया हंगामा

भागलपुर (हिंस)। जिले में सन्हौला प्रखंड के 18 पंचायतो में से से तीन पंचायतो में पंचायत सरकार भवन निर्माण कार्य विभागीय पेंच में फंस गया है। जिले के अमडंडा मौजा में निर्माण हेतु अंचल से एनओसी मिला और निर्माण कार्य प्रारम्भ हुआ। फिर मसूदनपुर मौजा में एन ओ सी मिला, जबकि यह जमीन पूर्व से ही विवादित था। भागलपुर संसद द्वारा नारियल फोड़कर भवन का निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया। लेकिन अभी भी निर्माण कार्य विवाद में फंसा हुआ है। मदारगंज पंचायत के काझा गांव में बनने वाले तीन करोड़ की लागत से पंचायत सरकार भवन के निर्माण को लेकर विवाद गहरा गया है। काझा गांव के आदिवासी समुदाय के लोगों ने शुक्रवार को इस निर्माण कार्य का कड़ा विरोध करते हुए इसे तुरंत रोकने की मांग की। काझा गांव के खासकर आदिवासी समाज के

लोगों का कहना है कि यह जमीन वर्षों से आदिवासी समुदाय के शव दफनाने के लिए उपयोग होती रही है। गांव के बिनोद मड़ैया, संजू मड़ैया सहित दर्जनों ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पंचायत के जनप्रतिनिधियों ने इस जमीन को पंचायत भवन के लिए चयनित कर सरकार को भेज दिया। जबकि यह भूमि आदिवासी समाज की पारंपरिक कब्रगाह है। पंचायत सरकार भवन का निर्माण कार्य को रोकने के बाद संवेदक ने अमडंडा थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर अमडंडा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। लेकिन आदिवासी समुदाय के लोग अपनी मांग पर अड़े रहे। सभी ने कहा कि इस जमीन पर पंचायत सरकार भवन नहीं बनने दें गे? सन्हौला अंचलाधिकारी द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाणपत्र पर भी सवाल उठाया और भागलपुर जिला प्रशासन से अपील की कि इस जमीन को छोड़कर किसी अन्य स्थान पर पंचायत सरकार भवन का निर्माण कराया जाए। ताकि हमलोगों का कब्र बच जाए।

सेबी अध्यक्ष ने बोर्ड के भीतर हितों के टकराव के संबंध में पारदर्शिता पर दिया जोर

मुंबई/नई दिल्ली

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के नए अध्यक्ष तुहिन कांत पांडेय ने शुक्रवार को एक ऐसी व्यवस्था लेकर आने का वादा किया, जिसमें सेबी बोर्ड के सदस्यों के लिए हितों के टकराव के बारे में जनता को बताना जरूरी होगा।

पांडेय ने सेबी बोर्ड के भीतर हितों के टकराव के संबंध में पारदर्शिता की आवश्यकता पर बल दिया है।

तुहिन कांत पांडेय ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि पारदर्शिता सेबी के लिए भी महत्वपूर्ण है। इसलिए पूंजी बाजार नियामक अब अपने कर्मचारियों के हितों के टकराव का खुलासा करेगा।

सेबी के प्रमुख का पद संभालने के बाद अपने पहले सार्वजनिक संबोधन में में सेबी के अध्यक्ष ने कहा कि पारदर्शिता के दृष्टिकोण से ऐसा करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वृद्धि की रफ्तार कायम रखने के लिए घरेलू और विदेशी, दोनों प्रकार की पूंजी की जरूरत है।

सेबी प्रमुख ने कहा कि इस तरह के कदमों से सेबी को समूचे परिवेश का भरोसा हासिल करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, हम अपनी खुद की योजना के साथ आगे आएंगे ताकि अधिक पारदर्शिता के साथ हितों के टकराव आदि को जनता के सामने उजागर किया जा सके।

पांडेय ने कहा, मुझे लगता है कि भरोसा और पारदर्शिता का मसला सेबी तक भी जाता है। हमें न केवल सभी हितधारकों का भरोसा अपने ऊपर बनाना है, बल्कि उस भरोसे को बनाए भी रखना है।

विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की भारतीय शेयर बाजार से बढ़ती निकासी को लेकर चिंता के बीच सेबी प्रमुख ने कहा कि नियामक उनके परिचालन को नियंत्रित करने वाले नियमों को और अधिक तर्कसंगत बना रहा है।

न्यूज ब्रीफ

शेयर बाजार में 2 दिन से जारी तेजी थमी, उतार चढ़ाव के बीच सपाट स्तर पर बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले 2 दिन से जारी तेजी शुक्रवार को थमती हुई नजर आई। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन लगातार उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद शेयर बाजार सपाट स्तर पर मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ बंद हुआ। निफ्टी ने 0.03 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ के कारोबार का अंत किया। दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, रियल्टी और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह बैंकिंग, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। दूसरी ओर ऑयल एंड गैस, मेटल, कैपिटल गुड्स और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.75 प्रतिशत की मजबूती के साथ के कारोबार का अंत किया।

इंडियाएआई कंप्यूट पोर्टल पर 67 रुपये प्रति घंटे की दर पर उपलब्ध होगा जीपीयूः वैष्णव

नई दिल्ली। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की कि देश में एआई के लिए अनुकूल हालात बनाने के लिए इंडियाएआई मिशन की पहली वर्षगांठ पर एक ऐतिहासिक पहल की गई है। इस मिशन के अंतर्गत, इंडियाएआई कंप्यूट पोर्टल छात्रों, स्टार्टअप, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और सरकारी विभागों को 67 रुपये प्रति घंटे की दर से जीपीयू, क्लाउड स्टोरेज और अन्य एआई सेवाओं तक पहुंच प्रदान करेगा। वैष्णव ने इस उपाय को इंडिया के अपने आधारभूत मॉडल को विकसित करने के लिए किया जा रहा नवाचार बताया है। उन्होंने बताया कि इंडियाएआई कंप्यूट पोर्टल का उपयोग भारत के इस आधारभूत मॉडल के लिए किया जा रहा है जो अच्छी तरह से आगे बढ़ रहे है। केंद्रीय मंत्री ने इस उपाय की कोई संलग्न कोष नहीं होने का भी उल्लेख किया और यह बताया कि यह लाभप्रद नीति सरकार के मिशन का एक बड़ा घटक है। इस ऐतिहासिक पहल के साथ ही, सूचना प्रौद्योगिकी सचिव एस कृष्णन ने इस मौके पर भारत में एआई को लागू करने और उपयाग करने के तरीकों में सुधार करने का भी संकल्प जताया। इसके अलावा, मंत्रलय ने एआई और सार्वजनिक क्षेत्र के अधिकारियों के लिए एक योग्यता ढांचा और इंडिया एआई स्टार्टअप्स ग्लोबल एक्सेलेरेशन कार्यक्रम भी शुरू किया। इस प्रकार, इंडियाएआई कंप्यूट पोर्टल की यह पहल स्टार्टअप्स, एप्लिकेशन डेवलपर, शोधकर्ताओं और छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन सिद्ध करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है।

जियोस्टार 1,100 कर्मचारियों की छंटनी करेगी

मुंबई। जियोस्टार 1,100 कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की तैयारी कर रही है। इसकी प्रमुख कंपनी वायाकॉम18 का वॉल्ट डिज्नी के साथ नवंबर, 2024 में विलय हो गया था। इससे कुछ विभागों में कर्मचारियों की संख्या ज्यादा हो गई थी। हालांकि, निकाले जाने वालों को छह महीने से एक साल तक का वेतन दिया जाएगा। विलय के बाद पुनर्गठन के तहत कंपनी में छंटनी की शुरुआत फरवरी से शुरू हुई है, जो जून तक चलेगी। कंपनी वितरण, फाइनेंस, कॉमर्शियल और कानूनी विभाग में गैर जरूरी लोगों को निकालेगी। अगर कोई कर्मचारी एक साल पहले कंपनी में आया है तो उसे एक महीने का पूरा वेतन मिलेगा। इसी हिसाब से बाकी कर्मचारियों को भी मिलेगा। एक से तीन महीने का नोटिस होगा। विलय के बाद ये जियो देश का सबसे बड़ा एंटरटेनमेंट नेटवर्क बन गया है। यह सौदा 70,352 करोड़ रुपये में हुआ था। डिज्नी-रिलायंस एंटरटेनमेंट के पास अब 75 करोड़ दर्शक हो गए हैं।

आरईआईटी ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष दाखिल किया डीआरएचपी

6200 करोड़ रुपये के आईपीओ लाने के लिए सेबी के समक्ष डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई/नई दिल्ली

सत्व ग्रुप और ब्लैकस्टोन के संयुक्त उद्यम नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट (आरईआईटी) ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए धन जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरपीएच) दाखिल किया है। कंपनी की योजना इश्यू के जरिए 6,200 करोड़ रुपये जुटाने की है, जो भारत का सबसे बड़ा आरईआईटी आईपीओ होगा। पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट के प्रायोजक ब्लैकस्टोन और सत्व डेवलपर्स ने संयुक्त रूप से आईपीओ लाने के लिए मसौदा पत्र दाखिल किया है। सत्व समूह और ब्लैकस्टोन के बीच एक संयुक्त उद्यम आरईआईटी ने अपने डीआरएचपी में कहा कि इसका लक्ष्य आरंभिक सार्वजनिक निर्गम से 6,200 करोड़ रुपये तक जुटाना है, जो देश की सबसे बड़ी रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट लिस्टिंग हो सकती है।

सेबी के पास जमा दस्तावेज के मुताबिक नेट ऑपरेटिंग इनकम (एनओआई) और ग्रॉस एसेट वैल्यू (जीएवी) के मामले में यह आरईआईटी भारत का सबसे बड़ा होगा। आरईआईटी में ब्लैकस्टोन की 55 फीसदी हिस्सेदारी होगी, जबकि शेष हिस्सेदारी सत्व की होगी। ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस में लिस्टिंग के समय का खुलासा नहीं किया गया है। शेयर बाजार में लिस्टिंग के बाद नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट भारत का पांचवां सूचीबद्ध आरईआईटी होगा। ड्राफ्ट पेपर्स में साझा किए गए विवरण के मुताबिक इसका कुल लीज योग्य क्षेत्रफल 48 मिलियन वर्ग फीट होगा, जो एशिया में दूसरा सबसे बड़ा होगा। आरईआईटी की 95 फीसदी संपत्तियां शीर्ष तीन भारतीय कार्यालय बाजारों मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद में केंद्रित हैं। आरईआईटी के पोर्टफोलियो का 90 फीसदी हिस्सा पट्टे पर है, जिसमें 76 फीसदी किराएदार बहुराष्ट्रीय कंपनियां हैं। आरईआईटी में शामिल कुछ संपत्तियां मुंबई में वन बीकेसी, वन इंटरनेशनल सेंटर और वन वर्ल्ड सेंटर हैं।

कंपनी के मुताबिक यह भारत का सबसे बड़ा रियल्टी इक्विटी ट्रस्ट (आरईआईटी) होगा, जिसका नाम नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट रखा गया है। इश्यू की बिक्री से प्राप्त आय का उपयोग मुख्य रूप से ऋण चुकाने के लिए किया जाएगा। 6,200 करोड़ रुपये के कुल निर्गम आकार में से 5,800 करोड़ रुपये का उपयोग बकाया ऋण के आंशिक या पूर्ण पुनर्भुगतान या कुछ परिसंपत्ति विशेष प्रयोजन वाहनों और निवेश संस्थाओं के ऋण के पूर्व भुगतान के लिए किया जाएगा।

लेंसकार्ट ने दुनिया की सबसे बड़ी आईवियर फैक्ट्री का शिलान्यास किया, तेलंगाना सरकार ने 1,500 करोड़ रुपये का निवेश किया

हैदराबाद। विश्वस्तरीय आईवियर उत्पादक कंपनी लेंसकार्ट ने हैदराबाद के बाहरी इलाके तुक्कुगुडा में दुनिया की सबसे बड़ी आईवियर फैक्ट्री का शिलान्यास किया। इस महा योजना के लिए तेलंगाना सरकार ने 1,500 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस फैक्ट्री में फ्रेम, लेंस और आईवियर बनाने की प्रक्रिया एक साथ होगी। यह यूनीकार्न स्टार्टअप लेंसकार्ट की दूसरी फैक्ट्री है और यह चाहती है कि उसकी उत्पादन क्षमता में वृद्धि हो। इस प्रोजेक्ट से 2,100 से अधिक नौकरियां बढ़ेंगी और इसके अंत में हर दिन 2 लाख से अधिक चश्मे बनेंगे। यह तेलंगाना सरकार के और गुरुग्राम स्थित लेंसकार्ट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के बीच किया गया रणनीतिक सहयोग है। इस निवेश से तेलंगाना को वैश्विक उद्योगों के लिए एक आकर्षक स्थान मिलेगा और राज्य के उद्यामिता और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। कंपनी का कहना है कि हैदराबाद की फैक्ट्री अत्याधुनिक तकनीक से लैस होगी। इसमें ऑटोमेशन का उच्च स्तर होगा। कंपनी के मुताबिक इससे उत्पादों की गुणवत्ता बेहतर होगी। साथ ही, यह उनकी आपूर्ति श्रृंखला को भी मजबूत करेगा। इससे दुनिया भर में उच्च गुणवत्ता वाले आईवियर की आपूर्ति आसान होगी। चश्मे की यह बड़ी फैक्ट्री तेलंगाना सरकार और गुरुग्राम स्थित लेंसकार्ट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के बीच एक रणनीतिक सहयोग का परिणाम है। तेलंगाना सरकार ने इस प्रोजेक्ट को कर्नाटक से अपनी ओर खींच लिया था। सरकार का कहना है कि यह निवेश तेलंगाना को वैश्विक उद्योगों के लिए एक पसंदीदा जगह बनाता है। यह राज्य में उन्नत विनिर्माण और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देगा।

डीपीआईआईटी और मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने विनिर्माण, सड़क सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए किया समझौता

नई दिल्ली

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) और मर्सिडीज-बेंज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम में नवाचार, स्थिरता और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि इस एमओयू पर डीपीआईआईटी के निदेशक डॉ. सुमीत कुमार जारंगल और मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक संतोष अय्यर ने दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। इसका उद्देश्य तकनीकी उत्कृष्टता प्राप्त करने और सामाजिक विकास को बढ़ावा देने में स्टार्टअप, इनोवेटर्स और उद्यमियों का समर्थन करना है। मंत्रालय ने कहा कि इस एमओयू के तहत मर्सिडीज-बेंज इंडिया स्टार्टअप्स को बुनियादी ढांचा, मार्गदर्शन, फंडिंग तक पहुंच और बाजार संपर्क प्रदान करके समर्थन देने के लिए डीपीआईआईटी के साथ मिलकर काम करेगी। यह साझेदारी भारत सरकार की स्टार्टअप इंडिया पहल के अनुरूप है, जो उभरते इनोवेटर्स और उद्यमियों की व्यापक पहुंच और अधिक भागीदारी सुनिश्चित करती है।

वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक यह सहयोग संरचित कार्यक्रम बनाने पर केंद्रित होगा, जो स्टार्टअप को बुनियादी ढांचा, मार्गदर्शन, वित्तपोषण के अवसर और बाजार संपर्क प्रदान करेगा। यह पहल अंतरराष्ट्रीय सहयोग को भी सुगम बनाएगी और दीर्घकालिक प्रभाव को बढ़ावा देने के लिए ज्ञान के आदान-प्रदान को सुनिश्चित करेगी।इस अवसर पर डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव संजीव ने कहा कि मर्सिडीज-बेंज इंडिया के साथ साझेदारी भारत की विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में एक रणनीतिक कदम है, साथ ही जिम्मेदार और टिकाऊ नवाचारों को बढ़ावा देना है।

मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक संतोष अय्यर ने इस सहयोग के लिए उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि यह सड़क सुरक्षा, पर्यावरणीय स्थिरता और उन्नत विनिर्माण के कंपनी के फोकस क्षेत्रों के साथ संरेखित है। उन्होंने अपने संबोधन में इस बात पर प्रकाश डाला कि कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी फंडिंग के माध्यम से मर्सिडीज-बेंज इंडिया सार्थक सामाजिक प्रभाव को आगे बढ़ाने के लिए इनक्यूबेटर और संस्थानों के साथ मिलकर काम करेगी।

एसआईपी खातों के समय से पहले बंद होने की दर 48 फीसदी

घरेलू म्युचुअल फंड उद्योग में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के पंजीकरण में तेजी से वृद्धि के बावजूद एसआईपी खातों को समय से पहले बंद करने की दर भी बढ़ रही है। साल 2023 में 3.48 करोड़ नए एसआईपी पंजीकरण हुए लेकिन 2024 के अंत तक इनमें से केवल 1.82 करोड़ एसआईपी खाते सक्रिय रहे, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि पंजीकरण के दो साल के भीतर लगभग 48 फीसदी एसआईपी खाते बंद हो गए। इसके मुकाबले, 2022 में पंजीकरण हुए 2.57 करोड़ एसआईपी खातों में से 42 फीसदी 2023 के आ?खिर तक बंद हो गए थे। ये आंकड़े एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया की मासिक रिपोर्ट से प्राप्त हुए हैं। एसआईपी के बारे में उद्योग और निवेश विशेषज्ञों का कहना है कि लंबी अवधि के लिए निवेश करने के लाभ को देखते हुए, 3 साल से अधिक के निवेश को बरकरार रखना आदर्श माना जाता है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी की बढ़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। दूसरी ओर, चांदी 1,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगा हो गया है। सोना 470 रुपये से लेकर 510 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। भाव में आई इस कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 87,480 रुपये से लेकर 87,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 80,190 रुपये से लेकर 80,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 99,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,480 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,530 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 87,480 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 80,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,480 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से भारतीय बाजार के लिए कमजोर संकेत मिल रहे हैं। अमेरिका में पिछले सत्र के दौरान लगातार गिरावट का रुख बना रहा। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर टैरिफ नीति में बदलाव किया है। उन्होंने मैक्सिको और कनाडा के साथ हुए पुराने समझौते के तहत आयात होने वाले सामान पर 2 अप्रैल तक टैरिफ नहीं वसूलने का फैसला किया है। डोनाल्ड ट्रंप की लगातार बदलती टैरिफ नीति के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उलझन की स्थिति बनी रही। इस वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बड़ी गिरावट के शिकार हो गए।

डाउ जॉन्स 427.51 अंक यानी 0.99 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 42,579.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 104.11 अंक यानी 1.78 प्रतिशत टूट कर 5,738.52 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 483.84 अंक यानी 2.61 प्रतिशत फिसल कर 18,068.89 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.12 प्रतिशत की तेजी के साथ 42,630.86 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.84 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,682.84 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.29 प्रतिशत उछल कर 8,197.67 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 338.45 अंक यानी 1.45 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,419.48 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। निक्केई इंडेक्स 779.30 अंक यानी 2.07 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 36,925.63 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 130.40 अंक यानी 0.57 प्रतिशत फिसल कर 22,585.03 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.22 प्रतिशत टूट कर 2,570.44 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.10 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,604.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,919.02 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 135.09 अंक यानी 0.55 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,504.80 के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.24 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,192.40 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.55 प्रतिशत उछल कर 6,654.53 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 3,381.33 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

पहले ही मैच में गोल दागकर चमकी साक्षी राणा, बोलीं- लक्ष्य था डेब्यू मैच में स्कोर करना

नई दिल्ली

महज 17 साल की उम्र में भारतीय हॉकी टीम में जगह बनाने वाली साक्षी राणा ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 में शानदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में खेले गए इस टूर्नामेंट में साक्षी ने अपने सीनियर इंटरनेशनल करियर का आगाज किया और पहले ही मैच में स्पेन के खिलाफ बेहतरीन फील्ड गोल दागकर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई।

पहले ही मैच में मिले मौके को साक्षी ने पूरी तरह भुनाया, हालांकि भारतीय टीम को इस मुकाबले में 3-4 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद उन्होंने स्पेन और जर्मनी के खिलाफ भी भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया।

डेब्यू का बेसब्री से इंतजार था

अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय सीनियर प्रतियोगिता के अनुभव को साझा करते हुए साक्षी ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, 'मैं लंबे समय से अपने डेब्यू का इंतजार कर रही थी, इसलिए यह दिन मेरे लिए बेहद खास था। मुझे ज्यादा घबराहट नहीं हुई क्योंकि सीनियर खिलाड़ियों ने मुझे पूरा समर्थन दिया और कहा कि पहले मैच में कोई गलती नहीं होती, बस खुलकर खेलना है।'

साक्षी का यह गोल उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा का शानदार उदाहरण था। उन्होंने विपक्षी टीम पर आक्रामक प्रेसिंग की, सही समय पर टैकल कर गेंद छीनी और फिर बैकहैंड शॉट मारते हुए गेंद को गोल में पहुंचा दिया। इस खास लम्हे को याद करते हुए साक्षी ने कहा, 'मेरा लक्ष्य था कि डेब्यू मैच में ही स्कोर करूं, इसलिए मैं पूरी तरह से तैयार थी। जब मैंने गेंद छीनी और देखा कि मेरे आसपास कोई नहीं है, तो मैंने तुरंत शॉट मारा। जैसे ही गोल हुआ, स्टेडियम में शोर गूंज उठा और मुझे अहसास हुआ कि मैंने गोल कर दिया है। यह मेरे लिए अविस्मरणीय क्षण था।'

कोच हरेंद्र सिंह ने दिखाया भरोसा

टीम चयन के दौरान साक्षी को शुरुआत में स्टैंडबाय सूची में रखा गया था, लेकिन मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने उनके हुनर और मेहनत को पहचानते हुए उन्हें अंतिम टीम में शामिल कर लिया। इस पर साक्षी ने कहा, 'जब उन्होंने (हरेंद्र सिंह) मुझे बताया कि मैं खेलने जा रही हूं, तो उन्होंने कहा कि वे मुझे नहीं, बल्कि मेरे खेल को चुन रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मुझे गोल करने का मौका मिलेगा और सीनियर खिलाड़ी मेरी मदद करेंगे। जब मैंने गोल किया, तो कोच ने मुझे गले लगाया, जो मेरे लिए बेहद खास पल था।'

अब लक्ष्य जूनियर वर्ल्ड कप जीतना

अपने प्रदर्शन से आत्मविश्वास हासिल करने के बावजूद साक्षी को लगता है कि उन्हें अपनी गति पर और मेहनत करनी होगी। उन्होंने कहा, 'मैंने हाल ही में हॉकी इंडिया लीग और प्रो लीग में विदेशी खिलाड़ियों के खिलाफ खेला है और महसूस किया कि अब खेल पूरी तरह गति पर निर्भर करता है। खासकर, एक फॉरवर्ड खिलाड़ी होने के नाते मुझे और तेज होना होगा, इसलिए अब मैं अपनी स्पीड पर काम करूंगी।'

साक्षी भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम का अहम हिस्सा थीं, जिसने पिछले साल जूनियर एशिया कप में स्वर्ण पदक जीता था। अब उनकी नजरें इस साल चिली में होने वाले जूनियर वर्ल्ड कप पर टिकी हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा पूरा फोकस जूनियर वर्ल्ड कप पर है और मैं इसके लिए कड़ी मेहनत कर रही हूं। निरंतर अभ्यास और समर्पण के साथ, मेरा लक्ष्य भारत के लिए एक और पदक जीतने में योगदान देना है।'

न्यूज़ ब्रीफ

चैंपियंस ट्रॉफी : विज्ञापन बाजार में मची हलचल, दरें रिकार्ड स्तर पर

नई दिल्ली। आगामी 9 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बड़े मुकाबले के नतीजे का तो इंतजार है, लेकिन इससे पहले ही विज्ञापन बाजार में हलचल मच चुकी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फाइनल मैच के लिए 10 सेकंड के विज्ञापन स्लॉट की कीमतें 40 लाख रुपये से ज्यादा हो गई हैं।

इस हाई-वोल्टेज मैच से पहले टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर विज्ञापन दरें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं, जिससे ब्रॉडकास्टरों और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को भारी मुनाफा होने की संभावना है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर विज्ञापन की दरें 725 रुपये प्रति हजार इंप्रेशन (सीपीएम) तक पहुंच गई हैं। वहीं, भारत के अन्य मैचों के दौरान यह दरें 500 रुपये प्रति 10 सेकंड तक थीं, लेकिन फाइनल के चलते यह तेजी से बढ़ी हैं। रन ऑफ साइट (आओएस) विज्ञापनों की दरें भी 575 रुपये तक पहुंच चुकी हैं। विज्ञापन इंडस्ट्री के विशेषज्ञों के अनुसार, आठ साल बाद लौट रही चैंपियंस ट्रॉफी को दर्शक एक मिनी वर्ल्ड कप की तरह देख रहे हैं, जिससे दर्शकों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है। एनवी कैपिटल के मैनेजिंग पार्टनर विवेक मेनन का कहना है कि भारत के फाइनल में पहुंचने से विज्ञापन बाजार में जबरदस्त उछाल आया है। टूर्नामेंट के पहले कुछ मैचों में ही विज्ञापन दरों में तेजी देखी गई थी, लेकिन जैसे-जैसे भारत आगे बढ़ता गया, वैसे-वैसे ब्रांड्स ने अपनी निवेश राशि को बढ़ा दिया। भारत-पाकिस्तान मैच के दौरान तो विज्ञापन स्लॉट की कीमतें 50 लाख रुपये प्रति 10 सेकंड तक पहुंच गई थीं, जो अब फाइनल के लिए लगभग उसी स्तर पर हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी में पाकको लगे झटके पे झटके, करोड़ों का हुआ नुकसान

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हुए पाकिस्तान को एक और झटका लगा है। करीब 30 साल बाद पाकिस्तान को चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी मिली थी और वह लीग चरण में ही टूर्नामेंट से बाहर हो गया। दूसरी और विज्ञापनों से होने वाली मोटी कमाई से भी पाकिस्तान महरूम रह गया। 3 दशक बाद किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी मिलने से पाकिस्तान को मोटी कमाई की उम्मीद थी, लेकिन उसे भारत से दुश्मनी का खामियाजा भुगतना पड़ा। पहले तो भारत के पाकिस्तान में खेलने नहीं जाने की वजह से विज्ञापनों की कमाई पर असर पड़ा और फिर उसके टूर्नामेंट से बाहर होने की वजह से स्टेडियम खाली रहे। इस पर भी पाकिस्तान को उम्मीद थी कि ऑस्ट्रेलिया भारत को सेमीफाइनल में हरा देगा तो फाइनल मैच पाकिस्तान में खेला जाएगा। इससे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को मोटा पैसा मिलेगा, लेकिन भारत ने इस उम्मीद पर भी पानी फेर दिया और पीसीबी को करोड़ों का नुकसान हुआ। भारतीय टीम ने अपने सभी चारों मैच दुबई में खेले जिससे पीसीबी को 156 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। अब फाइनल भी पाकिस्तान में न होकर दुबई में खेला जाएगा, जिससे पीसीबी को और 39 करोड़ रुपए का नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है। इस तरह पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को कुल 195 करोड़ रुपए का नुकसान होगा। रही-सही कसर बारिश ने पूरी कर दी।

महिला प्रीमियर लीगः मुंबई इंडियंस ने यूपी वारियर्स को छह विकेट से हराया

लखनऊ। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के 16वें मैच में मुंबई इंडियंस ने यूपी वॉरियर्स को छह विकेट से हरा दिया है। लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए यूपी वॉरियर्स ने 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 150 रन बनाए। टीम की ओर से जॉर्जिया वोल ने 33 गेंदों पर 55 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली, लेकिन अन्य बल्लेबाज उनका साथ देने में असफल रहीं। मुंबई इंडियंस की गेंदबाजों ने सधी हुई गेंदबाजी का प्रदर्शन किया, जिससे यूपी वॉरियर्स बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रही। मुंबई के लिए अमिलिया केर ने पांच विकेट चटकाए, जबकि हेली मैथ्यूज को दो सफलता मिली। वहीं, नैट सीवर ब्रंट और परुनिका सिसोदिया ने एक-एक विकेट अपने नाम किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस ने 18.3 ओवर में 4 विकेट खोकर 153 रन बनाकर मैच जीत लिया। सलामी बल्लेबाज हीली मैथ्यूज ने 46 गेंदों पर 68 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली, जिससे टीम को मजबूत शुरुआत मिली। उनकी इस पारी ने जीत की नींव रखी, जिसे मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने सफलतापूर्वक पूरा किया। नैट सिवर ने 37 रन की अहम पारी खेली। यूपी वारियर्स के लिए ग्रेस हैरिस ने दो विकेट अपने नाम किए. जबकि हैनरी और क्रांति गौड़ को एक-एक विकेट मिला।

सुनील छेत्री ने संन्यास तोड़कर की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम में वापसी

नई दिल्ली

भारत के सर्वकालिक शीर्ष गोलस्कोरर और पूर्व कप्तान सुनील छेत्री ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास तोड़ते हुए मार्च में होने वाली अंतरराष्ट्रीय विंडो में मालदीव और बांग्लादेश के खिलाफ खेलने का फैसला किया है।

40 वर्षीय छेत्री ने पिछले साल जून में फीफा वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायर में कुवैत के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की थी।

मालदीव और बांग्लादेश के खिलाफ खेलेंगे

94 अंतरराष्ट्रीय गोलों के साथ, वह पुरुष फुटबॉल में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में चौथे स्थान पर हैं, उनसे ऊपर केवल क्रिस्टियानो रोनाल्डो, लियोनेल मेसी और अली डेई हैं। हालांकि, उन्होंने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में बेंगलुरु एफसी के लिए खेलना जारी रखा और 12 गोल दागकर इस सीजन में लीग के शीर्ष भारतीय गोलस्कोरर बने।

उन्होंने बेंगलुरु एफसी के लिए 23 मैच खेले हैं, जिनमें से 17 में वह शुरुआती एकादश में थे और कुल 14 गोलों में योगदान दिया, जिसमें दो असिस्ट शामिल हैं। गोल्डन बूट की दौड़ में दूसरे स्थान पर काबिज छेत्री ने बेंगलुरु एफसी को प्लेऑफ में पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जबकि पिछले सीजन में टीम तीसरे स्थान से नीचे रही थी।

संन्यास के बाद छेत्री ने स्पष्ट किया था, 'संन्यास का निर्णय शारीरिक कारणों से नहीं था। मैं अब भी फिट हूं, दौड़ रहा हूं, बचाव कर रहा हूं और कड़ी मेहनत कर रहा हूं। यह निर्णय मानसिक पहलुओं से जुड़ा था।'

भारत को एएफसी एशियन कप 2027 क्वालिफायर में बांग्लादेश, हांगकांग (चीन) और सिंगापुर के साथ समूह में रखा गया है। भारत इस महीने 19 मार्च को शिलांग के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में मालदीव के खिलाफ दोस्ताना मैच के साथ अपना अभियान शुरू करेगा, इसके बाद तीसरे दौर के क्वालिफायर में बांग्लादेश का सामना करेगा।

भारतीय टीम के मुख्य कोच मनोलो मार्केज़ ने एक बयान में कहा, 'एशियन कप के लिए क्वालीफाई करना हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। टूर्नामेंट और आगामी मैचों के महत्व को देखते हुए, मैंने सुनील छेत्री से वापसी को लेकर चर्चा की। उन्होंने सहमति जताई, और इसलिए हमने उन्हें टीम में शामिल किया है।'

पिछले एशियन कप में भारत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था, जहां टीम ग्रुप स्टेज में तीनों मुकाबले हारकर बाहर हो गई थी। अब जब छेत्री टीम में वापस आ गए हैं और अपनी तीसरी एशियन कप उपस्थिति की उम्मीद कर रहे हैं, यह देखना दिलचस्प होगा कि कोच मार्केज़ उन्हें पारंपरिक नंबर 9 के रूप में खिलाते हैं या प्रभावशाली विकल्प के रूप में उपयोग करते हैं।

भारतीय टीम इस प्रकार है

गोलकीपर: अमरिंदर सिंह, गुरुमीत सिंह, विशाल कैथ।
डिफेंडर: आशीष राय, बोरिस सिंह थांगजाम, चिंगलेनसाना सिंह कोनशाम, हिंगथनमाविया, मेहताब सिंह, राहुल भेके, रोशन सिंह, संदेश झिंगन, सुभाशीष बोस।
मिडफील्डर: आशिक कुरुनियन, आयुष देव छेत्री, ब्रैंडन फर्नांडिस, ब्रिसन फर्नांडिस, जेकसन सिंह थौनाओजम, लालेंगमाविया, लिस्टन कोलाको, महेश सिंह नाओरेम, सुरेश सिंह वांगजम।
फॉरवर्ड : सुनील छेत्री, फारुख चौधरी, इरफान यदवद, लालियानजुआला चांगटे, मनवीर सिंह।

इंडोनेशिया ने 2026 वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स के लिए तीन फुटबॉलरों को नागरिकता प्रदान की

जकार्ता। इंडोनेशियाई फुटबॉल संघ (पीएसएसआई) ने 2026 फीफा वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स के तीसरे दौर से पहले राष्ट्रीय टीम को मजबूत करने के लिए तीन इंडोनेशियाई मूल के खिलाड़ियों को नागरिकता प्रदान की। संघ ने एक प्रेस विज्ञप्ति में इस बात की घोषणा की। संघ के बयान के अनुसार, इंडोनेशियाई संसद ने डीन रुबेन जेम्स, जोई मैथियस पेलुपेसी और एमिल ऑडेरो मुल्यादी की नागरिकता अनुरोध को मंजूरी दे दी। अगले चरण में, इन खिलाड़ियों के नागरिकता दस्तावेज राष्ट्रपति प्रबावो सुबियांतो को सौंपे जाएंगे, ताकि राष्ट्रपति की ओर से एक औपचारिक डिक्री जारी की जा सके, जो उन्हें इंडोनेशियाई नागरिक के रूप में शपथ लेने की अनुमति देगा। पीएसएसआई की कार्यकारी समिति के सदस्य आर्य सिनुलिंग्गा के अनुसार, राष्ट्रपति प्रबावो शुक्रवार (7 मार्च) को इस डिक्री पर हस्ताक्षर करेंगे। सिनुलिंग्गा ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा,"हमें सूचित किया गया है कि राष्ट्रपति कल (7 मार्च) को इस डिक्री पर हस्ताक्षर करेंगे, जिसके बाद नागरिकता शपथ ग्रहण की प्रक्रिया को 10 मार्च से पहले पूरा कर लिया जाएगा, पीएसएसआई के अध्यक्ष एरिक तोहिर ने संसद को इस प्रक्रिया को मंजूरी देने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि इन तीन खिलाड़ियों के टीम में शामिल होने से इंडोनेशियाई राष्ट्रीय टीम की ताकत बढ़ेगी।

डेविड लॉयड ने डर्बीशायर के कप्तान पद से दिया इस्तीफा

लंदन

डर्बीशायर के हरफनमौला खिलाड़ी डेविड लॉयड ने 2025 सीज़न से पहले क्लब के कप्तान पद से इस्तीफा दे दिया है। लॉयड, जिन्होंने 2023 में ग्लेमॉर्गन से डर्बीशायर का रुख किया था, पिछले साल काउंटी चैंपियनशिप में टीम के कप्तान थे, लेकिन उनकी अगुवाई में डर्बीशायर डिवीजन टू में सबसे निचले स्थान पर रहा और 'वुडन स्पून' प्राप्त किया।

अपने पहले पूर्ण सीज़न में 32 वर्षीय लॉयड ने चैंपियनशिप में बल्ले से 23.47 की औसत और गेंद से 31.00 की औसत से प्रदर्शन किया। उन्होंने बेहतर व्यक्तिगत प्रदर्शन की उम्मीद में कप्तानी छोड़ने का निर्णय लिया है।

डर्बीशायर के हेड ऑफ क्रिकेट मिकी आर्थर नेक्लब की ओर से जारी एक बयान में कहा, 'डेविड ने कप्तानी में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की और वह एक शानदार नेता रहे हैं, लेकिन टीम की अगुवाई करने का मानसिक दबाव, अपने फॉर्म को फिर से हासिल करने की कोशिश, और अपने परिवार के साथ संतुलन बनाए रखना - ये सभी कारण हैं कि उनके लिए यह जिम्मेदारी छोड़ना बेहतर होगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'डेविड मेरे साथ पूरी ईमानदारी से पेश आए। वह टीम के लिए योगदान देने को लेकर बेहद उत्साहित हैं और उनकी अनुभव व नेतृत्व क्षमता ड्रेसिंग रूम और मैदान पर बहुमूल्य साबित होगी। हमें उम्मीद है कि इस सीज़न में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देखने को मिलेगा।'

डर्बीशायर ने 2024 सीज़न से पहले बड़े बदलाव किए थे, जब लॉयड ने लेउस डू प्लॉय के जाने के बाद कप्तानी संभाली थी। हालांकि, टीम के प्रदर्शन में ज्यादा सुधार नहीं हुआ। 2023 में बिना किसी जीत के सीज़न खत्म करने के बाद, 2024 में उन्होंने एकमात्र जीत दर्ज की, छह मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा और अंततः वे अंकतालिका में सबसे नीचे रहे।

हालांकि, यह एक जीत डर्बी में चैंपियनशिप क्रिकेट में पांच साल के सूखे को समाप्त करने में सफल रही।

अपनी कप्तानी छोड़ने के फैसले पर लॉयड ने कहा, 'यह मेरे लिए एक आसान निर्णय नहीं था, लेकिन सर्दियों के दौरान मैंने अपने दोस्तों, परिवार और टीम के साथियों से चर्चा की, और मुझे लगता है कि यह फैसला मुझे अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करेगा।' उन्होंने आगे कहा, 'डर्बीशायर की कप्तानी करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। अब मैं कम दबाव के साथ खेलने के लिए उत्साहित हूं, मिकी और कोचिंग टीम से सीखने के मौके को भुनाना चाहता हूं और हमारे समर्थकों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिखाने की कोशिश करूंगा।' उन्होंने कहा, 'हम चाहते हैं कि टीम सभी प्रारूपों में प्रतिस्पर्धा करे। मैं इसमें अपनी भूमिका निभाने और नए कप्तान की हरसंभव मदद करने के लिए तत्पर हूं।'

जिला स्तरीय जूनियर कुश्ती प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

मुरादाबाद। खेल निदेशालय उप्र लखनऊ के तत्वावधान में क्षेत्रीय खेल कार्यालय, मुरादाबाद द्वारा जिला स्तरीय जूनियर कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन शुक्रवार को नेताजी सुभाषचंद्र बोस सोनकपुर स्टेडियम में किया गया। प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे उत्तर प्रदेश ओलम्पिक संघ के संयुक्त सचिव डॉ अजय पाठक ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। प्रभारी क्षेत्रीय क्रीडा अधिकारी प्रदीप कुमार सक्सेना ने प्रतियोगिता परिणाम की घोषणा करते हुए बताया कि 57 किग्रा प्रथम स्थान पर अभिषेक राजपूत, द्वितीय ऋतिक राजपूत, तृतीय यश व सूरज, 61 किग्रा में प्रथम हनी, द्वितीय रोहित, तृतीय अरूण, तृतीय रवि, 65 किग्रा प्रथम श्रेय वर्मा, द्वितीय रिंकू, तृतीय लव, तृतीय सुमित रहे। 70 किग्रा में प्रथम संजय दत्त, द्वितीय कृष्ण कुमार, तृतीय ओमवीर, तृतीय दुर्गेश, 74 किग्रा प्रथम शिवम चाहल, द्वितीय विनीत, तृतीय समीर, तृतीय स्थान पर राहुल रहे। प्रतियोगिता के निर्णायक करतार पहलवान, आनन्द राघव, सुनील चौधरी, मुस्कान, दीपक, गोविन्द कुमार यादव, अभी, दिलीप गुप्ता आदि रहे। इस अवसर पर पवन सिसौदिया सचिव जिला कुश्ती संघ, अंकित अग्रवाल लेखाकार, सचिन विश्नोई फुटबाल प्रशिक्षक, ललिता चौहान व आसिफ सिद्दीकी बैडमिन्टन प्रशिक्षक, नरेश पाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

यूरोपा लीग : रियल सोसिदाद और मैनचेस्टर यूनाइटेड के बीच ड्रॉ, एथलेटिक बिलबाओ को अंतिम क्षणों में मिली हार

मैड्रिड

यूरोपा लीग के अंतिम-16 चरण के पहले चरण में रियल सोसिदाद और मैनचेस्टर यूनाइटेड के बीच मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। यह मैच बास्क टीम के रेले एरिना स्टेडियम में खेला गया।

मैच से पहले रियल सोसिदाद को झटका लगा जब स्पेनिश मिडफील्डर मार्टिन जुबिमेंडी बीमारी के कारण टीम से बाहर हो गए। उनकी अनुपस्थिति का असर टीम के खेल पर दिखा, क्योंकि यूनाइटेड ने पांच डिफेंडरों के साथ रक्षात्मक खेल अपनाया और काउंटर अटैक पर जोर दिया।

यूनाइटेड के लिए पहली कोशिश अलेजांद्रो गारनाचो ने की, लेकिन उनका शॉट सीधा गोलकीपर एलेक्स रेमिरो के हाथों में चला गया। दोनों टीमें रक्षात्मक रूप से मजबूत दिखीं, जिससे गोल के मौके कम बने।

जोशुआ जिर्कजी यूनाइटेड के लिए एक अच्छा मौका बना सकते

थे, लेकिन अरित्ज़ एलुस्तोंदो ने उनके लगातार दो शॉट ब्लॉक कर दिए। वहीं, रियल सोसिदाद की ओर से आंद्रे ओनाना को पहले हाफ में कोई भी शॉट रोकने की जरूरत नहीं पड़ी।

दूसरे हाफ में पहला मौका गारनाचो को मिला, जिन्होंने फ्री-किक से अच्छा प्रयास किया, लेकिन गेंद पोस्ट के पास से बाहर चली गई।

यूनाइटेड के लिए जोशुआ जिर्कजी ने ब्रूनो फर्नांडिस के पास पर शानदार लेफ्ट फुट शॉट लगाकर टीम को बढ़त दिलाई। हालांकि, कुछ देर बाद फर्नांडिस के गैरजरूरी हैंडबॉल के कारण रियल सोसिदाद को पेनल्टी मिली, जिसे मिकेल ओयारजाबाल ने गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया।

रियल सोसिदाद के ब्राइस मेंडेज़ ने विजयी गोल करने की कोशिश की, लेकिन ओनाना ने उनके प्रयास को शानदार तरीके से बचा लिया।

दूसरी ओर, एथलेटिक बिलबाओ को अपने पहले चरण के मुकाबले में अंतिम क्षणों में हार का सामना करना पड़ा। रोम में खेले गए इस मुकाबले में एथलेटिक बिलबाओ को इटालियन क्लब रोमा के खिलाफ 2-1 से हार झेलनी पड़ी।

इनाकी विलियम्स ने 50वें मिनट में हेडर के जरिए एथलेटिक को बढ़त दिलाई, लेकिन छह मिनट बाद एंजेलिनो ने रोमा के लिए बराबरी का गोल किया। मैच के अंतिम क्षणों में बिलबाओ को 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा, क्योंकि डिफेंडर येराय अल्वारेज़ को दूसरा येलो कार्ड मिलने के कारण बाहर जाना पड़ा।

अंतिम सेकंड में एल्डोर शोमुरोदोव ने गोल कर रोमा को 2-1 से जीत दिला दी, जिससे एथलेटिक बिलबाओ के लिए वापसी करना मुश्किल हो गया।

बेन स्टोक्स को वनडे कप्तानी सौंपने पर विचार कर रहा इंग्लैंड : रॉब की

लंदन

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मैनेजिंग डायरेक्टर रॉब की का मानना है कि बेन स्टोक्स को वनडे कप्तानी सौंपने पर विचार न करना मूर्खता होगी। 2019 वर्ल्ड कप चैंपियन इंग्लैंड एक और खराब आईसीसी टूर्नामेंट से गुजर रहा है, जहां टीम 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप चरण में एक भी मैच जीते बिना बाहर हो गई। इसके बाद कप्तान जोस बटलर ने पद छोड़ दिया, जिससे अब इंग्लैंड क्रिकेट प्रबंधन के सामने टीम के भविष्य को संवारने के लिए अहम फैसला लेने की चुनौती है।

स्टोक्स, जो 33 साल के हैं, इंग्लैंड क्रिकेट में एक प्रेरणादायक खिलाड़ी रहे हैं और उन्होंने उन टीमों का हिस्सा बनकर बड़ी भूमिका निभाई, जिन्होंने एक समय पर दोनों व्हाइट-बॉल वर्ल्ड कप खिताब अपने नाम किए थे। हालांकि, उन्होंने 2023 वर्ल्ड कप के बाद वनडे प्रारूप से संन्यास ले लिया था। उन्होंने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने के संकेत दिए थे, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान लगी हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण यह संभव नहीं हो सका।

रॉब की ने एक बयान में कहा, 'बेन स्टोक्स सबसे बेहतरीन कप्तानों में से एक हैं, जिन्हें मैंने देखा है। इसलिए उन्हें नजरअंदाज करना गलत होगा। यह इस बात पर निर्भर करता है कि इससे क्या असर पड़ेगा। हम हर एक विकल्प पर विचार कर रहे हैं और देख रहे हैं कि कौन-सा फैसला सबसे सही रहेगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'स्टोक्स एक शानदार रणनीतिकार हैं, जैसा कि हमने टेस्ट क्रिकेट में देखा है, लेकिन वह लोगों को प्रेरित करने वाले लीडर भी हैं। जब दबाव ज्यादा होता है, तो वह टीम को संभालते हैं और सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। यही लक्षण एक अच्छे कप्तान में होने

चाहिए। लेकिन हमें उनके वर्कलोड पर भी ध्यान देना होगा, ताकि किसी अन्य प्रारूप में उनकी उपलब्धता प्रभावित न हो।'

स्टोक्स ने बतौर टेस्ट कप्तान ब्रेंडन मैकुलम के साथ सफल साझेदारी बनाई है। मैकुलम को इस साल इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल फॉर्मेट का कोच नियुक्त किया गया था, लेकिन उनकी अगुवाई में इंग्लैंड को अब तक सीमित ओवरों के 11 मैचों में से 10 में हार का सामना करना पड़ा है।

रॉब की ने कहा कि टेस्ट और वनडे क्रिकेट की समानता को देखते हुए स्टोक्स और मैकुलम की जोड़ी वनडे फॉर्मेट में भी फायदेमंद साबित हो सकती है। उन्होंने भारत के उदाहरण का जिक्र करते हुए कहा कि वहां टी20 विशेषज्ञों का दबदबा है, लेकिन वनडे टीम की रीढ़ टेस्ट खिलाड़ी ही हैं।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि टेस्ट और वनडे क्रिकेट अब ज्यादा करीब आ चुके हैं, जबकि टी20 अब एक अलग प्रारूप की तरह हो गया है। भारत में भी टी20 क्रिकेट में नए खिलाड़ी आ रहे हैं, लेकिन वनडे में टेस्ट खिलाड़ी ही टीम की ताकत हैं।'

इसके अलावा, की ने युवा बल्लेबाज हैरी ब्रूक की कप्तानी क्षमता पर भी भरोसा जताया और कहा कि स्टोक्स की मौजूदगी उनके नेतृत्व कौशल को निखार सकती है। 26 वर्षीय ब्रूक को इंग्लैंड का भविष्य का कप्तान माना जाता है और उन्होंने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बटलर की गैरमौजूदगी में इंग्लैंड की वनडे टीम की कप्तानी भी की थी।

की ने कहा, 'मुझे लगता है कि हैरी ब्रूक एक शानदार कप्तान बन सकते हैं। बेन स्टोक्स की कप्तानी को लेकर मुझे पहले कुछ संदेह था, लेकिन उन्होंने जिस तरह नेतृत्व किया है, वह काबिलेतारीफ है। स्टोक्स की उपस्थिति ब्रूक के लिए भी फायदेमंद हो सकती है, क्योंकि अतिरिक्त जिम्मेदारी कई खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बेहतर बनाती है।'

देश में सोलर कार पर काम...

वाराणसी में आईआईटी, बीएचयू के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग ने एक सोलर कार तैयार की है। यह सोलर कार ईंधन तो बचाएगी ही, साथ ही इसमें एसी भी चलाया जा सकेगा। हालांकि एसी को कम समय के लिए ही चलाया जा सकेगा। उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही यह कार बाजार में उपलब्ध हो सकेगी। अभी कार की इलेक्ट्रिक प्रणाली को सौर ऊर्जा पैनल से जोड़ा गया है। कार की छत पर लगाया गया सौर ऊर्जा पैनल इसकी बैटरियों को ऊर्जा देगा। यह प्रोजेक्ट टाटा मोटर्स के सहयोग से चलाया जा रहा है। सोलर पैनल छत पर लगे होने के कारण कार के अंदर गर्मी नहीं होगी। एक बार एसी चलाकर थोड़ी देर में इसे बंद कर दिया जाय तो कार में काफी देर तक ठंडक बनी रहेगी। एक कार को कम से कम 400 किलोवाट ऊर्जा की जरूरत होगी। फिलहाल सौर ऊर्जा से करीब 180 वाट ऊर्जा ही मिल रही है। ऐसे में बाकी की ऊर्जा के लिए डीजल और बायो डीजल के मिश्रण का इस्तेमाल होगा।

धार्मिक दृष्टि से आहार...

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए आहार का सेवन किया जाता है। धार्मिक दृष्टि से आहार शुद्ध और पवित्र होना आवश्यक है। उपनिषदों में कहा गया है कि 'जैसा अन्न वैसा मन' अर्थात हम जैसा भोजन करते हैं, उसी के अनुसार हमारा मानसिक विकास होता है। शुद्ध एवं उचित आहार भगवान की उपासना का एक अंग है। भोजन करते समय किसी भी अपवित्र खाद्य पदार्थ को ग्रहण करना निषिद्ध है। यही कारण है कि भोजन करने से पूर्व भगवान को भोग लगाने का विधान है जिससे कि हम केवल शुद्ध और उचित आहार ही ग्रहण करें। श्रीमदभगवद् गीता के सत्रहवें अध्याय में भोजन के तीन प्रकारों सात्विक, राजसिक एवं तामसिक का उल्लेख मिलता है। सात्विक आहार शरीर के लिए लाभकारी होते हैं और आयु, गुण, बल, आरोग्य तथा सुख की वृद्धि करते हैं। इस प्रकार के आहार में गौ घृत, गौ दुग्ध, मक्खन, बादाम, काजू, किशमिश आदि मुख्य हैं। राजसिक भोजन कड़वे, खट्टे, नमकीन, गर्म, तीखे व रुखे होते हैं। इसके सेवन से शरीर में दुख, शोक, रोग आदि उत्पन्न होने लगते हैं। इमली अमचूर, नींबू, छाछ, लाल मिर्च, राई जैसे आहार राजसिक प्रकृति के माने गए हैं। तामसिक भोजन किसी भी दृष्टि से शरीर के लिए लाभकारी नहीं होते। बासी, सड़े-गले, दुर्गंध युक्त, जूठे, अपवित्र और त्याज्य आहार तामस भोजन के अंतर्गत माने जाते हैं। श्रीमद्भागवद गीता के अनुसार सात्विक भोजन करने वाला दैवी सम्पत्ति का स्वामी होता है।

रसोई और वास्तु...

घर के महत्वपूर्ण हिस्सों में से रसोई भी एक है। अगर इस भाग में वास्तुदोष हो तो घर में रहने वाले लोगों की सेहत और कमाई पर वह अपना बुरा प्रभाव डालता है। रसोई व्यवस्थित, शुद्ध और साफ-सुथरी होनी चाहिए। ऐसी रसोई में देवी-देवता अपना स्थाई वास बना लेते हैं जिससे घर में कभी भी धन और सुख-समृद्धि की कमी नहीं रहती। रसोई में मंदिर बनाने से पारिवारिक सदस्यों के स्वभाव में गुस्सा और असहनशीलता आती है। रसोई में स्टोर बनाने से जॉब अथवा व्यापार में तरक्की नहीं हो पाती। जिस घर में रसोई और वॉशरूम एक सीध में हो वहां के सदस्यों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं रहती हैं। बेटियों के जीवन में भी अशांति रहती है। मुख्यद्वार के बिल्कुल सामने किचन का होना अपशगुन का प्रतीक होता है। बिना नहाए रसोई में जाने से नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। रसोई का इंटीरियर वास्तु के अनुसार सेट न किया हो तो सेहत और कमाई के साधनों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। दक्षिण-पूर्व दिशा में बना किचन अन्न-धन के भंडार भरता है। सिंक को रसोई के उत्तर-पूर्व में बनवाएं। जल और अग्नि में वैर भाव होता है इसलिए सिंक और चूल्हे को एक सीध में नहीं रखना चाहिए। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को दक्षिण पूर्व अथवा दक्षिण दिशा में रखना चाहिए। गैस स्टोव और इंडक्शन चूल्हे को दक्षिण पूर्व दिशा में रखें, दीवार से कम से कम 3 इंच की दूरी होनी चाहिए और चूल्हे के ऊपर शेल्फ नहीं होनी चाहिए।

ईश्वर कौन है, कहां है, कैसा है?

मात्र सृष्टि संचालन ही ईश्वर का काम नहीं है चूंकि हमारा संबंध उसके साथ इसी सीमा तक है, अपनी मान्यता यही है कि वह इसी क्रिया-प्रक्रिया में निरत रहता होगा, अतः उसे दिखाई भी देना चाहिए। मनुष्य की यह आकांक्षा एक बाल कौतुक ही कही जानी चाहिए क्योंकि अचिन्त्य, अगोचर, अगम्य परमात्मा- पर ब्रह्म- ब्राह्मी चेतना के रूप में अपने ऐश्वर्यशाली रूप में सारे ब्रह्माण्ड में, इको सिस्टम के कण-कण में व्याप्त है। ईश्वर कैसा है व कौन है, यह जानने के लिए हमें उसे सबसे पहले आत्मविश्वास- सुदृढ़ आत्म-बल के रूप में अपने भीतर ही खोजना होगा। ईश्वर सद्गुणों का- सत्प्रवृत्तियों का- श्रेष्ठताओं का समुच्चय है जो अपने अंदर जिस परिमाण में जितना इन सद्गुणों को उतारता चला जाता है, वह उतना ही ईश्वरत्व से अभिपूरित होता चला जाता है। ईश्वर रसो वैसैः के रूप में भी विद्यमान है तथा वेदान्त के तत्त्वमसि, अयमात्मा ब्रह्म के रूप में भी। व्यक्तित्व के स्तर को जीवो ब्रह्मैव नापरः की उक्ति के अनुसार परिष्कात कर परमहंस- स्थित प्रज्ञ की स्थिति प्राप्त कर आत्म साक्षात्कार कर लेना ही ईश्वर दर्शन है-आत्म साक्षात्कार है- जीवन्मुक्त स्थिति है।

भ्रांतियां भी कम नहीं

ईश्वर के संबंध में भ्रांतियां भी कम नहीं हैं। बालबुद्धि के लोग कशाय कल्मषों को धोकर साधना के राज- मार्ग पर चलने को एक झंझट मानकर सस्ती पगडंडी का मार्ग खोजते हैं। उन्हें वही शार्टकट पसन्द आता है। वे सोचते हैं कि दृष्टिकोण को घटिया बनाए रखकर भी थोड़ा बहुत पूजा उपचार करके ईश्वर को प्रसन्न भी किया जा सकता है व ईश्वर विश्वास का दिखावा भी। जबकि ऐसा नहीं है। उपासना, साधना, आराधना की त्रिविध राह पर चल कर ही ईश्वर दर्शन संभव है। ईश्वर कौन है, कैसा है- यह जान लेने पर, वह भी रोजमर्रा के उदाहरणों से विज्ञान सम्मत शैली द्वारा समझ लेने पर किसी को भी कोई संशय नहीं रह जाता कि आस्तिकता का तत्त्व दर्शन ही सही है। यह इसलिए भी जरूरी है कि ईश्वर विश्वास यदि धरती पर नहीं होगा तो समाज में अनीति मूलक मान्यताओं, वर्जनाओं को लांघकर किए गए दुष्कर्म का ही बाहुल्य चारों ओर होगा, कर्मफल से फिर कोई डरेगा नहीं और चारों ओर नरपशु, नरकीटकों का या जिसकी लाठी उसकी भैंस का शासन नजर आएगा।

कर्मों के प्रति सजगता

अपने कर्मों के प्रति व्यक्ति सजग रहे, इसीलिए ईश्वर विश्वास जरूरी है। कर्मों के फल को उसी को अर्पण कर उसी के निमित्त मनुष्य कार्य करता रहे, यही ईश्वर की इच्छा है। ईश्वर शब्द बड़ा अभव्यंजनात्मक है। सारी सृष्टि में जिसका ऐश्वर्य छाया पड़ा हो, चारों ओर जिसका सौंदर्य दिखाई देता हो- सृष्टि के हर कण में उसकी झांकी देखी जा सकती हो, वह कितना ऐश्वर्यशाली होगा इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसीलिए उसे अचिन्त्य बताया गया है। इस सृष्टि में यदि हर वस्तु का कोई निमित्त कारण है- कर्ता है, तो वह ईश्वर है। वह बाजीगर की तरह अपनी सारी कठपुतलियों को नचाया करता है व ऊपर से बैठकर तमाशा देखता रहता है। यही पर ब्रह्म- ब्राह्मी चेतना जिसे हर श्वास में हर कार्य में, हर पल अनुभव किया जा सकता है- सही अर्थों में ईश्वर है। प्राणों के समुच्चय को जिस प्रकार महाप्राण कहते हैं, ऐसे ही आत्माओं के समुच्चय को- सर्वोच्च सर्वोत्कृष्टता को- हम सब के परमपिता को परमात्मा कहते हैं।

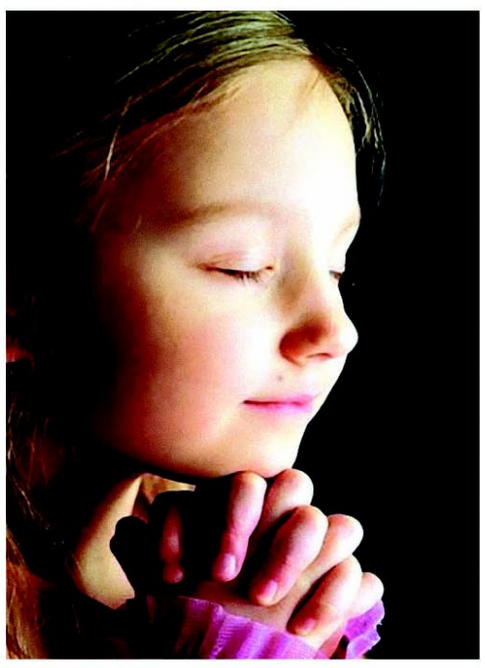

नास्तिकवाद का कथन

नास्तिकवाद का कथन यह है कि इस संसार में ईश्वर नाम की कोई वस्तु नहीं क्योंकि उसका अस्तित्व प्रत्यक्ष उपकरणों से सिद्ध नहीं होता। अनीश्वरवादियों की मान्यता है कि जो कुछ प्रत्यक्ष है, जो कुछ विज्ञान- सम्मत है केवल वही सत्य है। चूंकि वैज्ञानिक आधार पर ईश्वर की सत्ता का प्रमाण नहीं मिलता इसलिए उसे क्यों मानें? इस प्रतिपादन पर विचार करते हुए हमें यह सोचना होगा कि अब तक जितना वैज्ञानिक विकास हुआ है क्या वह पूर्ण है? क्या उसने सृष्टि के समस्त रहस्यों का पता लगा लिया है? यदि विज्ञान को पूर्णता प्राप्त हो गई होती तो शोध कार्यों में दिन- रात माथापच्ची करने की वैज्ञानिकों को क्या आवश्यकता रह गई होती? बात यह है कि विज्ञान का अभी अत्यल्प विकास हुआ है। उसे अभी बहुत कुछ जानना बाकी है। कुछ समय पहले तक भाप, बिजली, पेट्रोल, एटम, ईथर आदि की शक्तियों का कौन जानता था, पर जैसे- जैसे विज्ञान में प्रौढ़ता आती गई यह शक्तियां खोज निकाली गईं। यही जड़ जगत की खोज है। चेतन जगत सम्बन्धी खोज तो अभी प्रारंभिक अवस्था में ही है।

हमारे साधन ही स्वल्प

बाह्य मन और अंतर्मन की गतिविधियों को शोध से ही अभी आगे बढ़ सकना संभव नहीं है। यदि हम अधीर न हों तो आगे चलकर जब चेतन जगत के मूल तत्त्वों पर विचार कर सकने की क्षमता मिलेगी तो आत्मा और परमात्मा का अस्तित्व भी प्रामाणिक होगा। ईश्वर अप्रामाणिक नहीं है। हमारे साधन ही स्वल्प हैं जिनके आधार पर अभी उस तत्व का प्रत्यक्षीकरण संभव नहीं हो पा रहा है। जब साम्यवादी विचारधारा का जन्म हुआ था तब वैज्ञानिक विकास बहुत स्वल्प मात्रा में हो पाया था। उन दिनों सृष्टि के अंतराल में काम करने वाली चेतन सत्ता का प्रमाण पा सकना अविकसित विज्ञान के लिए कठिन था, पर अब तो बादल बहुत कुछ साफ हो गए हैं। वैज्ञानिक प्रगति के साथ- साथ मनीषियों के लिए चेतन- सत्ता का प्रतिपादन कुछ कठिन नहीं रहा था। आधुनिक विज्ञानवेत्ता ऐसी संभावना प्रकट करने लगे हैं कि निकट भविष्य में ईश्वर का अस्तित्व वैज्ञानिक आधार पर भी प्रामाणिक हो सकेगा। जो आधार विज्ञान को अभी प्राप्त हो सके हैं वे अपनी अपूर्णता के कारण आज ईश्वर का प्रतिपादन कर सकने में समर्थ भले ही न हों पर उनकी संभावना से इंकार कर सकना उनके लिए भी शक्य नहीं है।

क्या कहते हैं वैज्ञानिक

सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक रिचार्डन से लिखा है-विश्व की अगणित समस्याओं तथा मानव की मानसिक प्रतिक्रियाएं वैज्ञानिक साधनों, गणित तथा यन्त्रों के आधार पर हल नहीं होतीं। भौतिक विज्ञान से बाहर भी एक अत्यन्त विशाल दुरूह अज्ञात क्षेत्र रह जाता है जिसे खोजने के लिए कोई दूसरा साधन प्रयुक्त करना पड़ेगा। भले उसे अध्यात्म कहा जाय या कुछ और। वैज्ञानिक मैकब्राइट का कथन है- इस विश्व के परोक्ष में किसी ऐसी सत्ता के होने की पूरी संभावना है जो ज्ञान और इच्छायुक्त हो। डॉ. मर्डेल ने लिखा है- विभिन्न धर्म, सम्प्रदायों में ईश्वर का जैसा चित्रण किया गया है वैसा तो विज्ञान नहीं मानता पर ऐसी संभावना अवश्य है कि अणु जगत् के पीछे कोई चिंतन शक्ति काम कर रही है । इस संभावना के सत्य सिद्ध होने से ईश्वर का अस्तित्व भी प्रामाणित हो सकता है। विख्यात विज्ञानी इंगोल्ड का कथन है कि जो चेतना इस सृष्टि में काम कर रही है उसका वास्तविक स्वरूप समझने में अभी हम असमर्थ हैं। इस संबंध में हमारी वर्तमान मान्यताएं अधूरी अप्रामाणिक और असंतोषजनक है। अचेतन अणुओं के अमुक प्रकार मिश्रण से चेतन प्राणियों के काम करने वाली चेतना उत्पन्न हो जाती है यह मान्यता संदेहास्पद ही रहेगी।

स्वीकार रहा है विज्ञान

विज्ञान अब धीरे- धीरे ईश्वर की सत्ता स्वीकार करने की स्थिति में पहुंचता जा रहा है। जान अटुअर्ट मिल का कथन सचाई के बहुत निकट है कि विश्व की रचना में प्रयुक्त हुई नियमबद्धता और बुद्धिमत्ता को देखते हुए ईश्वर की सत्ता स्वीकार की जा सकती है। कान्ट, मिल, हेल्स, होल्टज, लांग, हक्सले, कम्टे आदि वैज्ञानिकों ने ईश्वर की असिद्धि के बारे में जो कुछ लिखा है वह बहुत पुराना हो गया, उनकी ये युक्तियां जिनके आधार पर ईश्वर का खंडन किया जाया करता था अब असामयिक होती जाती हैं। डॉ. पिलन्ट ने अपनी पुस्तक थीइज्म में इन युक्तियों का वैज्ञानिक दृष्टिकोण में ही खण्डन करके रख दिया है। भौतिक विज्ञान का विकास आज आशाजनक मात्रा में हो चुका है। यदि विज्ञान की यह मान्यता सत्य होती कि अमुक प्रकार के अणुओं के अमुक मात्रा में मिलने से चेतना उत्पन्न होती है। तो उसे प्रयोगशालाओं में प्रामाणित किया गया होता। कोई कृत्रिम चेतन प्राणी अवश्य पैदा कर ली गई होती अथवा मृत शरीरों को जीवित कर लिया गया होता। यदि वस्तुतः अणुओं के सम्मिश्रण पर ही चेतना का आधार रहा होता तो मृत्यु पर नियंत्रण करना मनुष्य के वश से बाहर की बात न होती। शरीरों में अमुक प्रकार के अणुओं को प्रवेश कर देना तो विज्ञान के लिए कोई बड़ी बात नहीं है। यदि नया शरीर न भी बन सके तो जीवित शरीरों को मरने से बचा सकना तो अणु विशेषज्ञों के लिए सरल होना ही चाहिए था।

मान्यता बदलनी पड़ती है

विज्ञान का क्रमिक विकास हो रहा है। उसे अपनी मान्यताओं को समय-समय पर बदलना पड़ता है। कुछ दिन पहले तक वैज्ञानिक पृथ्वी की आयु केवल सात लाख वर्ष मानते थे और भारतीय ज्योतिर्विदों की उस उक्ति का उपहास उड़ाते थे जिसके अनुसार पृथ्वी की आयु एक अरब 67 करोड़ वर्ष मानी गई है। अब रेडियम धातु तथा यूरेनियम नामक पदार्थ के आधार पर जो शोध हुए हैं उससे पृथ्वी की आयु लगभग दो अरब वर्ष सिद्ध हो रही है और वैज्ञानिकों को अपनी पूर्व मान्यताओं को बदलना पड़ रहा है।

रमजान और खजूर का नाता...

रमजान का महीना हो और रोजा इफ्तार में खजूर न हो ऐसा नहीं हो सकता। रमजान में खजूर का बड़ा महत्व होता है। इफ्तार में खजूर खाना सुन्नत माना जाता है। मुस्लिम धर्मावलंबी इन दिनों दिनभर रोजा रखने के बाद शाम को इफ्तार के समय फल और हल्के पदार्थों का सेवन करते है लेकिन इस समय खजूर से रोजा इफ्तार करना बड़ा पवित्र माना जाता है। मदीने की खजूर अजूआ और अंबर रोजेदारों के बीच बड़ी पसंदीदा है। अजूआ खजूर के बारे में कहा जाता है कि 1400 साल पहले इसका पौधा पैगंबर साहब ने अपने हाथों से लगाया था। उसी की नस्ल आज तक मदीना में कायम है। यह खजूर अब दुनियाभर में लोगों की पसंद बन चुका है। अंबर खजूर को भी मदीना की खास

खजूर में माना जाता है। पवित्र कुरआन में कई बार उन उपकारों और मेहरबानियों की चर्चा की गई है जो फलों की सूरत में मनुष्य को प्रदान किए गए हैं। उन फलों में यूं तो अंगूर, अंजीर, अनार और जैतून का वर्णन बार-बार आया है, लेकिन कुरआन में जिस फल और दरख्त का उदाहरण सबसे ज्यादा दिया गया है वह खजूर है। इसका वर्णन नख़्ल और नखील के नाम से बीस बार कुरआन-ए-करीम में किया गया है। खजूर की किस्मों और उसकी गुठलियों वगैरह का वर्णन भी कुरआन पाक में अलग-अलग नामों से किया गया है।

अरब में खजूर

अरबी में यूं तो इसको खजूर के दरख्त को नख्ल कहते हैं और इसके फल को तमर कहा जाता है, लेकिन अरब और अफ्रीकी देशों में तमर के अलावा भी खजूर दूसरे अधिक नामों से मशहूर है। कुछ अरब मुल्कों में हिंदी शब्द खजूर और फारसी शब्द खुरमा भी काफी मशहूर हो गया है। अरब के बाजारों में खजूर अपनी किस्मों के नाम से भी बिकता है-जैसे अजवह, जाहदी, हलावी, हयाती, मजाफाती और फातमी इत्यादि।

सभ्यता को संवारा खजूर ने

वैज्ञानिकों के अनुसार खजूर की खेती आठ हजार साल पूर्व दक्खिन इराक में शुरू की गई थी। उस समय दुनिया में कहीं भी फलदार पौधों की खेती का विचार तक नहीं था, इसीलिए समझा जाता है कि सभ्यता के बनाने और संवारने में जितना दखल खजूर का है, किसी और पौधे का नहीं है। अरबों में एक पुरानी कहावत थी कि साल में जितने दिन होते हैं, उतने ही खजूर के प्रयोग और फायदे हैं और वास्तविकता भी कुछ ऐसी ही लगती है। एक तरफ उसकी लकड़ी इमारत और फर्नीचर बनाने के काम आती है तो दूसरी ओर उसकी पत्तियों से बेशुमार चीजें तैयार की जाती हैं। खजूर की गुठलियां जानवरों के लिए उचित चारा हैं और उसके फल मनुष्य के लिए अति श्रेष्ठ आहार हैं। उसकी आहार में उपयोगिता का अनुमान उसके रसायनिक भाग से किया जा सकता है, क्योंकि उसमें लगभग साठ प्रतिशत इनवर्ट शुगर और सुक्रोज के अलावा स्टार्च, प्रोटीन सेलुलोज और फैट विभिन्न मात्रा में उपलब्ध है। इसके अलावा इसमें विटामिन-बी और विटामिन-ली भी पाए जाते हैं। इसके खनिज पदार्थ भाग भी महत्वपूर्ण हैं। यानी सोडियम, कैल्शियम, सल्फर, क्लोरीन, फास्फोरस और आयरन। आहार से भरपूर इन खजूर के फलों से शर्बत, सिरका, मिठाइयां, शकर और एक प्रकार का शीरा तैयार किया जाता है जो शहद के समान होता है।

यह है सलाह

बुखारी शरीफ की एक हदीस के अनुसार हजरत मोहम्मद साहब ने रोजाना सुबह को सात खजूरें खाने की सलाह दी है। उन्होंने फरमाया है-सुबह नहार मुंह खजूरें (तमर) खाया करो कि ऐसा करने से पेट के कीड़े मर जाते हैं। बरनी खजूर एक उत्तम दवा है। खजूर खाने से कुलंज यानी आंतों की पीड़ा नहीं होती। नहार मुंह खाने से यह जहरों का तिरयाक यानी काट है। उजवा खजूर जन्नत से है। रात का खाना हरगिज न छोड़ों, चाहे एक मुट्ठी खजूर ही खा लो। रात का खाना छोड़ने से बुढ़ापा तारी होता है। जिस घर में खजूर हो उस घर वाले भूखे नहीं होते। जिसने सुबह मदीने की सात खजूरें (उजवा) खा लिया, वह उस दिन भर जहर और जादू से सुरक्षित रहेगा।

अनेक गुणों से भरपूर है बैंगन

बैंगन एक बहुत ही पौष्टिक सब्जी है लेकिन कुछ लोग इसे बिना गुण वाली सब्जी मानते हैं। अगर आप भी उन्हीं लोगों में से एक है और बैंगन की सब्जी नहीं खाते हैं तो आज हम आपको अवगत करवाते हैं बैंगन के ऐसे गुणों से जिन्हें जानने के बाद आपकी गलतफहमी दूर हो जाएगी।

दिल के लिए: धमनियों की दीवारों में कोलेस्ट्रॉल का लेवल कम हो जाता है। यहां तक की खून की नसों में भी खून ठीक प्रकार से बहने लगता है।

कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करता है: बैंगन के सेवन से रक्त में बैंगन के सेवन से रक्त में कोलेस्ट्रॉल का स्तर गिरता है। बैंगन में पोटेशियम व मैंगनीशियम की अधिकता। बैंगन की पत्तियों के रस का सेवन करने से भी रक्त में कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम किया जा सकता है।

संक्रमण से मुक्ती: बैंगन में विटामिन सी बहुत अच्छी मात्रा में है जो प्रतिरोधी क्षमता बढ़ाता है और शरीर को संक्रमण से मुक्त रखने में मदद करता है।

वेट लॉस: यह आहार चर्बी को जलाता है और कैलोरी कम करता है। इसमें फाइबर होता है जिसको खाने से पेट भर जाता है और जल्द भूख नहीं लगती, तो ऐसे में वजन भी कम होता है।

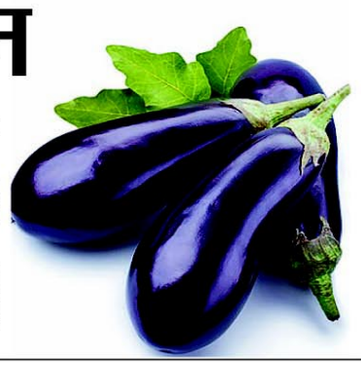

धूमपान छोड़ने में मददगार: प्राकृतिक तरीके से धूम्रपान छोड़ना चाहते हैं तो डाइट में बैंगन का सेवन अधिक करें। निकोटिन रिप्लेसमेंट थेरेपी के तहत इसमें मौजूद निकोटिन की सीमित मात्रा धूम्रपान छोड़ने वाले लोगों के लिए मददगार हो सकती है।

दांत का दर्द: बैंगन का रस दांत के दर्द में लाभदायक प्रभाव दिखलाता है। अस्थमा के उपचार के लिए बैंगन की जड़ें प्रयुक्त की जाती हैं।

रक्त की कमी: आदिवासी चुल्हे पर भुने हुए बैंगन में थोडी सी शक्कर डालकर सुबह खाली पेट खाने की सलाह देते हैं, उनका मानना है कि ऐसा करने से शरीर में रक्त की कमी दूर हो जाती है।

पेट की बीमारी में: बैंगन का सूप तैयार किया जाए जिसमें हींग और लहसून भी स्वाद के अनुसार मिलाया जाए और सेवन किया जाए तो यह पेट फूलना, गैस, बदहज़मी और अपचन जैसी समस्याओं में काफी राहत देता है।

कैंसर से बचाए: इसमें एक तत्व पाया जाता है जो कि शरीर में कैंसर की सेल से लड़ने में सहायक होता है। अगर आप हर रोज बैंगन खाएंगे तो आपका शरीर कैंसर से लड़ने के लिए मजबूत हो जाएगा। यह खासकर पेट के कैंसर से लड़ने में सहायक है।

अच्छी त्वचा: बैंगन त्वचा को हाइड्रेट करता है और अंदर से नमी प्रदान करता है। तो अगर आपके बाल और त्वचा रूखे-सूखे हैं तो आप बैंगन खाना शुरु कर दीजिए।

दिमाग के लिए: इस पेड़ में जो न्यूट्रियन्ट्स पाए जाते हैं वह हमारे दिमाग के लिए बहुत ही अच्छे होते हैं। यह किसी भी प्रकार के नुक्सान से हमारी कोशिका की झिल्ली को बचाते हैं। यह दिमाग को फ्री रैडिक्ल से बचाता है और ब्रेन का विकास करता है।

मधुमेह से लड़े: हाई फाइबर और कम कार्बोहाइड्रेट के तत्व होने के कारण यह मधुमेह रोगियों के लिये बहुत अच्छा आहार है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**